राजनीतिक दांव

TITLE CODE :-DELHIN29015

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से प्रकाशित

जीत सत्य की...

दो तरह का हिन्दुस्तान बनाना चाहती है भाजपा : राहुल गांधी

बांसवाड़ा, एजेंसी। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा दो तरह का हिन्दुस्तान बनाना चाहती है, एक अमीरों का और दूसरा गरीबों का। भाजपा सरकार कई उद्यमों को अपने मित्रों को बेच रही। लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोमवार को यहां बेणेश्वर धाम पर आयोजित एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले राहुल गांधी ने ने धाम के अच्युतानंद महाराज से मुलाकात करने के बाद पूजा अर्चना की। राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मौजूदगी में बेणेश्वर धाम पर बनने वाले हाई लेवल पुल का शिलान्यास किया। सभा में अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस और आदिवासी समाज का मेल बरसों पुराना है। कांग्रसे आदिवासियों के विकास के लिए हमेशा आगे रहती है। दूसरी विचारधारा के लोग आदिवासियों

को बांटने काम करते हैं और हम आदिवासी वर्ग को जोड़ने का काम करते हैं। उन्होंने भाजपा पर साधा निशाना साधते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी दो तरह का हिन्दुस्तान बनाना चाहती है, जिसमें एक अमीर वर्ग और दूसरा गरीब वर्ग। जबकि हम एक हिन्दुस्थान बनाना चाहते हैं, जिसमें सभी हिन्दुस्तानी एक गुलदस्ते की तरह रहें। उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार ने कई संस्थाओं को अपने उद्योगपति मित्रों को बेच दिया है। देश में बेरोजगार लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा है और केवल चंद उद्योगपति को लाभ दिया जा रहा है। सभा में राहुल गांधी ने अशोक गहलोत की सरकार के कामकाज की तारीफ करते हुए कहा कि राजस्थान स्वास्थ्य सेवाएं सारे देश में श्रेष्ठ हैं और इसका लाभ आमजन को मिल रहा है। इस मौके पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, प्रदेश प्रभारी अजय माकन, जल संसाधन मंत्री महेंद्र सिंह मालवीय, जिला प्रभारी मंत्री भंवर सिंह भाटी, टीएडी मंत्री अर्जुन सिंह बामणिया, मंच पर मौजूद थे। सभा का संचालन डूंगरपुर कांग्रेस जिलाध्यक्ष दिनेश खोड़निया ने किया और आभार बांसवाड़ा जिलाध्यक्ष चांदमल जैन ने व्यक्त किया।

केजरीवाल को खालिस्तानी आतंकियों से जान का खतरा

पंजाब पुलिस ने दिल्ली पुलिस को लिखा पत्र

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी और पंजाब पुलिस ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को खालिस्तानी आतंकियों से जान का खतरा बताया है। पंजाब पुलिस ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को खालिस्तानी आर्तकियों से जान का खतरा जताते हुए इस आधार पर दिल्ली पुलिस को सीएम की सुरक्षा बढ़ाने के लिए एक पत्र भी लिखा है।

हालांकि मामले में दिल्ली पुलिस ने पंजाब पुलिस की इस मांग को खारिज करते हुए कहा है कि केजरीवाल को पहले ही सबसे उच्च स्तर की जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि हमें पंजाब पुलिस की तरफ से केंद्रीय गृह मंत्रालय को रेफर करता हुआ एक पत्र प्राप्त हुआ। इस पत्र में आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल के लिए खालिस्तानी हमले का खतरा होने के मद्देनजर अतरिक्त सुरक्षा की मांग की गई है। गृह मंत्रालय को

उनकी सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस की तरफ से पहले ही पूरी जानकारी दी जा चुकी है, जिसमें गृह मंत्रालय ने यह सहमति दी है कि केजरीवाल को दिल्ली पुलिस जेड प्लस सुरक्षा देना जारी रखेगी। दिल्ली पुलिस ने आगे कहा कि अगर पंजाब पुलिस के पास खालिस्तानी हमले से संबंधित खुफिया इनपुट हैं तो वह हमसे और केंद्रीय एजेंसियों से साझा करें, ताकि इस मामले पर एक्शन लेने में मदद मिले।

वहीं केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस संबंध में कोई औपचारिक बयान नहीं दिया है। हालांकि, दिल्ली पुलिस का कहना है कि केजरीवाल को दिल्ली पुलिस की उच्च श्रेणी की सिक्योरिटी है जिसमें उनके पास पर्याप्त जवानों का सुरक्षा घेरा है। हर वीआईपी की सुरक्षा खतरे का नियमित तौर पर आकलन चलता रहता है। अगर इस आकलन में कोई जरूरत महसूस दिखाई देगी तो उनकी सिक्योरिटी को और भी बढ़ा दिया जाएगा। इसमें एक साथ दो पीएसओ, घर में हर प्रवेश पर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती, एक वाचर, एक स्क्रीनिंग करने वाला कर्मी व आगे-पीछे दो वाहन होते हैं। इसमें एक वाहन का इस्तेमाल पायलट के रूप में किया जाता है, जबकि दूसरे का स्कॉट के रूप में इस्तेमाल होता है। दोनो वाहनों में दिल्ली पुलिस की अमूमन जिप्सी होती हैं या फिर कभी-कभी अम्बेसडर या इनोवा वाहन भी होते हैं।

आईआईटी-मद्रास को 2021-22 में दाताओं से सर्वाधिक 131 करोड़ रुपये चंदा मिला

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास ने अपने परोपकारी और सामाजिक रूप से प्रासंगिक परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान पूर्व छात्रों, दानदाताओं और कंपनियों से अब तक की सबसे बड़ी राशि 131 करोड़ रुपये इकट्ठा की है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य पूर्व छात्रों के नेटवर्क को मजबूत करके तथा कॉरपोरेट, परोपकारी और ज्यादा आमदनी वाले व्यक्तियों के साथ जुड़ाव बढ़ाकर कोष जुटाने में तेजी लाना है। कोष जुटाने वाली गतिविधियों का नेतृत्व पूर्व छात्रों और कॉरपोरेट संबंधों के कार्यालय द्वारा किया जाता है, जिसमें पेशेवरों की एक समर्पित टीम शामिल होती है जो कंपनियों, पूर्व छात्रों और दाताओं के साथ काम करती है।

आईआईटी-मद्रास के डीन (पूर्व छात्र और कॉरपोरेट संबंध) महेश पंचग्नुला ने कहा, कोविड-19 महामारी के बावजूद पूर्व छात्रों, दाताओं और कंपनियों से धन जुटाने में साल-दर-साल 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। कारोबारी सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के माध्यम से आईआईटी मद्रास को धन दान करने वाली कॉरपोरेट फर्म की संख्या पिछले पांच वर्षों में लगभग दोगुनी हो गई है।

उन्होंने कहा, सीएसआर भागीदारी के जरिए जुटाई गई रकम पिछले वित्त वर्ष में जुटाए गए कुल 131 करोड़ रुपये में से लगभग आधी है। पंचग्नुला ने कहा, हम उन सभी पूर्व छात्रों और कॉरपोरेट भागीदारों के आभारी हैं जिन्होंने प्रभावशाली योगदान के माध्यम से हमारी मदद की है। आईआईटी-मद्रास सौभाग्यशाली है कि हजारों पूर्व छात्रों ने संस्थान को विकसित करने के लिए समय और धन दोनों का निवेश किया है। यह समूह संस्थान के भविष्य के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के असर को कम करने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास, छात्रवृत्ति, अनुसंधान और पहल का समर्थन करने के लिए जुटाया गया धन महत्वपूर्ण है।

महामारी के दौरान, आईआईटी मद्रास ने वैश्विक स्तर पर अपने पूर्व छात्रों से कोविड-19 राहत परियोजनाओं के लिए 15 करोड़ रुपये से अधिक धन एकत्र किए, जिन्हें तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना की सरकारों को बीपैप और ऑक्सीजन सांद्रक जैसे आवश्यक चिकित्सा उपकरण मुहैया कराने के लिए दिए गए।

आईआईटी-मद्रास में 'ऑफिस ऑफ इंस्टीट्यूशनल एडवांस्मेंट' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कविराज नायर ने कहा, हमारे पास एक पेशेवर टीम है जो सभी परियोजनाओं को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करती है।

ज्ञानवापी मस्जिद में शिवलिंग मिलने के बाद अदालत ने उस स्थल को सील किया

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में स्थित ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के वीडियोग्राफी सर्वे के दौरान मस्जिद परिसर में शिवलिंग मिलने के बाद स्थानीय अदालत ने जिला प्रशासन को उस स्थान को तत्काल प्रभाव से सील करने के आदेश दिये हैं जहां शिवलिंग मिला है।

सिविल जज सीनियर डिवीजन रवि कुमार दिवाकर की अदालत ने सोमवार को जारी आदेश में वाराणसी के जिला मजिस्ट्रेट को आदेश दिया कि वह उस स्थान को सील कर दें, जहां शिवलिंग मिला है। आदेश में सील किये गये स्थान पर किसी भी व्यक्ति के प्रवेश पर रोक लगा दी गयी है।

अदालत ने वाराणसी के जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस आयुक्त और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के वाराणसी स्थित कमांडेंट को आदेश दिया है कि जिस स्थान को सील किया गया है, उसको संरक्षित और सुरक्षित करने की व्यक्तिगत जिम्मेदारी पूर्ण रूप से उनके ऊपर है।

न्यायाधीश ने हिंदू पक्ष के वकील हरिशंकर जैन के आवेदन पर यह फैसला सुनाया। फैसले में कहा गया है कि प्रशासन द्वारा जो कदम उठाये गये हैं, उनके पर्यपेक्षण (सुपरवीजन) की जिम्मेदारी उप्र के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक पर होगी। न्यायालय में वीडियोग्राफी सर्वे की रिपोर्ट पर कल सुनवाई होगी। ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की वीडियोग्राफी सर्वे का काम सोमवार को पूरा हो गया। जिसके तुरंत बाद हिंदू पक्ष की ओर से उसके वकील हरिशंकर जैन ने अदालत में प्रार्थना पत्र पेश गया। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि मस्जिद परिसर में 16 मई, सोमवार को सर्वे के दौरान शिवलिंग पाया गया है। यह महत्वपूर्ण साक्ष्य है। आवेदन में न्यायालय से अनुरोध किया गया कि वह सीआरपीफ के कमांडेंट को आदेश दे कि इस स्थान को सील कर दिया जाये, साथ ही वाराणसी के जिलाधिकारी को आदेश दिया जाये कि वहां मुसलमानों का प्रवेश वर्जित कर दे।

हिंदू पक्ष के आवेदन में यह भी अनुरोध किया गया है कि मस्जिद में केवल 20 मुसलमानों को नमाज अता करने की इजाजत दी जाये तथा उन्हें वजू करने से तत्काल रोका जाये। न्यायाधीश दिवाकर ने इस आवेदन के संबंध में कहा कि मस्जिद परिसर में अदालत के आदेश से ही वीडियोग्राफी सर्वे का काम हुआ है। परिसर में शिवलिंग मिलने के बाद उसे संरक्षित किया जाना अतिआवश्यक है।

ज्ञानवापी परिसर सर्वे के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर के सर्वे के खिलाफ दायर याचिका पर कल (17 मई को) सुनवाई करेगा। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और पीएस नरसिम्हा की बेंच सुनवाई करेगी। याचिका अंजुमन इंतजामिया मस्जिद की मैनेजमेंट कमेटी ने दायर की है। याचिका में वाराणसी निचली अदालत से जारी सर्वे के आदेश को 1991 के प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट के खिलाफ बताया है। 13 मई को वरिष्ठ वकील हुफेजा अहमदी ने इस मामले को चीफ जस्टिस एनवी रमना की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष मेंशन करते हुए ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे के आदेश पर रोक लगाने की मांग की थी। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा था कि उन्हें इस मामले के बारे में कुछ भी नहीं पता है। जब वे सभी दस्तावेज देखेंगे तो उस पर फैसला करेंगे। हुफेजी ने कहा था कि वाराणसी का ज्ञानवापी मस्जिद प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट के तहत आता है। इसके बावजूद वाराणसी की निचली अदालत ने इस कानून का उल्लंघन करते हुए ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे का आदेश दिया है।

मुंडका अग्निकांड : मानवाधिकार आयोग पहुंचा मुंडका अग्निकांड की जगह

हमको शव दिखा दो, शायद पहचान कर लें-परिजन

नई दिल्ली। बाहरी जिले के मुंडका अग्निकांड के चौथे दिन राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) स्वतः संज्ञान लेते हुए सोमवार को घटनास्थल का दौरा किया। टीम इमारत की तीनों मंजिलों पर जाकर उसका मुआयना किया और पूरी इमारत की वीडियोग्राफी करवाई। टीम के दौरे के दौरान मुंडका थाना प्रभारी मौके पर मौजूद रहे। आयोग ने थाना प्रभारी से इमारत में लगी आग के बारे में विस्तृत जानकारी हासिल की। टीम करीब एक घंटे तक इमारत में रहने के बाद यहां से चले गए।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की टीम सोमवार दोपहर सवा एक बजे घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने पहले इमारत के बाहरी हिस्से को देखा और फिर पीछे के दरवाजे से पहली मंजिल पर पहुंची। जहां से आग की शुरूआत हुई थी। टीम के साथ मुंडका थाना प्रभारी गुलशन नागपाल मौजूद थे। टीम ने थाना प्रभारी से आग लगने के बारे में जानकारी ली। टीम करीब एक घंटे तक इमारत के तीनों मंजिल का मुआयना किया।

आयोग के डीआइजी सुनील मीणा ने बताया कि अंदर जाकर हमने निरीक्षण किया है। इमारत पूरी तरह से खाक हो चुकी है। इस मामले में मानवाधिकार का उल्लंघन हुआ है और इसी दिशा में आगे की जांच कर रहे हैं। घटना के बारे में पूरी जानकारी ली जा रही है। उधर आयोग ने रविवार को दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब मांगा है। नोटिस में इस घटना के जिम्मेदार अधिकारी व उनपर कार्रवाई सहित अन्य बातों का उल्लेख

करते हुए जवाब मांगा गया है।

सूत्रों की मानें तो आयोग की टीम के सदस्य इमारत में काम करने वाले और मृतकों के परिजनों से भी मिल सकते हैं। लेकिन इस मामले में कोई अधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हुई है। वहीं दूसरी तरफ भी जहां पुलिस पकड़े गए इमारत मालिक और कंपनी मालिक गोयल ब्रदर्स से पूछताछ चल रही है। गोयल ब्रदर्स से बैंक की डिटेल लेने में जुटी रही। जिसके बाद टीम बैंक अधिकारियों से संपर्क करके दस्तावेज इक्ट्ठा करेगें।

हमको शव तो दिखा दो,हम ही पहचान कर लेगें अपनों की-परिजन

हादसे की चपेट में आए मृतकों व लापता कर्मचारियों के परिजन सोमवार को संजय गांधी अस्पताल पहुंचे। जिनको पिछले दो दिन की तरह से मायूसी ही हाथ लगी। बस वो मीडिया के सामने अपनों की फोटो दिखाकर उनकी पहचान करने की कोशिश करते रहे।

आलम यह है कि अब उनकी आखों के आसूं भी सूख चुके हैं। उनका कहना है कि हमकों पता चल जाए कि हमारा अपना जिंदा है या मर गया है। हम पिछले तीन दिनों से बस अपने की फोटो लेकर भाग ही रहे हैं,लेकिन कोई फायदा नहीं हो रहा है। घर में कोई भी न तो खा रहा है न पी रहा है। हलक से नीचे पानी तक नहीं उतर रहा है। हम क्या करें,न तो पुलिस मदद कर रही है ओर न ही डॉक्टर व मोर्चरी वाले।

सोमवार सुबह निशा,नरेन्द्र,आशा,भारती देवी और मुस्कान के परिवार वाले संजय गांधी अस्पताल पहुंचे थे। जिनका कहना था कि पुलिस बस हमारी यह सहायता कर दें कि हमकों मोर्चरी में शवों व अवशेषों को दिखा दे। जिससे हम अपनों की पहचान करने की कोशिश कर सके। शायद जो निशानी हमको अपनों की पता हो वो शायद अभी जिंदा हो। लेकिन इस मामले में पुलिस भी हमारी नहीं सून रही है।

जो बच गए वो भी अपने साथियों के बारे में पहुंचे अस्पताल

संजय गांधी अस्पताल में सोमवार को अपनों की तलाश में परिजन जो आए ही थे। जबकि वो भी आए जिनके दोस्त उनके करीबी थी। मोना,दिशा रावत,आईशा,सेजल आदी ऐसे महिला कर्मचारी थे। जो हादसे के वक्त अपनी जान पर खेलकर इमारत से नीचे कूद गए थे।

जिनके चोट जरूर लगी थी। लेकिन वो आज अपने परिवार के साथ हैं। इन सभी का कहना था कि जो साथी हादसे का शिकार हुए हैं। वो हमारे परिवार की तरह से थे। हर एक सूख दुख में हम साथ खड़े रहते थे। हम जो बच गए हैं,हम लापता और मृतक साथियों के घर वालों से संपर्क कर रहे हैं।

उनकी सहायता करने की कोशिश कर रहे हैं। हम भी शवों की पहचान करने में उनकी मदद करने आए हैं। हम कैसे भूल जाए कि जो हादसे की चपेट में आए हैं,उनसे कुछ दिन

आपकी दिलचस्पी मां-बाप की संपत्ति में ज्यादा है ; यह वरिष्ठ नागरिकों की त्रासदी : न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 89 वर्षीय और गंभीर डिमेंशिया से पीड़ित एक वयोवृद्ध महिला की संपत्ति में उसके बेटे को किसी प्रकार का हस्तक्षेप करने से रोकते हुए कहा, आपकी दिलचस्पी उनकी संपत्ति में अधिक नजर आती है। यह हमारे देश में वरिष्ठ नागरिकों की त्रासदी है। डिमेंशिया बीमारी से पीड़ित महिला को मौखिक या शारीरिक संकेतों की समझ नहीं है।

न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पीठ ने इस तथ्य पर गंभीरता से गौर किया कि बेटा कथित तौर पर अपनी मां की दो करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति बेचने के लिए उसे बिहार के मोतिहारी में एक रजिस्ट्रार के कार्यालय में अंगूठे का निशान लेने के लिए ले गया। हालांकि, महिला चलने-फिरने में पूरी तरह से अक्षम है।

पीठ ने 13 मई को बहनों द्वारा दायर एक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा,ऐसा लगता है कि आप उसकी संपत्ति में अधिक रुचि रखते हैं। यह हमारे देश में वरिष्ठ नागरिकों की त्रासदी है। आप उसे मोतिहारी में रजिस्ट्रार के कार्यालय में

उसके अंगूठे का निशान लेने के लिए ले गए, इस तथ्य के बावजूद कि वह गंभीर रूप से मनोभ्रंश से पीड़ित हैं और कुछ भी बता नहीं सकती हैं।

वैदेही सिंह (89 वर्षीय महिला) की बेटियों याचिकाकर्ता पुष्पा तिवारी और गायत्री कुमार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता प्रिया हिंगोरानी और अधिवक्ता मनीष कुमार सरन ने अदालत को बताया कि उन्होंने 2019 तक उनकी देखभाल की और अब वे फिर से उनकी देखभाल करने और डॉक्टरों की सलाह के अनुसार अपनी मां को अस्पताल ले जाने या घरेलू देखभाल करने के लिए तैयार हैं। हिंगोरानी ने दावा किया कि अन्य भाई-बहनों को अपनी मां से मिलने की अनुमति नहीं है, जो उनके सबसे बड़े भाई के पास हैं और एक बार उन्हें मिलने की अनुमति दी गई थी, लेकिन वह भी पुलिस की मौजूदगी में और उस समय किसी प्रकार की कोई निजता नहीं थी।

पीठ ने कहा कि पांचवें प्रतिवादी (कृष्ण कुमार सिंह, ज्येष्ठ पुत्र और वर्तमान में मां को अपने पास रखने वाले) के वकील, याचिकाकताओं के वकील द्वारा रखे गए प्रस्ताव पर निर्देश लेंगे, ताकि विरोधी पक्षों को सुनने के बाद प्रस्ताव पर आदेश पारित किया जा सके।

कृष्ण कुमार सिंह के वकील ने कहा कि नोएडा में उनकी बहन के पास सिर्फ दो कमरों का फ्लैट है और जगह की कमी होगी। इस पर पीठ ने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका घर कितना बड़ा है, बल्कि मायने यह रखता है कि आपका दिल कितना बड़ा है।

पीठ ने अपने आदेश में कहा, दुर्भाग्य से, कार्यवाही के दौरान यह सामने आया है कि मां की गंभीर शारीरिक और मानसिक स्थिति के बावजूद, पांचवां प्रतिवादी मां की संपत्ति का सौदा करने के लिए,बिक्री विलेखों के निष्पादन में उनकी उपस्थिति दिखाने के लिए उन्हें साथ ले गया।

प्रदेश में ट्रैक, टेस्ट, ट्रीट और टीकाकरण की नीति के सफल क्रियान्वयन से कोविड महामारी पर प्रभावी नियंत्रण बना हुआ: मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रदेश में ट्रैक, टेस्ट, ट्रीट और टीकाकरण की नीति के सफल क्रियान्वयन से कोविड महामारी पर प्रभावी नियंत्रण बना हुआ है। उन्होंने प्रदेश में कोविड-19 से बचाव व उपचार की व्यवस्थाओं को पूरी तरह प्रभावी बनाए रखने के रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के टीकाकरण तथा वयस्कों को बूस्टर डोज लगाये जाने के कार्य में तेजी लायी जाए।

मुख्यमंत्री जी आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत टीम-9 की बैठक में प्रदेश में कोरोना संक्रमण की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिन जनपदों में अधिक केस मिल रहे हैं, वहां सार्वजनिक स्थानों पर फेस मास्क लगाया जाना अनिवार्य कर दिया गया है। इसका प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए लोगों को जागरूक किया जाए। उन्होंने प्रदेश में कोविड पॉजिटिव पाए गए लोगों के स्वास्थ्य पर सतत नजर रखने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि पिछले 24 घण्टों में राज्य में कोरोना संक्रमण के 138 नए मामले सामने आए हैं। इस अवधि में 186 व्यक्तियों को सफल उपचार के उपरान्त डिस्चार्ज किया गया है। वर्तमान में प्रदेश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 1097 है। पिछले 24 घण्टे में प्रदेश में 91 हजार 282 कोरोना टेस्ट किए गए। अब तक राज्य में 11 करोड़ 29 लाख 42 हजार 662 कोविड टेस्ट सम्पन्न हो चुके हैं।

बैठक में यह जानकारी भी दी गयी कि राज्य में गत दिवस तक 32 करोड़ 06 लाख 53 हजार से अधिक कोरोना वैक्सीन की डोज लगाई जा चुकी हैं। 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में 13 करोड़ 34 लाख 61 हजार से अधिक लोगों को टीके की दोनों डोज देकर कोविड सुरक्षा कवच प्रदान किया जा चुका है। इस प्रकार 90.53 प्रतिशत लोग कोविड टीके की दोनों डोज ले चुके हैं। 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में 15 करोड़ 30 लाख 95 हजार से अधिक लोगों ने कोविड वैक्सीन की पहली डोज प्राप्त कर ली है।

विगत दिवस तक 15 से 17 वर्ष आयु वर्ग में 96.24 प्रतिशत किशोर कोविड वैक्सीन की प्रथम डोज तथा 71.67 प्रतिशत किशोर टीके की दूसरी खुराक प्राप्त कर चुके हैं। 12 से 14 वर्ष आयु वर्ग के 63 लाख 65 हजार से अधिक बच्चों ने टीके की पहली खुराक तथा 12 लाख 52 हजार से अधिक बच्चों ने टीके की दूसरी खुराक प्राप्त कर ली है। 29 लाख 48 हजार से अधिक प्रिकॉशन डोज प्रदान की जा चुकी हैं।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देशित किया कि एम्बुलेन्स संचालन से जुड़े कार्मिकों के विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाए। पीड़ित/घायल लोगों के प्रति अतिरिक्त संवेदनशीलता बरती जाए। एम्बुलेंस के रेस्पॉन्स टाइम को कम से कम करने के लिए तकनीक का सहारा लिया जाए। साथ ही, वॉलंटियर्स को भी इस कार्य से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में तत्काल अभियान चलाकर सभी बहुमंजिला भवनों, अस्पतालों, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स आदि में अग्निशमन व्यवस्थाओं का सघन निरीक्षण किया जाए। प्रदेश में सभी फायर स्टेशन पूरी मुस्तैदी से कार्यरत रहें।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देशित किया कि सड़क सुरक्षा के व्यापक महत्व को देखते हुए पुलिस, यातायात, बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, परिवहन, नगर विकास, लोक निर्माण विभाग आदि संबंधित विभागों के परस्पर समन्वय से जागरूकता अभियान की कार्ययोजना तैयार की जाए। 18 मई, 2022 को इस कार्ययोजना के साथ प्रदेश के सभी नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ संवाद होगा, जिसके उपरान्त सड़क सुरक्षा अभियान प्रारम्भ किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बेसिक और माध्यमिक स्कूलों में बच्चों को यातायात नियमों के पालन के लिए विशेष प्रयास किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक नियमों के पालन का संस्कार बच्चों को शुरूआत से ही दिया जाना चाहिए। उन्होंने यातायात नियमों के संबंध में प्रधानाचार्यों/प्राचार्यों/विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिए जाने तथा अभिभावकों के साथ विद्यालयों में बैठक किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों द्वारा जागरूकता विषयक प्रभात फेरी निकाली जाए। लोगों को ट्रैफिक नियमों की जानकारी देते हुए उनके पालन करने के लिए जागरूक किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

फिरोजाबाद में परीक्षा देने गई छात्रा लापता, तलाश जारी

फिरोजाबाद, एजेंसी। जिले के दक्षिण थाना क्षेत्र के हुमायुंपुर इलाके की निवासी एक छात्रा परीक्षा देने जाने के बाद घर नहीं लौटी। पुलिस ने मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी हैं। काफी तलाश करने के बाद परिजनों ने रविवार की शाम दक्षिण थाना में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई है। वह फिरोजाबाद से शिकोहाबाद स्थित एक महाविद्यालय में बीएससी तृतीय वर्ष की परीक्षा देने गई थी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अखिलेश नरायण ने बताया कि फिरोजाबाद नगर के दक्षिण थाना क्षेत्र के हुमांयुपुर निवासी एक छात्रा बीएससी तृतीय वर्ष की परीक्षा देने शिकोहाबाद स्थित एक महाविद्यालय में गई थी। शनिवार को परीक्षा देने जाने के बाद जब रात तक वह घर नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश की। उसका कोई पता न चलने पर उन्होंने रविवार की शाम दक्षिण थाने में उसकी गुमशुदगी की तहरीर दी। परिजनों की तहरीर पर गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कर छात्रा की तलाश की जा रही है।

सुल्तानपुर में फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव, दहेज हत्या का आरोप

सुल्तानपुर, एजेंसी। सुल्तानपुर जिले के जयसिंहपुर थाना क्षेत्र में एक विवाहिता का शव घर के कमरे में फांसी के फंदे से लटका मिला है। मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है।पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। जानकारी के अनुसार घटना जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के चोरमा गांव की है। पुलिस ने बताया कि इस गांव के सुनील नामक व्यक्ति की पत्नी मनीषा (27) का शव रविवार की रात करीब आठ बजे कमरे के अंदर साड़ी से बने फंदे से लटकता मिला। उन्होंने बताया कि मनीषा का लगभग एक वर्ष पूर्व विवाह हुआ था। मृतका के पिता शंकर निषाद ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए जयसिंहपुर कोतवाली में तहरीर दी है। घटना की सूचना मिलने पर जयसिंहपुर पुलिस ने मौके पर जाकर मामले की तफ्तीश की। जयसिंहपुर कोतवाली प्रभारी अनिल कुमार सिंह ने बताया कि मामले में तहरीर मिली है। उन्होंने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

बरेली में पूर्व प्रधान के पुत्र का शव मिला

बरेली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के बहेडी थाना क्षेत्र के लबेदा गांव में एक पूर्व प्रधान के बेटे का शव खेत में मिला है और उसके सिर में गोली लगने का निशान है। एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है, जबकि पुलिस आत्महत्या का अंदेशा जता रही है।

अधिकारियों के मुताबिक, लबेदा गांव निवासी पूर्व प्रधान प्रेमदास गंगवार के पुत्र संजय गंगवार (35) का शव सोमवार सुबह छह बजे उनके घर के सामने खेत में पड़ा मिला। उन्होंने बताया कि प्रेमदास सुबह अपने खेत में टहलने गए थे, तभी उन्होंने वहां अपने पुत्र का शव देखा। प्रेमदास ने आरोप लगाया कि संजय के सिर में गोली मारकर उसकी हत्या कर दी गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राजकुमार अग्रवाल के अनुसार, लबेदा गांव में संजय नाम के एक युवक की सिर में गोली लगने के कारण मौत होने की सूचना मिली है। उन्होंने कहा कि पुलिस को मौके पर जो साक्ष्य मिले हैं, उससे घटना प्रथम दृष्टया आत्महत्या प्रतीत हो रही है। अग्रवाल के मुताबिक, जिस असलहे से गोली लगने की बात कही जा रही है, वह भी मौके से बरामद हुआ है। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गंगा में नहाने गए दो दोस्त डूबे

फरुर्खाबाद, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद जिले के कमालगंज इलाके में सोमवार को श्रृंगीरामपुर घाट पर गंगा में नहाने गए दो दोस्तों की डूबने से मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कमालगंज थाना क्षेत्र के अखमेलपुर गांव निवासी शिवम (18) और मनफूल नगला गांव निवासी सचिन (16) दो अन्य दोस्तों के साथ श्रृंगीरामपुर घाट पर गंगा में नहाने गए थे। सूत्रों के मुताबिक, नहाते समय चारों दोस्त फोन से सेल्फी लेते-लेते गहरने पानी में चले गए, जिससे शिवम और सचिन की डूबने से मौत हो गई, जबकि मनीष व शनी की हालत गंभीर बताई जा रही है। दोनों को इलाज के लिए कमालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के अनुसार, खुदागंज के चौकी प्रभारी दीपक कुमार ने मौके पर पहुंचकर पुलिस सहायता उपलब्ध कराई। उन्होंने बताया कि शिवम और सचिन के परिजनों ने उनका पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया है। वे बिना पोस्टमार्टम कराए ही शवों को साथ ले गए।

यूपी में कोरोना के 138 नये मामले, सबसे ज्यादा 70 नोएडा में

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोविड-19 के 138 नये मामलो की पुष्टि हुयी है जिनमें 70 नये मरीज सिर्फ नोएडा के हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को टीम-09 की बैठक में यह जानकारी दी गयी। वर्तमान में प्रदेश में कुल 1097 एक्टिव केस हैं। पिछले 24 घंटे में पूरे प्रदेश में 138 नए केस की पुष्टि हुई, जिसमें, गौतमबुद्ध नगर में 70, गाजियाबाद में 20, लखनऊ में 11 नए केस शामिल हैं। इसी अवधि 186 लोग स्वस्थ भी हुए।

गर्मी से विद्युत मांग में इजाफे के दौर जारी रहने के आसार

लखनऊ। प्रचंड गर्मी के चलते उत्तर प्रदेश में बिजली मांग में बढ़ोत्तरी का सिलसिला फिलहाल जारी रहने के आसार जताये जा रहे हैं। पावर कारपोरेशन के सूत्रों ने बताया कि जून-जुलाई में जिस प्रकार से मौसम बदल रहा है उससे संभावना है कि लोड 26000 मेगावाट को भी पार कर सकता है। प्रदेश के तीन करोड़ विद्युत उपभोक्ताओं का कुल संयोजित भार लगभग छह करोड 60 लाख किलो वाट है वही 132 केवी सब स्टेशनों की क्षमता लगभग पांच करोड 21 लाख किलो वाट है, ऐसे में लोकल ब्रेकडाउन रोकने के लिए बैलेंसिंग व सिस्टम अपग्रेड करने की जरूरत है। उन्होने कहा कि पीक आवर्स में जब डायवर्सिटी फैक्टर वन अनुपात वन होता है तब सिस्टम मिसमैच की वजह से कांपने लगता है, ऐसे में युद्ध स्तर पर काम कर-के लोकल ब्रेकडाउन रोकने की योजना प्रबंधन को बनानी होगी।

सूत्रों ने कहा कि वर्तमान में भीषण गर्मी के चलते पावर कारपोरेशन अधिकतम विद्युत आपूर्ति करने में लगा है और 25 हजार मेगावॉट से ऊपर विद्युत आपूर्ति करने में सफल रहा है हालांकि जिस प्रकार से मौसम कर-वट बदल रहा है,उससे 26000 मेगा वाट तक भी लोड पहुंच सकता है, ऐसे में अब बिजली कंपनियों में सभी अभियंताओं को 132 केवी 33केवी 11 केवी पर विशेष नजर रखना होगा क्योंकि ओवरलोडिंग की समस्या के चलते बडे पैमाने पर लोकल ब्रेकडाउन हो रहे हैं और आगे होंगे जिसकी वजह से बिजली उपलब्ध होते हुए भी अनेकों जिलों में लोकल ब्रेकडाउन के चलते उपभोक्ताओं को विद्युत व्यवधान का सामना करना पड रहा है।

विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने सोमवार को कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुये बिजली कंपनियों को सभी स्तर पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। अनेकों जगह ऐसे भी हैं जहां पर 132 केवी सब स्टेशन बनकर तैयार है लेकिन कई जगह पर ये ना होने की वजह से उस पर फुल लोड नहीं चल पा रहा है। यह कहना उचित होगा कि पूरे प्रदेश में अनेकों जगह अनबैलेंस की स्थिति है जिसकी वजह से लोकल व्यवधान ज्यादा उत्पन्न हो रहे हैं।

इस समय जब भीषण गर्मी चल रही है तो उपभोक्ता अपना फुल लोड से भी ज्यादा कहीं कहीं उपयोग कर रहे हैं जिसकी वजह से सिस्टम पूरी तरीके से कांप गया है, ऐसे में पावर कारपरेशन प्रबंधन को इस दिशा में विशेष ध्यान देना होगा और पूरी रणनीति के साथ आने वाले तीन महीनों में प्लानिंग करना होगा जिससे प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से चलती रहे।

यूपी में वकील ने महिला पुलिसकर्मी को एसिड अटैक की दी धमकी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में जब एक महिला कांस्टेबल ने एक आदमी से शादी करने के लिए मना कर दिया तो उसे एक फर्जी अपराध के मामले में फंसा दिया गया और एसिड अटैक तथा हत्या की धमकी दी गई। पुलिस ने अब उस शख्स के खिलाफ जालसाजी, यौन उत्पीड़न, धमकी, मानहानि और रंगदारी की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी की पहचान उन्नाव के महेंद्र कुश्वाहा के रूप में की गई है जो पेशे से वकील है।

पीड़िता को उसके और उसके भाई के खिलाफ शिकायत की जांच के संबंध में लखनऊ के कृष्णा नगर, बंथरा और नाका तथा हरदोई जिले के कुछ अन्य पुलिस थानों से पुलिसकर्मियों के फोन आए। जब वह पुलिसकर्मियों से मिली तो उसे बताया गया कि हरदोई की एक राम प्यारी ने उसके और उसके भाई के खिलाफ शिकायत की है। पीड़िता हैरान थी क्योंकि वह और उसके परिवार के सदस्य राम प्यारी को नहीं जानते थे। राम प्यारी के नाम पर उनका किसी से कोई संपत्ति विवाद भी नहीं था। मामले की जांच की गई तो वारदात के पीछे महेंद्र का नाम सामने आया।

यह पाया गया कि पीड़िता के एक रिश्तेदार ने 2020 में महेंद्र के साथ उसकी शादी का प्रस्ताव लाया था। पीड़ित परिवार को पता चला कि महेंद्र आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति था और जेल की सजा काट चुका है। महिला ने आरोप लगाया, महेंद्र ने मुझे शादी के लिए मजबूर करने के लिए धमकाने की रणनीति अपनाई। उसने मेरी मां से भी बात की और मुझे प्रस्ताव के लिए मनाने के लिए दबाव डाला। उसने कहा कि महेंद्र ने उसके फोन पर उसे गंदे मैसेज भेजना शुरू कर दिया और प्रस्ताव स्वीकार करने के लिए दबाव डाला। महिला ने आरोप लगाया, उसने मुझ पर तेजाब फेंकने और मुझे जान से मारने की धमकी दी। पश्चिम जोन के एडीसीपी चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

यूपी के पीलीभीत टाइगर रिजर्व में कर्नाटक से 4 हाथी लाए जाएंगे

पीलीभीत, एजेंसी। कर्नाटक चार हाथियों को गश्त और अन्य गतिविधियों के लिए पीलीभीत टाइगर रिजर्व को सौपेंगा। वन्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उत्तर प्रदेश के मुख्य वन्यजीव वार्डन संजय सिंह ने कहा कि विभाग के अधिकारियों ने दो हाथियों को निजी रखवाले से जब्त कर लिया था, जिनके पास वैध अनुमति नहीं थी। उनमें से एक 20 वर्षीय बुल हाथी है, जो यहां रह रहा है। प्रयागराज में एक वर्ष के लिए फूलपुर वन नर्सरी, जबकि दूसरी जौनपुर जिले में 50 वर्षीय काउ हाथी है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के अधिकारियों ने 2018 में प्रोजेक्ट टाइगर के हिस्से के रूप में 10 हाथियों की मांग की थी। दिसंबर 2021 में कर्नाटक के अधिकारियों ने इसे घटाकर छह कर दिया था। अब प्रयागराज और जौनपुर से दो हाथियों के साथ कर्नाटक से सिर्फ चार हाथी लिए जाएंगे। हालांकि, कर्नाटक से चार हाथियों को ले जाने की औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं, जिसमें उन्हें ट्रक से ले जाने का ठेका देना भी शामिल है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के संभागीय वन अधिकारी नवीन खंडेलवाल ने कहा कि आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश सरकारों से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किया गया है, जिसके माध्यम से हाथी गुजरेंगे। हम मानसून का इंतजार कर रहे हैं। पारगमन अवधि के दौरान हाथियों की उचित चिकित्सा देखभाल करने के लिए हमें कुछ दिशानिर्देश जारी किए गए हैं, जिनका हम सख्ती से पालन करेंगे।

उच्च रक्तचाप साइलेंट किलर के रूप में करता है काम: डॉ. अनिल

झांसी। उत्तर प्रदेश में झांसी में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. अनिल कुमार ने विश्व उच्च रक्तचाप दिवस (17 मई) की पूर्व संध्या पर सोमवार को इसके खतरनाक प्रभाव को रेखांकित करते हुए इसे साइलेंट किलर बताया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि हर साल 17 मई को विश्व हाइपरटेंशन डे (विश्व उच्च रक्तचाप दिवस) मनाया जाता है। इस बार यह अपने ह्ल रक्तचाप को सटीक रूप से मापें, इसे नियंत्रित करें, लंबे समय तक जीवित रहें' थीम पर मनाया जा रहा है । आईएचसीआई के डाटा के अनुसार जनपद में दो लाख से अधिक व्यक्ति उच्चरक्तचाप से ग्रसित हैं।

एक सामान्य व्यक्ति का ब्लड प्रेशर 120/ 80 होता है। यदि यह 140/90 या उससे ऊपर ज्यादा है तो ऐसी स्थिति को उच्च रक्तचाप कहा जाता है। मोटापा, अव्यवस्थित दिनचर्या, जेनेटिक कारणों से भी लोगों में उच्च रक्तचाप की समस्या होती है। रक्तचाप के बढ़ने पर हृदय पर दबाव पड़ने लगता है जो कि स्वास्थ्य की दृष्टि से बिल्कुल भी ठीक नहीं है। उच्चरक्त चाप साइलेंट किलर के रूप में कार्य करता है जो कि व्यक्ति के शरीर को धीरे-धीरे खराब करता जाता हैक जानकारी एवं जागरूकता के अभाव में व्यक्ति इसे नजरंदाज कर देता हैक जो कि उसके जीवन के लिए खतरनाक साबित होता हैक उच्चरक्त चाप के लिए आवश्यक है कि नियमित तौर पर इसकी जांच कराई जाये ताकि इसे नियंत्रित रखा जा सके। हाइपरटेंशन या उच्चरक्त चाप भारत में आज एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है इसलिए इसके बारे में जानकारी एवं जागरूकता बहुत आवश्यक है। इसी की तर्ज पर इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च द्वारा इंडियन हाइपरटेंशन कंट्रोल इनिशिएटिव कार्यक्रम शुरू किया गया आईएचसीआई के आंकड़ों के अनुसार भारत में 21 लाख में से 23 प्रतिशत लोग उच्चरक्त चाप से ग्रसित हैं। इंडियन हाइपरटेंशन कंट्रोल इनिशियटिव कार्यक्रम के जिला कार्यक्रम समन्वयक अनुज चौधरी ने बताया कि हाइपरटेंशन के मरीजों के लिए नियमित तौर पर उच्चरक्त चाप की जांच बहुत आवश्यक है जिससे कि इसे नियंत्रित रखा जा सके। इंडिया हाइपरटेंशन कंट्रोल इनिशिएटिव कार्यकर्म इसी प्रयास से चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत एक सर्वे के माध्यम से 2.48 लाख उच्चरक्त चाप के संभावित मरीज को चिन्हित किया गया था, जिसमें अभी तक कुल 4890 मरीजों के बीपी कार्ड उपलब्ध कराया जा चुका है।

कार्यक्रम में उच्चरक्त चाप के मरीजों को चिन्हित कर उन्हे इस कार्यक्रम में पंजीकृत कर उनके बीपी पासपोर्ट बनाए जा रहे हैं, जिसके द्वारा व्यक्ति अपने जिले एवं जिन 100 शहरों में यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है, वह से भी कार्ड दिखाकर अपनी दवाएं ले सकते हैं।

गौतम बुद्ध के सिद्धांतों पर चलकर ही जीवन को धन्य किया जा सकता है : मायावती

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सोमवार को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर गौतम बुद्ध के अनुयायियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि माथा टेकना अलग बात है, लेकिन आज भी गौतम बुद्ध के सिद्धांतों पर चलकर ही जीवन को धन्य किया जा सकता है। लखनऊ में बसपा मुख्यालय की ओर से जारी एक बयान में मायावती ने कहा, माथा टेकना अलग बात है, लेकिन तथागत गौतम बुद्ध जैसे संतों, गुरुओं व महापुरुषों के सिद्धांतों पर चलकर ही जनता के जीवन को सुखी बनाने के लक्ष्य की व्यापक उपयोगिता व सार्थकता है। बसपा प्रमुख ने कहा, इसीलिए सभी प्रकार के द्वेष और संकीर्णता से ऊपर उठकर तथागत गौतम बुद्ध के जीवन के सिद्धांतों पर चलकर देश को एक बार फिर जगद्गुरु

बनाने के ईमानदार प्रयास किए जाने की जरूरत है, जिसके लिए बसपा प्रयासरत व संघर्षरत है। पार्टी इस उद्देश्य से कतई पीछे हटने वाली नहीं है। उन्होंने नसीहत दी कि सामाजिक एवं आर्थिक बदलाव लाने के ऐसे खास अभियान में समाज के साथ-साथ सरकारों को भी अपनी नीयत को पाक साफ एवं ईमानदार बनाकर कथनी और करनी के फर्क को मिटाना पड़ेगा, जो गौतम बुद्ध को सच्ची श्रद्धांजलि होगा। मायावती ने कहा कि गौतम बुद्ध के सिद्धांतों के तहत ही बसपा की सरकार ने उत्तर प्रदेश में गरीबों और उपेक्षित लोगों के लिए ह्यडॉ. आंबेडकर ग्राम सभा समग्र विकास योजना को बेहद प्रभावी ढंग से लागू करके गांवों को बुनियादी सुविधाओं से लैस किया था। बसपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि यह कार्य विरोधियों को नहीं भाया और उनके लिए इसके मायने भी नहीं हैं। गौतम बुद्ध के नाम पर अपनी सरकार में हुए कार्यों का जिक्र करते हुए मायावती ने कहा कि बसपा सरकार द्वारा छह मई 1997 को जिला गौतमबुद्धनगर और महामाया नगर की स्थापना की गई, जबकि 25 मई 1997 को बुद्ध पूर्णिमा के दिन श्रावस्ती जिला व चार अप्रैल 1997 को कौशांबी जिला अस्तित्व में आया।

यूपी के प्रयागराज में 2025 तक बनेगा डिजिटल कुंभ संग्रहालय

प्रयागराज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार प्रयागराज में 2025 महाकुंभ से पहले एक डिजिटल कुंभ संग्रहालय स्थापित करने की योजना बना रही है। डिजिटल कुंभ संग्रहालय (संग्रहालय) का निर्माण अरैल में किया जाएगा और इसे धार्मिक पर्यटन के लिए एक प्रमुख आकर्षण के रूप में देखा जा रहा है।

संभागीय आयुक्त संजय गोयल ने कहा कि हम उपयुक्त जमीन की तलाश कर रहे हैं और एक बार अधिग्रहण हो जाने के बाद, निर्माण तेजी से पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि लगभग 200 करोड़ रुपये की लागत से डिजिटल कुंभ संग्रहालय स्थापित करने का प्रस्ताव कुंभ 2019 से पहले तैयार किया गया था और पर्यटन विभाग ने भी काम शुरू कर दिया था, लेकिन महामारी के कारण यह पूरा नहीं हो सका।

बुद्ध पूर्णिमा पर अरुणाय धाम शिवशक्ति पीठ आश्रम में यज्ञ व भंडारा आयोजित

पिहोवा अरुणाय। बुद्ध पूर्णिमा के पावन पर्व पर गांव अरुणाय स्थित शिवशक्ति पीठ आश्रम परिसर में जनकल्याण विश्व शांति के लिए यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अमेरिका से श्री पंचायती अखाड़ा महानिवार्णी के संत महामंडलेश्वर 1008 स्वामी हरीशचंद्र पुरी

ने कहा कि संतों का काम समाज को जन कल्याण की राह दिखाना है। सेवा के सभी रास्ते ईश्वर की कृपा की ओर लेकर जाते हैं।

श्री पंचायती अखाड़ा महानिवार्णी के सचिव महंत विश्वनाथ गिरी ने बताया की महामंडलेश्वर स्वामी हरीशचंद्र पुरी अमेरिका के न्यूयार्क में सनातन संत संस्कृति के प्रचार प्रसार के लिए लंबे समय से कार्यरत हैं। वहां के

मूल निवासी भारतीय संस्कृति, योग व अध्यात्म के कायल हैं। उन्होंने लोगों से कहा कि अपने बच्चो को भारतीय संस्कृति व नैतिकता से जरूर जोड़ें। कुरुक्षेत्र भूमि धार्मिक भूमि है। यहां संतों का आगमन रहता है।

संगमेश्वर मंदिर सेवादल के प्रबंधक भूषण गौतम और सभी सदस्यों ने भंडारे की पूरी व्यवस्था संभाली। गौतम ने कहा की महामंडलेश्वर स्वामी हरीशचंद्र पुरी की ओर से हर साल शक्ति पीठ में भंडारा तो आयोजित किया ही जाता है इसके साथ विशेष पर्व पर भी विश्व कल्याण के लिए यज्ञ और भंडारा होता रहता है। इस मौके पर भारत साधुसमाज के प्रदेशाध्यक्ष मंहत बंसी पुरी,शिवशक्ति पीठ आश्रम के व्यवस्थापक स्वामी वेद पुरी, महंत सर्वेश्वरी गिरि, महंत निर्भय गिरि ,महंत भीम पुरी, स्वामी लक्ष्मी नारायण पुरी, महंत चमन गिरी, वैद्य पण्डित प्रमोद कौशिक, महंत कमला माता, महंत जगन्नाथ पुरी , महंत अनूप गिरि , स्वामी शिवनारायण पुरी, स्वामी खड़वांग पुरी, ज्योतिषाचार्य पण्डित रघुवीर कौशल , पंडित विक्रांत ,पं. कमल गौतम व जितेंद्र कौशिक , उदयभान कौशल, अमन, इंद्रेश कुमार,भारत कौशल सहित कई श्रद्धालु मौजूद रहे।

दिल्लीवासियों के साथ निगम और भाजपा खड़ी है इसलिए उन्हें डरने की जरुरत नहीं है-आदेश गुप्ता

सुषमा रानी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि जैसे-जैसे रोहिंग्या-बांग्लादेशियों पर निगम का बुल्डोजर चल रहा है, वैसे-वैसे अरविंद केजरीवाल एंड कंपनी के पेट में दर्द होता जा रहा है और उनका यह दर्द जायज भी है क्योंकि उनके आरमानों पर पानी फिर रहा है। उनके विधायक घर पर बुलाकर चीफ सेकेट्री को पिटवाते हैं, रोहिंग्या को बसाने का ठेका लिया है और यह वही विधायक हैं जो बुलडोजर के सामने रोहिंग्या-बांग्लादेशियों को बचाने के लिए जमीन पर लेट जाते हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल बेबुनियादी बातें कर दिल्लीवासियों के अंदर झूठ, डर और दहशत पैदा कर रहे हैं, इसको पूरी दिल्ली जान चुकी है।

श्री गुप्ता ने आज नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी के साथ संयुक्त प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा है कि केजरीवाल की ब्लैकमेलिंग अब ज्यादा दिन तक नहीं चलने वाली है। जिस तरह से उन्होंने कहा कि 63 लाख घरों को निगम बर्बाद करने वाली है, वह सरासर झूठ बोल रहे हैं। क्योंकि दिल्ली में इतने मकान है ही नहीं। इसी तरह से लोगों के अंदर डर पैदा कर उनके विधायक वसूली कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मनीष सिसोदिया का पत्र लेकर आम आदमी पार्टी के विधायक लोगों तक जाकर डरा रहे हैं कि निगम तुम्हारा मकान ना तोड़े उसके लिए हमें पैसे दो। ऐसा काम करने वाले केजरीवाल के विधायकों को आज रोहिंग्या-बांग्लादेशियों के प्रति इतनी हमदर्दी क्यों है।

आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल कह रहे हैं कि भाजपा शासित निगम अनाधिकृत कॉलोनियों को तोड़ देगी, लेकिन वे यह बताना भूल गए कि अनाधिकृत कॉलोनियों को पक्की करने की फाइल को तीन साल तक दबा कर उनकी सरकार ने रखा। यही नहीं चार सालों तक जहां झुग्गी वहीं मकान की फाइल को दबाकर रखा गया। केजरीवाल का असली चेहरा दिल्ली की जनता जान चुकी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के 40 लाख लोगों को मालिकाना हक प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने दिया है। जहां झुग्गी वहीं मकान के तहत 15000 फ्लैट बनकर तैयार हो चुके हैं और 40 हजार फ्लैट बनने की तैयारी की योजना पूरी हो चुकी है।

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सचिव ने किया DSCI का दौरा, कहा संस्थान समय समय पर आते रहेंगे

गौरव राय

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सचिव अमित सिंगला ने दिलशाद गार्डन स्थित दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान का दौरा किया। इस दौरान दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान के निदेशक डॉक्टर किशोर सिंह से उन्होंने पेशेंट्स केयर और कर्मचारियों से संबंधित विषय के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की भी सराहना की।

स्वास्थ्य सचिव को जानकारी दी गई कि दिल्ली एनसीआर के साथ साथ देश के अन्य राज्यों के कैंसर से पीड़ित मरीजों को संस्थान मुफ्त में इलाज मुहैया करा रहा है। कोरोना के दौर में भी डॉक्ट और कर्मचारियों के काफी ज्यादा संख्या में पॉजिटिव आने के बाद भी मरीजों का इलाज अस्पताल में प्रभावित नहीं हुआ और चलता रहा इसकी भी स्वास्थ्य सचिव ने सराहना की और स्टाफ का हौसला बढ़ाया। संस्थान के निदेशक डॉक्टर किशोर सिंह ने स्वास्थ्य सचिव को अवगत कराया कि न सिर्फ इलाज बल्कि PETCECT के अलावा अन्य सारे टेस्ट यहां मुफ्त किए जाते हैं।

पूरे अस्पताल का दौरा करने के बाद श्री सिंगला ने कहा कि पुराने मशीनों को बदलने की जरूरत है।

क्लिनिकल ऑनकोलॉजी की प्रमुख डॉक्टर प्रज्ञा शुक्ला के अनुरोध पर श्री सिंगला ने आश्वासन दिया कि वो संस्थान में समय समय पर वक्त निकालकर आते रहेंगे।

दिल्ली स्वास्थ्य सचिव अमित सिंगला ने किया जीटीबी अस्पताल का निरीक्षण

गौरव राय

पूर्वी दिल्ली, बीते शनिवार दिल्ली के सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग अमित सिंगला ने गुरु तेग बहादुर अस्पताल परिसर का दौरा किया। जीटीबीएच के चिकित्सा निदेशक डॉ सुभाष गिरी और उनकी टीम ने उनका स्वागत किया। अमित सिंगला ने सबसे पहले जीटीबीएच में बन रहे नए वार्ड ब्लॉक का दौरा किया और निर्माण की प्रगति का संज्ञान लिया। फिर उन्होंने एमसीएच ब्लॉक का दौरा किया और कोविड क्षेत्र, बाल चिकित्सा हताहत और वार्ड, एनआईसीयू, पीआईसीयू और प्रसूति और स्त्री रोग वार्ड देखे। सचिव स्वास्थ्य ने मधुमेह एवं एंडोक्रिनोलॉजी विभाग और कॉलेज भवन का भी दौरा किया। इसके बाद ओपीडी और कैजुअल्टी ब्लॉक का राउंड लिया गया। वह अस्पताल के कामकाज से संतुष्ट थे और उन्होंने मरीज की देखभाल में प्रशासन, डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के प्रयासों की प्रशंसा की एंव चिकित्सा निदेशक डॉक्टर सुभाष गिरी के कार्यों की भी बहुत सराहना की।

दिल्ली में पानी की दिक्कत हरियाणा के नखरे...

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली में पानी की दिक्कत हो सकती है।जल बोर्ड इस संबंध में एक पखवाड़े में हरियाणा के सिंचाई विभाग को 12 मई, 3 मई और 30 अप्रैल को तीन पत्र लिख चुका है। सीएलसी (कैरियर-लाइन्ड चैनल) और डीएसबी (दिल्ली उप-शाखा) से भी प्रवाह में उतार-चढ़ाव हो रहा है। तालाब का स्तर कम होने के कारण वजीराबाद तालाब से 120 क्यूसेक पानी की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। इससे पानी के उत्पादन और आपूर्ति पर विपरीत असर पड़ेगा। तापमान में बढ़ोतरी होने पर अधिक पानी की जरूरत होती है।

दो दिन पहले भेजे गए एसओएस में कहा गया है कि डीडी-8/नदी मार्ग के माध्यम से अतिरिक्त 150 क्यूसेक कच्चे पानी की आपूर्ति करने का अनुरोध किया जाता है ताकि 120 क्यूसेक कच्चा पानी संकट के इस समय में मानसून के आने तक वजीराबाद तालाब तक पहुंच सके। अधिकारियों का कहना है कि पड़ोसी राज्य से कोई जवाब नहीं आया है।

वजीराबाद, चंद्रवाल और ओखला जल शोधन संयंत्रों की उत्पादन क्षमता घटकर 85 प्रतिशत रह गई है। एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि रविवार को यह और घटकर 75 फीसदी हो सकता है। हमने पानी के राशन का सहारा लिया है ताकि मौजूदा मांग पूरी हो सके। अगर हरियाणा ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और नदी में अतिरिक्त पानी नहीं छोड़ा तो स्थिति और खराब हो सकती है।

अपनी ग्रीष्मकालीन कार्य योजना का पालन करते हुए, डीजेबी ने पानी की कमी का सामना करने वाले क्षेत्रों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त टैंकरों को तैनात किया है। साथ ही नलकूपों के माध्यम से पानी की आपूर्ति बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। दिल्ली सरकार ने पिछले महीने कहा था कि वह बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए गर्मी के मौसम में रोजाना 1,000 मिलियन गैलन पीने के पानी की आपूर्ति करेगी। पहले यह 935 एमजीडी थी।

पानी की कमी को रोकने के लिए अप्रैल-जुलाई के दौरान 1,198 पानी के टैंकर तैनात किए जाएंगे। हरियाणा दो नहरों - सीएलसी और डीएसबी - और यमुना के माध्यम से दिल्ली को एक दिन में कुल 610 मिलियन गैलन पानी की आपूर्ति करता है। सीएलसी और डीएसबी को मुनक नहर और भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड के माध्यम से हथिनी कुंड से पानी की आपूर्ति की जाती है।

दिल्ली को ऊपरी गंगा नहर के माध्यम से उत्तर प्रदेश से 253 एमजीडी प्राप्त होता है जबकि 90 एमजीडी शहर भर में स्थापित कुओं और नलकूपों से प्राप्त होता है। चंद्रावल और वजीराबाद जल उपचार संयंत्रों की क्षमता क्रमशः 90 एमजीडी और 135 एमजीडी है। दो संयंत्र वजीराबाद तालाब से कच्चा पानी उठाते हैं, इसका इलाज करते हैं और दिल्ली छावनी और नई दिल्ली नगर परिषद क्षेत्रों सहित पूर्वोत्तर दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली, उत्तरी दिल्ली, मध्य दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली में आपूर्ति करते हैं। दिल्ली को करीब 1,200 एमजीडी पानी की जरूरत होती है जबकि जल बोर्ड करीब 950एमजीडी की आपूर्ति करता है। सरकार ने जून 2023 तक जलापूर्ति को बढ़ाकर 1,180 एमजीडी करने का लक्ष्य रखा है।

दिल्ली के 50 लाख लोगों को बुलडोजर से बचाने के लिए अरविन्द केजरीवाल तुरंत विधानसभा का विशेष सत्र बुलाएं- चौ0 अनिल कुमार

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव गरीबों, जरुरतमंदों और बेसहारा लोगों के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है और भाजपा के बुलडोजर अभियान के खिलाफ दिल्लीवालों को उजड़ने से बचाने के लिए आम आदमी पार्टी और भाजपा की मिलीभगत को उजागर करेगी। भाजपा तथा केजरीवाल साथ मिलकर दिल्ली के 50 लाख लोगों को उजाड़ने की योजना बना रही है। कॉंग्रेस के लागातार विरोध व प्रदर्शन को देखते हुए उग्र बुलडोजर अभियान के महीने भर बीतने के बाद मुख्यमंत्री की नींद खुली है, अभी भी वो बुलडोजर अभियान के तहत 50 लाख लोगों के मकानों को उजाड़ने का नहीं बल्कि उसके तरीके पर सवाल कर रहे, यह निंदनीय है! उन्होंने सवाल पूछा कि भाजपा और आम आदमी पार्टी के नेताओं के अवैध कब्जे कर बने दफ्तरों पर क्यों नहीं बुलडोजर चलाया जा रहे है।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली के 50 लाख लोग जिनमें 1797 अनाधिकृत कॉलोनियों में बसे 40 लाख और 675 झुग्गी बस्तियों में बसे 10 लाख लोगों को भाजपा के बुलडोजर अभियान के तहत उजड़ने से बचाने के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल तुरंत विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर दिल्ली में चल रहे बुलडोजर अभियान के खिलाफ प्रस्ताव पास करें और भविष्य में बुलडोजर जैसी कार्यवाही न हो इसके लिए कानून पास करे। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी, मंहगाई का मार झेल रहे गरीबों के आशियानों पर बुलडोजर चलाना एक अमानवीय कृत्य है क्योंकि भीषण गर्मी में केजरीवाल के विफलताओं के कारण दिल्लीवासी पानी की बूंद-बूंद के लिए परेशान है। चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि भाजपा तथा केजरीवाल मिलकर गरीबों के घरों और दुकानों को उजाड़ने के लिए जहाँ कुछ स्थानों पर नोटिस भेज रहे है, वहीं अधिकतर स्थानों पर बिना नोटिस ही कारवाई कर रही है। दोनो सरकारें अनाधिकृत कॉलोनियों, झुग्गी झौंपड़ी में रहने 5 लाख रेहड़ी पटरी वालों की अजीविका पर भी बुलडोजर चला रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 7 वर्षों के दौरान भाजपा तथा केजरीवाल ने मिलकर हजारों झुग्गियों को तोड़ा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के अंतर्गत डूसिब का काम झुग्गी, झोपड़ी, स्लम वासियों को आवास मुहैया कराना है जबकि केजरीवाल उन्हें उजाड़ने के लिए बुलडोजर भेज रहे है, जिसका कांग्रेस पार्टी विरोध करती है। उन्होंने कहा कि कॉंग्रेस नेता तथा कार्यकताओं ने खुलकर बुलडोजर के सामने आकर विरोध किया जो आगे भी जारी रहेगा परंतु स्वयं केजरीवाल व उनके मंत्री विधायक छुप कर बैठे हुए है। चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि केजरीवाल सरकार के अंतर्गत फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने इसी वर्ष जून, जुलाई के महीनों में हजारों लोगों को बेघर करने के लिए नोटिस भेजा है जिसके खिलाफ गांवों के प्रतिनिधि भी मुझसे आकर मिले थे।

दो समलैंगिक बहनों ने की आपस में शादी

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा के दनकौर में दो बहनों का आपस में शादी करने का मामला सामने आया है. 20 अप्रैल को ग्रेटर नोएडा के दनकौर से एक युवती गायब हो गई थी. गायब होने के बाद युवती को परिजनों ने काफी तलाशा लेकिन कहीं नहीं मिली. थक हार कर परिजनों ने दनकौर थाने में गुमशुदगी का मामला दर्ज करवाया. एक ओर ग्रेटर नोएडा से युवती गायब हुई ठीक उसी दिन दिल्ली में भी एक युवती गायब पाई गई. घटना अंबेडकर नगर थाने की है. युवती के परिजनों ने गुमशुदा होने की रिपोर्ट दर्ज करवा दी. दरअसल गायब हुई दोनों लड़कियां बहनें हैं. दोनों के गायब होने से परिजन काफी परेशान थे. दिल्ली और ग्रेटर नोएडा की पुलिस दोनों युवतियों को ढूंढ रही थी. उधर दोनों युवतियों ने दिल्ली के एक मंदिर में छुप कर शादी कर ली. दोनों युवतियां शादी के बाद किराए का मकान लेकर दिल्ली में ही रह रही थीं. दनकौर पुलिस ने गायब हुई युवती को ढूंढ निकाला और पाया कि लड़की की वेशभूषा में रह रही थी. दिल्ली से गायब हुई युवती लड़के के वेशभूषा में रह रही थी. पुलिस ने दोनों को बरामद कर लिया. पूछताछ में उन्होंने अपनी मर्जी से शादी करने की बात की और बताया कि साथ रहना चाहती हैं. दोनों युवतियों को बरामद करने के बाद पुलिस थाने ले कर आई. परिजनों ने दोनों को समझाने की काफी कोशिश की, लेकिन दोनों ने बताया कि एकसाथ ही रहेंगी.

संक्षिप्त समाचार

पार्किंग में नौजवान का कत्ल

नई दिल्ली, सुषमा रानी। पूर्वी दिल्ली के फर्श बाजार थाना इलाके की बिहारी कालोनी में स्थित पार्किंग में गाड़ी खड़ी करने गए 21साल के युवक की अज्ञात लोगों ने चाकू से गोद कर बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर तफ्तीश शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक भोलानाथ नगर का रहने वाला 21वर्षीय नौजवान रुपेश गोस्वामी विक्रम गाड़ी चलाने का काम करता था। रविवार की रात वह गाड़ी खड़ी करने के लिए बिहारी कालोनी स्थित पार्किंग में गया था। बाद में रूपेश के घरवालों को सूचना मिली कि अज्ञात लोगों ने रुपेश को चाकू मार दिए हैं। रुपेश को हेडगेवार अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने सूचना मिलने पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सोमवार की सुबह डीसीपी आर साथिया सुंदरम ने कहा कि इस मामले में कुछ लोगों को डिटेन किया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। मृतक रुपेश गोस्वामी के पिता राजेंद्र गोस्वामी ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ भोलानाथ नगर में रहते हैं। रुपेश उनका इकलौता बेटा था। राजेन्द्र गोस्वामी का कहना है कि उनके परिवार की किसी से कोई दुश्मनी नहीं है।

चोरी के मोबाइल के साथ पकड़ा

नई दिल्ली, सुषमा रानी। पूर्वी जिला की न्यू अशोक नगर पुलिस ने आपरेशन सुदर्शन के तहत पेट्रोलिंग के दौरान सोमवार की सुबह एक बदमाश को गिरफतार किया। पुलिस ने बताया कि सोमवार की सुबह आपरेशन सुदर्शन के तहत न्यू अशोक नगर थाने के कांस्टेबल नितिन और प्रवीन पेट्रोलिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्होंने देखा कि नाला रोड पर एक शख्स उन्हें देखकर भागने लगा था। उन्होंने उसे पकड़ कर पूछताछ की तो वह संतुष्टि जनक जवाब नहीं दे पाया। दौरान ए तलाशी उससे एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। उसे थाने लाकर पुलिस ने पूछताछ की। पहले तो वह पुलिस को टरकाता रहा लेकिन जब पुलिस ने अपना पुलिसिया रंग दिखाया तो उसने रटटू तोते की तरह सब बक दिया। उसने बताया कि वह लूट, झपटमारी की वारदात को अंजाम देने के चक्कर में घूम रहा था। आरोपी की पहचान अमित के तौर पर हुई है। उससे बरामद फोन अशोक नगर इलाके से ही चोरी किया गया था। पुलिस ने मामला दर्ज उसे गिरफ्तार कर लिया है।

लूट के मामले में युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। द्वारका जिला पुलिस की एएटीएस टीम ने लूट के मामले में आरोपी हरदीप उर्फ राहुल को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त शंकर चौधरी के अनुसार आरोपी के पास से चोरी की बाइक और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है। आरोपी पर लूट, स्नैचिंग, गाड़ी चोरी आदि के छह मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस अधिकारी के अनुसार कई थानों में इस तरह के मामलों की ई-एफआईआर दर्ज हो रही थी, जिसके बाद एएटीएस की टीम 14 मई को सूचना के आधार पर आरोपी को पकड़ने नांगलोई स्टैंड पहुंची। इंस्पेक्टर कमलेश कुमार की टीम ने सूचना के आधार पर हरदीप उर्फ राहुल को लूट के मामले गिरफ्तार कर लिया।

रेलगाड़ी के मार्ग में परिवर्तन

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रेन संख्या 12013 नई दिल्ली से अमृतसर शताब्दी एक्सप्रेस 24 मई को जाखल, धुरी, लुधियाना होकर चलेगी। यह ट्रेन अम्बाला छावनी, सरहिंद स्टेशनों पर नहीं ठहरेगी। उत्तर रेलवे के अधिकारियों के मुताबिक, अम्बाला-लुधियाना रेल सेक्शन के गोविंदगढ़ स्टेशन पर नए प्लेटफॉर्म पर लाइन जोड़ने का काम चल रहा है, जिसके चलते ट्रेन का रास्ता बदला गया है। यात्रियों को सलाह है कि वह इसी अनुसार यात्रा की योजना बनाएं और किसी जानकारी के लिए रेलवे की हेल्पलाइन नंबर 139 पर संपर्क कर सकते हैं।

कुख्यात गैंगस्टर नवीन बाली के रिश्तेदार की हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। बवाना इलाके में गैंगवार में कुख्यात गैंगस्टर नवीन बाली के दूर के रिश्तेदार पारुल की हत्या करने का मामला सामने आया है। पारुल को 12 गोली मारी गई हैं। पारुल की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात में गैंगस्टर जितेंद्र गोगी के सहयोगी दीपक बॉक्सर का हाथ होने की बात आई सामने आई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बवाना के सुल्तानपुर गांव में पारुल नाम के एक युवक पर बाइक सवार बदमाशों ने अंधाधुंध गोलियां चला दीं। हमलावरों ने 12 राउंड गोलियां चलाईं और मौके से फरार हो गए। घटना के वक्त बवाना का रहने वाला पारुल अपने घर के बाहर ही बैठा हुआ था, तभी एक बाइक पर दो बदमाश आए और पारुल को बेहद नजदीक से करीब एक दर्जन गोलियां मारीं। आनन-फानन में घायल हालत में पारुल को नजदीक के महर्षि वल्मीकि अस्पताल में पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पारुल कुख्यात गैंगस्टर नवीन बाली के चाचा का लड़का है। पारुल का तीन से चार दिन पहले कुछ लड़कों से झगड़ा हुआ था, इसलिए पुलिस इस पहलू से भी पूरे मामले की जांच कर रही है।

मिथिला पेंटिंग की पूरे देश में प्रदर्शनी लगेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) पूरे देश में माता सीता को लेकर मैथिली पेंटिंग की प्रदर्शनी आयोजित करेगा। उक्त जानकारी आईजीएनसीए के सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने वैदेही महोत्सव के अंतिम दिन दी। आईजीएनसीए में आयोजित सात दिवसीय वैदेही महोत्सव के अंतिम दिन डॉ. जोशी ने कहा कि आईजीएनसीए की ओर से निर्णय लिया गया है कि यहां प्रदर्शित सवा सौ से अधिक पेंटिंग्स में से चुनिंदा 75 पेंटिंग्स को पूरे देश में प्रदर्शित किया जाएगा।

केजरीवाल ने उठाया बुलडोजर कार्यवाही पर सवाल

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी द्वारा संचालित दिल्ली नगर निगम की बुलडोजर कार्रवाई पर सवाल उठाया है. उन्होंने दावा किया कि भाजपा पूरी तरह से चुनाव जीतने में रुचि रखती है।

केजरीवाल ने कहा कि लोगों के पास कागजात हैं और वे दावा कर रहे हैं कि उनके पास कागजात हैं, लेकिन वे बुलडोजर का उपयोग कर रहे हैं और सीधी कार्रवाई कर रहे हैं। कम से कम, उन व्यक्तियों को एक मौका दिया जाना चाहिए था। सीएम केजरीवाल ने कहा, 'भाजपा कह रही है कि वह दिल्ली से सभी अतिक्रमणों को खत्म कर देगी। अतिक्रमण भी एक ऐसी चीज है जिसका हम विरोध करते हैं। हम भी कोई आक्रमण नहीं देखना चाहते हैं। दिल्ली का निर्माण पिछले सत्तर वर्षों में योजनाबद्ध तरीके से नहीं किया गया है। "बुलडोजर के साथ लोगों के घरों को नष्ट करना सही नहीं है," सीएम ने कहा। यह एक ऐसी चीज है जिसका हम पुरजोर विरोध करते हैं। मैंने सिर्फ आप विधायकों के एक समूह से बात की और उनसे कहा कि वे जेल जाने से डरें नहीं। आपको जनता का पक्ष लेना चाहिए। यह नस्लवाद और gullibility स्वीकार्य नहीं हैं. पिछले 15 सालों के दौरान एमसीडी में बीजेपी ने क्या किया? क्या उनके पास नैतिक और कानूनी अधिकार है जब उनका कार्यकाल दो दिनों में समाप्त हो जाता है? एमसीडी में चुनाव करवाएं, और आपकी सरकार बनेगी। हम गारंटी देते हैं कि हम दिल्ली में अतिक्रमण की समस्या का समाधान ढूंढेंगे। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा, 'बीजेपी की 63 लाख लोगों को बेदखल करने की योजना है.' लोग रहम की गुहार लगा रहे हैं, लेकिन कोई कागज नहीं दिख रहा है और बिना किसी हिचकिचाहट के बुलडोजर का इस्तेमाल किया जा रहा है. भाजपा ने चुनाव के दौरान वादा किया था कि कच्ची कॉलोनियां, जहां झुग्गियां स्थित हैं, लोगों को आवास प्रदान करेंगी।

दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग ने भगवान गौतम बुद्ध की जयंती पर किया सेमिनार का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के तत्वाधान में बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर एक सेमिनार का आयोजन महाराष्ट्र सदन में किया गया।इस मौके पर दिल्ली विधानसभा की डिप्टी स्पीकर राखी बिड़ला मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं।इसके अलावा दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन जाकिर खान,आयोग की सदस्य नैंसी बार्लो, मौ० इलियास सैफी, करुनेष, डॉ अख्तर, जी वी चौहान, सैय्यद शादाब आदि गणमान्य व्यक्तियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए तथा फेस ग्रुप के चेयरमैन डॉ० मुश्ताक अंसारी व समाज सेवी सलीम अंसारी द्वारा डिप्टी स्पीकर राखी बिडला का विशेष सम्मान किया गया।

इस अवसर पर डिप्टी स्पीकर राखी बिड़ला ने अपने सम्बोधन में कहा की समाज व देश के सम्पूर्ण विकास के लिए हर क्षेत्र में महिलाओं की बराबर की भागीदारी जरुरी है।उन्होंने कहा भगवान बुद्ध ने शांति का संदेश पूरे विश्व को दिया तथा भय वा अन्याय के विरुद्ध आवाज बुलंद की।उन्होंने यह भी कहा कि अपने अधिकारों के लिए शिक्षित व संगठित होना होगा।

जाकिर खान ने अपने विचारों से अवगत

कराते हुए कहा कि महात्मा गौतम बुद्ध का मानव कल्याण पर विशेष बल रहा। उन्होंने कहा धर्म कोई बुरा नहीं है, सभी धर्म के पीर पैगम्बरों व संस्थापकों ने मानव हित का संदेश दिया है तथा आपसी भाईचारे को प्रमुखता दी है लेकिन वर्तमान परिवेश में कुछ धार्मिक संगठन व राजनीतिक पार्टी अपने निजी स्वार्थ के लिए जनता के बीच नफरत का माहौल पैदा करके जनता को विभाजित करने का कार्य कर रहे हैं।हमें ऐसे लोगों से परहेज रखना चाहिए। नैन्सी बार्लो के भाषण के साथ सैमीनार सम्पन्न हुआ तथा मंच का संचालन डॉ० मनीष गोगई द्वारा किया गया।

संपादकीय

मुक्त व्यापार समझौतों से नई उम्मीदें

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूरोपीय देशों की यात्रा के दौरान इस बात पर फोकस किया कि भारत के दरवाजे वैश्विक व्यापार और कारोबार के लिए तेजी से खुल रहे हैं और ऐसे में वैश्विक उद्योगों और वैश्विक पूंजी के लिए भारतीय बाजार प्रत्येक दृष्टि से लाभप्रद हैं। उन्होंने कहा कि बहुत कम समय में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को मूर्तरूप दिया गया है और अब भारत यूरोपीय संघ के साथ एफटीए वार्ता में त्वरित प्रगति के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि एक मई 2022 को भारत और यूएई के बीच एफटीए लागू हो गया है। एक मई को इस समझौते के अमल की शुरूआत करते हुए दोनों देशों के द्वारा एक-दूसरे को प्रतीकात्मक संकेत के तहत पहली खेप भेजी गई है। इस एफटीए के तहत मूल्य के लिहाज से यूएई ने भारत के 99 फीसदी निर्यात के अनुरूप अपने 97 फीसदी से अधिक शुल्कों पर समग्र शुल्क हटाई हैं। भारत के द्वारा यूएई को कपड़ा, आभूषण, फार्मा उत्पाद, मेडिकल उपकरण, फुटवीयर, चमड़े के उत्पाद, हस्तशिल्प व खेलकूद के सामान, कीमती रत्न, मिनरल्स, खाद्य वस्तुएं जैसे मोटे अनाज, चीनी, फल और सब्जियां, चाय, मांस और समुद्री खाद्य, इंजीनियरिंग और मशीनरी, रसायन जैसे उत्पाद निर्धारित रियायतों पर भेजे जा सकेंगे। वहीं यूएई के द्वारा भारत को पेट्रो केमिकल्स, मेटल जैसे सेक्टरों के साथ सेवा से जुड़े कई सेक्टरों में रियायतें दी गई हैं। यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि इस एफटीए से यूएई के बाजार में अब किसी भी भारतीय फॉर्मा उत्पाद को आवेदन करने के 90 दिनों में शून्य शुल्क पर बिक्री की इजाजत मिल जाएगी। सेवा सेक्टर और डिजिटल ट्रेड को लेकर भी दोनों देशों में विशेष समझौता हुआ है। इस एफटीए से भारत और यूएई के बीच वस्तुओं का कारोबार 5 साल में दोगुना बढ़ाकर 100 अरब डॉलर किए जाने का लक्ष्य रखा गया है, जो कि इस समय करीब 60 अरब डॉलर है। साथ ही सेवाओं का व्यापार 15 अरब डॉलर से अधिक की ऊंचाई पर पहुंचने की उम्मीद है। इस समय यूएई भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और अमेरिका के बाद दूसरा बड़ा निर्यात केंद्र है।

उल्लेखनीय है कि पिछले माह 2 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन की उपस्थिति में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ऑस्ट्रेलिया के व्यापार, पर्यटन और निवेश मंत्री डैन तेहान के द्वारा भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते पर भी आभासी समारोह में हस्ताक्षर किए गए हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दस साल तक हुई मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच संतुलित और न्यायसंगत अंतरिम व्यापार समझौता हुआ है। ज्ञातव्य है कि भारत-ऑस्ट्रेलिया एफटीए के लागू होने के बाद ऑस्ट्रेलिया को भारत का करीब 96 फीसदी निर्यात और भारत को ऑस्ट्रेलिया का करीब 85 फीसदी निर्यात शुल्क मुक्ति के साथ किया जा सकेगा। इसके तहत विभिन्न क्षेत्रों जैसे टेक्सटाइल, चमड़ा, कृषि और मत्स्य उत्पाद, इलेक्ट्रिक सामान, आभूषण को ऑस्ट्रेलिया में शुल्क मुक्त पहुंच मिल सकेगी। चूंकि हमारे प्रतिस्पर्धी बांग्लादेश का ऑस्ट्रेलिया के साथ पहले एफटीए है और उसे बेहद कम विकसित देश होने के कारण 5 प्रतिशत का लाभ मिलता है, जो भारत को नहीं मिलता। ऐसे में अब नए समझौते से शुल्क मुक्ति के कारण भारत को हो रहे नुकसान को भी कम करने में मदद मिलेगी और भारत प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाकर ऑस्ट्रेलिया में निर्यात बढ़ा सकेगा। दूसरी तरफ भारत ने ऑस्ट्रेलिया के लिए जिन सामानों पर शून्य शुल्क की पेशकश की है, उनमें मुख्य रूप से कच्ची सामग्री, कोयला, खनिज और मध्यवर्ती सामान शामिल है।

रानिल की ताजपोशी

-सिद्धार्थ शंकर-

श्रीलंका में हिंसक प्रदर्शन के बाद अब हालात बेहतर होते दिखाई दे रहे हैं। रानिल विक्रमसिंघे श्रीलंका के नए प्रधानमंत्री बनेंगे। महिंदा राजपक्षे द्वारा पीएम पद से इस्तीफा दिए जाने के बाद रानिल विक्रमसिंघे श्रीलंका के नए पीएम बनाए गए हैं। रानिल विक्रमसिंघे 1994 से यूनाइटेड नेशनल पार्टी के प्रमुख रहे हैं। वह अब तक 5 बार श्रीलंका के पीएम रहे चुके हैं। महिंदा के 2020 में पीएम बनने से पहले भी रानिल ही श्रीलंका के पीएम थे। 73 साल के रानिल ने वकालत की पढ़ाई की हुई है। 70 के दशक में रानिल ने राजनीति में कदम रखा और पहली बार 1977 में सांसद चुने गए थे। 1993 में पहली बार पीएम बनने से पहले रानिल उप विदेश मंत्री, युवा और रोजगार मंत्री सहित कई और मंत्रालय संभाल चुके हैं। बता दें कि नए पीएम को नियुक्त करने से पहले गोटबाया राजपक्षे से साफ कहा था कि मैं युवा मंत्रिमंडल नियुक्त करूंगा जिसमें राजपक्षे परिवार का एक भी सदस्य नहीं होगा। अलग पार्टी में रहते हुए भी रानिल विक्रमसिंघे को श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और महिंदा राजपक्षे का करीबी बताया जाता है। यही कारण है कि उन्हें पीएम बनाया जा रहा है। पूर्व पीएम महिंदा राजपक्षे के साथ ही उनके सहयोगियों और अन्य मंत्रियों को श्रीलंका की अदालत ने देश छोडड़्े पर प्रतिबंध लगा दिया है। रानिल विक्रमसिंघे चीन समर्थक महिंदा राजपक्षे की अपेक्षा भारत के ज्यादा करीब रहे हैं। रानिल के पीएम बनने से उम्मीद है कि भारत के साथ रिश्ते और ज्यादा मधुर होंगे। महिंदा राजपक्षे के इस्तीफे के बाद पूरे देश में जमकर हिंसा हुई थी और प्रदर्शनकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री के पैतृक घर को जला दिया था। यही नहीं महिंदा के आधिकारिक आवास को भी जलाने का प्रयास किया गया था। इस बीच श्रीलंका के पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे और उनका परिवार तब तक त्रिंकोमाली नौसैनिक अड्डे पर रहेगा, जब तक कि व्यापक हिंसा के बाद द्वीप राष्ट्र में वापस सामान्य स्थिति नहीं हो जाती। व्यापक हिंसा के बाद मजबूरन कोलंबो से भागने के बाद श्रीलंकाई रक्षा मंत्रालय के सचिव कमल गुणरत्ने ने कहा कि जब देश में स्थिति सामान्य हो जाएगी, तब राजपक्षे को उनके इच्छित स्थान पर ले जाया जाएगा। रक्षा सचिव ने कहा कि चाहे इसमें कितना भी समय लगे, सेना राजपक्षे को तब तक सुरक्षा मुहैया कराएगी, क्योंकि एक पूर्व प्रधानमंत्री के तौर पर वह जीवन भर सुरक्षा के हकदार हैं। 9 मई को महिंदा के इस्तीफे के बाद से देश में हिंसा भड़क गई थी। सोमवार को सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों के साथ सरकार समर्थक समूहों की झड़प के बाद देश में कई हिंसक घटनाएं हुई हैं, जिसमें एक सांसद सहित आठ लोगों की मौत हो चुकी है और 200 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। देशव्यापी कर्फ्यू को गुरुवार सुबह तक बढ़ा दिया गया है। 1948 में स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद से सबसे गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा यह द्वीप राष्ट्र वर्तमान में बिना सरकार के ही है। डॉलर की किल्लत और महंगाई की वजह से गंभीर वित्तीय संकट के बीच राजपक्षे के इस्तीफे की मांग को लेकर 31 मार्च से शुरू हुआ विरोध पूरे देश में जारी है। विरोध के मद्देनजर कैबिनेट ने इस्तीफा दे दिया लेकिन महिंदा राजपक्षे ने उनके नेतृत्व में एक नई कैबिनेट का गठन किया। ईंधन और गैस की कमी और घंटों बिजली कटौती के साथ, लोग सड़कों पर उतर आए और सरकार से तत्काल इस्तीफे की मांग की। इस बीच, राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने विपक्ष से सर्वदलीय सरकार बनाने का आग्रह किया है, लेकिन इसने राजपक्षे के पद छोड़ने तक ऐसा करने से इनकार कर दिया है। सरकार के स्वामित्व वाली सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने बुधवार को घोषणा की कि मौजूदा सुरक्षा स्थिति के कारण ईंधन वितरण को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है।

TITLE CODE:-DELHIN29015

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक मो. अकिलुर रहमान द्वारा आरडी प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड नोएडा से मुद्रित व जे-29, जे-एक्स. गली नं-9, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित। सभी प्रकार के विवादित मामलों का निपटारा दिल्ली के न्याय क्षेत्र में ही होगा।

संपादक: मो. अकिलुर रहमान

E-mail : rajnitikdaon@gmail.com

Mob-9560268603

प्रभावी राजनेता एवं आदिवासी उन्नायक

ललित गर्ग

भारतीय राजनीति में सादगी, कर्मठता, ईमानदारी एवं राजनीतिक कौशल से अपनी जगह बनाने वाले एवं आदिवासी जनजीवन के लिये उजाला बनने वाले फग्गन सिंह कुलस्ते वर्तमान राजनीति के एक प्रभावी एवं सक्षम राजनेता है। वे अपनी प्रभावी एवं शालीन भूमिका से देश के आदिवासी जन-जीवन के उत्थान एवं उन्नयन की एक बड़ी उम्मीद बने हैं। कुलस्ते एक ऐसे प्रभावी, कठोर, जुझारु, चमत्कारी एवं राजनीति व्यक्तित्व हैं जिन्होंने एक बार नहीं, बल्कि अनेक बार सांसद बनकर अपने राजनीतिक वजूद, कौशल एवं आमजनता पर अपनी पकड़ का परिचय दिया है। वे धैर्य, लगन, आत्मविश्वास, दृढ़ संकल्प, राजनीतिक कौशल के साथ खुद को बुलन्द रखते हैं, जिससे उनके राजनीतिक रास्ते से बाधाएं हटती ही है और संभावनाओं का उजाला होता ही है। चुनौतीभरे रास्तों में समूचे राष्ट्र में आदिवासियों के लिये उजाले के प्रतीक बनने वाले कुलस्ते का व्यक्तित्व राजनीति की प्रयोगशाला में तपकर और अधिक निखरा है। कुलस्ते एक जुझारु एवं कर्मठ राजनीतिज्ञ तथा वर्तमान में केन्द्रीय इस्पात राज्यमंत्री, भारत सरकार हैं। वे जुलाई 2016-सितंबर 2017 तक केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री रहे, नवंबर 1999-मई 2004 तक वे जनजातीय मामलों के केंद्रीय राज्य मंत्री बने और अक्टूबर- नवंबर 1999 में कुलस्ते संसदीय कार्य राज्य मंत्री बनाए गए। वे भारत की सत्रहवीं लोक सभा के सांसद हैं। 2019 के चुनावों में वे मध्य प्रदेश के मण्डला से निर्वाचित हुए। वे भारतीय जनता पार्टी से संबद्ध हैं और अपने क्षेत्र के साथ-साथ समूचे आदिवासी क्षेत्रों में भाजपा की आवाज को पहुंचाने वाले सक्षम एवं कार्यक्षम व्यक्तित्व है।

फग्गन सिंह कुलस्ते जितने प्रभावी राजनेता है उतने ही प्रखर समाजसेवी एवं शिक्षासेवी है। समाज में शिक्षा का प्रसार करने के लिए कार्य करना, कई समितियां गठित करके आदिवासियों को अपने अस्तित्व एवं सांस्कृतिक कार्यकलापों से जुडे. रखने के लिए प्रोत्साहित करना, शैक्षिक संस्थाओं के संस्थापक और व्यवस्थापक, समाज के कमजोर वर्गों के लोगों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करना, आदिवासियों के उत्थान और शिक्षा के प्रसार के लिए बाबलिया विकास खंड की स्थापना आदि कुलस्ते के कार्यक्षेत्र है।

फग्गन सिंह कुलस्ते जमीनी स्तर से कार्य करते हुए, भारत की सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा के प्रमुख आदिवासी नेता के तौर पर उभरे हैं। वे सफल संगठनकर्ता एवं राजनीति कौशल के महारथि हैं। नरेन्द्र मोदी सरकार के मंत्री कद्दावर नेता कुलस्ते लम्बे समय से अपनी सारी शक्ति, सोच एवं ऊर्जा आदिवासी उत्थान एवं उन्नयन में खपाते रहे हैं। निश्चित ही उनके हर दिन के प्रयत्न से आदिवासी समुदाय में कुछ नया उत्साहपूर्वक परिवेश बनता रहा है, वे एक जुझारू एवं जमीन से जुड़े नेता हैं। उनका राजनीतिक वजूद विलक्षण एवं अद्भुत है, जनता पर उनकी पकड़ है। उनकी स्वतंत्र सोच है, जीत किस तरह सुनिश्चित की जा सकती है, यह गणित उन्हें भलीभांति आता है। यही कारण है कि कुलस्ते लगातार सांसद बनते रहे हैं, पहले 11वीं, 12वीं, 13वीं, 14वीं, 16वीं और 17वीं लोकसभा के सदस्य रह चुके हैं। वे 2012 में राज्यसभा के लिए चुने गए।

कुलस्ते सांसद के साथ-साथ अनेक संस्थाओं एवं गतिविधियों से जुड़े हैं। वे अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के अध्यक्ष हैं। वे भाजपा (अ.ज.जा. प्रकोष्ठ) 1993, राष्ट्रीय सचिव (प्रभारी) एवं भाजपा (अ.ज.जा. प्रकोष्ठ) 1996, उपाध्यक्ष भी रहे हैं। अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद् दिल्ली एवं अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद्, मध्य प्रदेश के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा, 2004 एवं 2010 (दो कार्यकाल), भाजपा, मध्यप्रदेश, 2006-2010 (दो कार्यकाल) महासचिव रहे, अखिल भारतीय गोंड संघ, 1998 से संरक्षक हैं।

फग्गन सिंह कुलस्ते का जन्म 18 मई 1959 को मध्य प्रदेश के मंडला में हुआ था। कुलस्ते के पास एमए, बीएड और एलएलबी की डिग्री है। उन्होंने अपनी पढ़ाई मंडला कॉलेज, डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर और रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर से पूरी की। कुलस्ते ने सावित्री कुलस्ते से शादी की है और उनकी 3 बेटियां और 1 बेटा है। कुलस्ते का जीवन राजनीतिक जज्बों, प्रयोगों एवं संघर्षों से भरा रहा है। ऐसा लगता है वे आदिवासी राजनीति के लिये ही बने हैं, वे आदिवासी राजनीति के महारथि एवं महायौद्धा हैं। उन्होंने चुनौतियों को अवसर में बदलने की महारथ हासिल की है। कुलस्ते आधुनिक तकनीक एवं साधनों का प्रयोग करते हुए अपने मंत्रालय को सक्रिय किये हुए हैं। वे ऐसी अनूठी एवं विलक्षण शख्सियत हैं जिनके दम पर आदिवासी जनजीवन का नया भविष्य तलाशा जा रहा है। वे कई सालों से राजनीति में हैं और राजनीति के दांव पेच से अच्छे से वाकिफ हैं। उनके सामने चाहे कैसी भी परिस्थिति हो लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। आज आदिवासियों में जो उनका मुकाम है उसे हासिल करने के लिए उन्होंने अपने जीवन में खूब मेहनत की है, अनेक संघर्षों में तपकर-खपकर निखरे हैं। कुलस्ते मध्यप्रदेश के आदिवासियों के लिये ही एक नया सवेरा, नई उम्मीद और नई प्रेरणा बनकर नहीं उभरे, बल्कि देश के समूचे आदिवासी जनजीवन के लिये भी एक नई प्रेरणा सिद्ध हुए हैं।

फग्गन सिंह कुलस्ते टेढ़े-मेढ़े, उबड़-खाबड़ रास्तों से गुजरते हुए, संकरी-पतली पगडंडियों पर चलकर भाजपा-भावना से आदिवासियों की शक्ति बने हैं। वे किसी पद या जिम्मेदारी लेने की दौड से स्वयं को दूर रखते रहे हैं, उन्होंने कहा भी है कि हमारे यहां कोई व्यक्ति खुद से किसी दौड़ में शामिल नहीं होता। भाजपा में जिम्मेदारी दी जाती है। वे भाजपा की राजनीति को मूल्यों एवं राष्ट्रीयता से प्रेरित राजनीति मानते हैं। उन्होंने कहा भी है कि हम देश बनाने के लिये काम करते हैं, मातृभूमि का वैभव अक्षुण्ण रखना चाहते हैं। ऐसे ही सक्रिय होकर काम करने वाले नेताओं एवं कार्यकताओं से ही भाजपा मजबूत बनी है। ऐसे ही नेताओं के चरित्र एवं साख से देश की अधिसंख्य जनता को पता चला है कि भाजपा की राष्ट्रीयता से प्रेरित राजनीति के मायने क्या-क्या हैं? भले ही कुलस्ते आज सफल राजनीतिक शख्सियतों में शुमार किये जाते हों, लेकिन राजनीतिक जीवन ने उन्हें कई थपेड़े दिये, कई बदरंग जीवन की तस्वीरों से बार-बार रू-ब-रू कराया और इन थपेड़े एवं भौंथरी तस्वीरों ने उन्हें झकझोरा भी - जीवन को हिला भी दिया लेकिन उतना ही निखारा भी।

राष्ट्रवाद के परिकल्पनात्मक स्वरूप को अगर भाजपा देश की जनता के हृदय तक पहुंचाने में कामयाब रही है तो इसका श्रेय काफी हद तक नरेन्द्र मोदी, अमित शाह एवं जेपी नड्डा के नेतृत्व में कुलस्ते जैसे नेताओं को ही जाता है। उन्होंने देश के लोगों में भाजपा के लिये सकारात्मक वातावरण बनाने की दिशा में जो प्रयत्न किये हैं, निश्चित ही उसके प्रभावी परिणाम देखने को मिलें है और मिलते रहेंगे। देश में भाजपा ने आदिवासियों की विधिवत परवाह की है और उन्हें अपने भविष्य को लेकर किसी प्रकार की चिंता से ग्रस्त नहीं होना चाहिए। स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनेक अवसरों पर आदिवासी कल्याण एवं उन्नत जीवन के संकल्प को दोहराया है और अनेक बहुआयामी योजनाएं शुरू की है।

आजादी के आंदोलन के दौरान से ही जनसेवा की भावना राजनीतिक कर्म में समाहित रही है। इसलिए राजनीति का आज भी दावा है कि वह जनसेवा का ही माध्यम है। लेकिन हाल के कुछ वर्षों में जनसेवा के लिए सत्ता का नया आयाम जुड़ गया है। इसलिए आज राजनेता वही कामयाब माना जाता है, जिसकी जनता पर पकड़ हो, जनता के मुताबिक राजनीतिक रणनीति बना सके और इसके जरिए अपनी राजनीतिक विचारधारा को सत्ता तंत्र के शीर्ष पर पहुंचा सके। इन अर्थों में देखें तो कुलस्ते हाल के दिनों में बड़े राजनीतिक रणनीतिकार के तौर पर उभरे हैं।

मुझे कुलस्तेजी से अनेक बार मिलने एवं आदिवासी विकास पर चर्चा करने का सौभाग्य मिला। वे गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में आदिवासी संत गणि राजेन्द्र विजयजी के नेतृत्व में संचालित सुखी परिवार अभियान एवं सुखी परिवार फाउण्डेशन के प्रारंभ से सहयोगी एवं मार्गदर्शक रहे हैं। एक संत एवं एक राजनेता- दोनों ही आदिवासी जनजीवन के उत्थान और उन्नयन के लिये लम्बे समय से प्रयासरत है और विशेषतः आदिवासी जनजीवन में शिक्षा की योजनाओं को लेकर जागरूक है। दोनों ही आदिवासी क्षेत्र में शिक्षा के साथ-साथ नशा मुक्ति एवं रूढ़ि उन्मूलन की अलख जगाते हैं। दोनों का ही जीवन-ध्येय शिक्षा एवं पढ़ने की रूचि जागृत करने के साथ-साथ आदिवासी जनजीवन के मन में अहिंसा, नैतिकता, स्वावलम्बन एवं मानवीय मूल्यों के प्रति आस्था जगाना है। कुलस्ते चाहते हैं आदिवासी समाज को उचित दर्जा मिले। वह स्वयं समर्थ एवं समृद्ध है, अतः शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिये स्वयं आगे आएं। एक तरह से कुलस्ते के प्रयत्नों से एक सम्पूर्ण पिछडा एवं उपेक्षित आदिवासी समाज स्वयं को आदर्श रूप में निर्मित करने के लिये तत्पर हो रहा है, यह एक अनुकरणीय एवं सराहनीय प्रयास है।

भारत को आज सांस्कृतिक क्रांति का इंतजार है। यह कार्य सरकार तंत्र पर नहीं छोड़ा जा सकता है।

वक्त कभी किसी का सगा नहीं!

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

गोंदिया - खूबसूरत सृष्टि की रचना करने वाली कुदरत ने खूबसूरत मानवीय जीवन के साथ वक्त का एक ऐसा पहिया संलग्न कर दिया है कि मानवीय जीवन चक्र के साथ वक्त का पहिया भी घूमता रहता है! जो किसी का सगा नहीं है!! बस मानवीय जीवन को ही अपनी बुद्धि के बल पर परिस्थितियों के अनुसार कुशाग्र बुद्धि से वक्त का सकारात्मक उपयोग कर ऐसा कार्य करना चाहिए कि हमारा नाम सदियों, पीढ़ियों तक टिमटिमाते तारों की तरह इस सृष्टि में जगमगाता रहे!! क्योंकि वक्त हमेशा एक सा नहीं रहता वक्त का पहिया कैसे करवट बदल देता है,पताही नहीं चलेगा!! क्योंकि वक्त अपनी गति से चलता रहेगा वक्त का पहिया हमेशा एक जैसा नहीं रहता कितना भी पकड़ लो फिसलता जरूर है!! यह वक्त है साहब बदलता जरूर है!!

साथियों बात अगर हम वक्त के तकाजे की करें तो हम खुद अपने पुराने और आज के वक्त का ही विश्लेषण कर ले कि कुछ साल या दशक पूर्व हम क्या थे और अब क्या हैं, तो हमें पता चल ही जाएगा कि वक्त कभी एक सा नहीं रहता!! इतना ही नहीं अगर हम अपने ही समाज या पीढ़ियों का विश्लेषण करें तो हमें अंदाज लग जाएगा कि वक्त का पहिया कैसे घूमकर बदलते रहता है इसलिए ही बड़े बुजुर्गों का कहना हैं, समय-समय की बात है आज तुम्हारा समय है कल हमारा समय भी आएगा!!

साथियों बात अगर हम हमारे शहर जिले राज्य या राष्ट्र की करें तो हमें ऐसे कई उदाहरण मिल जाएंगे!! अपने को बड़े शहंशाह, तीरंदाज कहने मानने वाले लोगों को भी हमने लाचार, तारतार होते देखा होगा, जिनके पास बेशुमार दौलत पावर था और सबकुछ खरीद सकते थे परंतु वक्त का पहिया ऐसा फिसला कि उनका पैसा, पावर सब कुछ जमींदरोज हो गया और पैसे पैसे को मोहताज हो गए!!हमने सुना ही नहीं अपनी आंखों से देखा भी जरूर होगा या फिर हमें यह अपने उम्र के बढ़ते चढ़ाव पर देखने को जरूर मिल जाएगा!! साथियों बात अगर हम वक्त के पहिए की करें तो यह किसी का सगा नहीं है!! बड़े से बड़े उद्योगपति, राजनीतिज्ञ अधिकारी, मंत्री, उच्च पदस्थ व्यक्ति यहां तक कि कभी उनके पास उद्योग,सत्ता, शासन-प्रशासन पावर की चाबी उनके हाथ में रहने वालों के वक्त के पहिए ने भी कैसे करवट बदल ली है कि उनका हाथ आज खाली है! जिनकी तूती बोलती थी आज उनकी बोलती बंद है!! इसलिए कहते हैं साहब यह वक्त है बदलता जरूर है इसलिए समय रहते कुछ ऐसा काम करो कि वक्त को भी तुम्हारे पास रुकने पर मजबूर होना हो जाना पड़े!!

साथियों बात अगर हम कुछ सालों से वक्त के पहिए की करवट बदलने की करें तो कैसे हम खुशहाल थे, फिर कोरोना महामारी आई, वैक्सीनेशन ड्राइव चला,आज करीब-करीब नियंत्रित है, सत्ता के बदलाव, कुछ चिन्हित उद्योगपतियों द्वारा बैंक घोटाला, देश के बाहर और भगोड़े घोषित इत्यादि यह सब बातें हमने राष्ट्रीय,अंतरराष्ट्रीय सत्तापरिवर्तन, नब्बे दिन से चले आ रहे हैं रूस यूक्रेन युद्ध सहित अनेक व्यवहार देखें जिसके आधार पर हम कह सकते हैं कि वक्त किसी का सगा नहीं करवट जरूर बदलता है। साथियों बात अगर हम वक्त के पहिए की करें तो, जीवन में सबसे अनमोल चीज है वक्त जिसका चक्र निरंतर रूप से चलते रहता है। इसे कोई रोक नहीं सकता जैसे रेत को कितनी भी जोर से मुट्ठी में बांधके रखो वह फिसलती रहती है। उसी तरह वक्त भी सबको अवसर देता है अगर उस अवसर को समय रहते पहचान कर उसका लाभ ना उठाएं तो वह मौका और वक़्त दोनों हाथ से निकल जाता है। इसीलिए कहते हैं मनुष्य चाहे तो सब कुछ नियंत्रण कर सकता है सिवाय वक्त के! वह एक बार चला गया तो लाख कोशिश कर लो वह कभी वापस नहीं आ सकता।

साथियों बात अगर हम वक्त शब्द की करें तो, वक़्त अर्थात समय ये सिर्फ बोलने के लिए तीन शब्द है किंतु इसमें मनुष्य का संपूर्ण जीवन समाहित है। मनुष्य के जीवन में वक्त का बड़ा ही महत्व है। हमारा पूरा जीवन समाप्त हो जाता है किंतु वक्त का ना कोई प्रारंभ है और ना कोई अंत। वह अपने गति के अनुसार चलते ही रहता है। वक्त किसी के लिए नहीं रूकता और ना ही कोई उसे रोक सकता है। यह वक्त सबके लिए समान गति से चलता है फिर चाहे वह राजा हो या रंक, वक्त के आगे किसी की नहीं चलती।

साथियों बात अगर हम वक्त के महत्व की करें तो, वक़्त और धन की दौड़ में हमेशा वक़्त की जीत होती है। पैसा कमाना आपको अमीर बना देगा लेकिन वक़्त को जीतना आपको सफल बनाएगा। वक़्त फिर कभी लौट कर नहीं आता, आपको इसका उपयोग करने का केवल एक ही मौका मिलता है। यदि आप उस समय वक़्त का सदुपयोग करते हैं, तो यह आपको कल लाभकारी परिणाम देगा। वक़्त बहुत कीमती है और इसे अच्छे कामों में खर्च करने की जरूरत है। वक़्त के मूल्य को समझना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह बदलता रहता है। वक़्त फिर कभी किसी के जीवन में एक जैसा नहीं हो सकता। जो व्यक्ति वक़्त के महत्व को जानता है और उसका सम्मान करता है, वह चतुर और बुद्धिमान माना जाता है। वह व्यक्ति अपने जीवन में सभी सफलता प्राप्त करने वाला होता है। क्योंकि यह जिंदगी, वक़्त और अपना अनुभव यही सिखाता है कभी उदासी की आग है जिंदगी, कभी खुशियों का बाग है जिंदगी, हंसना और रुलाना राग है जिंदगी, कड़वे-मीठे अनुभवों का स्वाद है जिंदगी, इसलिए हमारा दिल चाहता कुछ और है और होता कुछ और है परंतु एक बात तो निश्चित है वक़्त जरूर बदलता है और जिंदगी में उतार-चढ़ाव, सुख-दुःख दो पहलू हैं जो हर एक की जिंदगी में आते ही हैं।

किसी के बुरे वक्त पर हंसना नहीं साथियों

यह वक्त है चेहरे याद रखता है साथियों
कितना भी समेट लो हाथों से
फिसलता जरूर है साथियों
यह वक्त है बदलता जरूर है साथियों

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वक्त कभी किसी का सगा नहीं रहा!!वक्त का पहिया कैसे करवट बदल लेता है हम खुद अपने पुराने और आज के नए वक़्त का विश्लेषण करके महसूस कर सकते हैं!!वक्त का पहिया हमेशा एक जैसा नहीं रहता कितना भी पकड़ लो फिसलता जरूर है यह वक्त है साहब बदलता जरूर है!!

जीवन जीने का लक्ष्य मानव कल्याण हो तो बेहतर है'

संजीव ठाकुर

मनुष्य में जीवन जीने की तृष्णा होनी चाहिए। जीवन में आकस्मिकता परिवर्तनशीलता और निरंतर विकास की संभावनाओं की तलाश होती रहनी चाहिए। जो मनुष्य जीवन मानव जाति एवं समाज के समग्र कल्याण के लिए जीता है वह जीवन को सार्थकता की ओर अग्रसर करता है। शास्त्रों में पुनर्जन्म की व्याख्या की गई है यदि इस जन्म अच्छा कार्य करेंगे तो अगले जन्म आपको पुनः मनुष्य की योनि प्राप्त होगी और आप फिर से मनुष्य के रूप में जन्म लेंगे, पर मेरा यह मानना है की वर्तमान जीवन ही पहला और अंतिम जीवन है इसलिए आने वाले जन्मों की परिकल्पना में यथार्थ से दूर भागना एक मिथ्या की तरह है। वर्तमान जीवन ही यथेष्ट है और इस जीवन में ही सर्वश्रेष्ठ अवदान देकर इस जीवन को मानव जीवन के कल्याण एवं सामाजिक व्यवस्था की बेहतरी के लिए किया गया कार्य ही जीवन की सफलता होगी। व्यक्ति के जीने के अलग-अलग दृष्टिकोण और उद्देश्य हो सकते हैं अलग-अलग लक्ष्य की प्राप्ति भी मनुष्य के जीवन की अवधारणा हो सकती है, कोई आर्थिक लाभ एवं धन उपार्जन को अपने जीवन का लक्ष्य मानकर चलता है, और कोई इज्जत आबरु और सम्मान के प्रति आकर्षण में बंध कर राजनीति के उच्चतम शिखर पर पहुंचने की कामना के प्रयास में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां करने के प्रयास में रहता है। कोई विज्ञान के प्रति, कोई व्यवसाय के प्रति, कोई कला के प्रति, कोई संस्कृति के प्रति जीवन जी कर लोगों से आगे निकलने का प्रयास करता है। जीवन के लक्ष्य जो भी हो पर उसमें प्रयासों की शुद्धता एवं सार्थकता सबसे ज्यादा मायने रखती है। मनुष्य को जिंदगी में उच्च मनोबल साहस संयम और तपस्या के साथ अपने जीवन के उद्देश्यों की पूर्ति का प्रयास करना चाहिए। जीवन में कार्य करने की प्रेरणा समसामयिक परिस्थितियों से जूझने की इच्छा शक्ति एवं असफलता में ना घबराने तथा प्रयास के लिए सदैव तत्पर रहने की अदम्य जिजीविषा के साथ संघर्ष में विजयी होने की कामना भी होनी चाहिए। मनुष्य के जीने की स्वच्छंद प्रवृत्ति केवल मनुष्य को आनंद एवं आम संतोष प्रदान कर सकती है पर ईश्वर के बनाए मनुष्य की परिणति सर्वथा इसके विपरीत है, मनुष्य को सदैव प्रयत्नशील होकर मानवीय संवेदनाओं को सहेज कर जगत के कल्याण के बारे में तन मन धन से प्रयास करना चाहिए तभी मनुष्य के जीने का लक्ष्य संपूर्ण रूप से प्राप्त हो सकता है।

विभिन्न चिंतकों का मानना है कि जिंदगी एक रंगमंच है और हम सब अलग-अलग किरदार की तरह उसे निभाते चले जाते हैं। पर इस किरदार को निभाने में सच्चाई ईमानदारी प्रयत्नशीलता एवं संघर्षों के प्रति साहस जिंदगी को रुचिकर बनाकर आगे बढ़ने के प्रयास को द्विगुणित करते हैं। वैसे जीवन में सफलता और असफलता दोनों ही सिक्के के दो पहलू हैं और सफलता तथा असफलता को एक ही ही उत्साह से स्वीकार करने वाला व्यक्ति सफल व्यक्तित्व का मालिक हो सकता है। जीवन में यदि लोभ,कामना,स्पृहा, लालच से यदि बचकर आगे बढ़ा जाए तो जीवन सात्विक तौर पर दार्शनिक जीवन माना जा सकता है पर ऐसे जीवन में आर्थिक तंत्र अत्यंत मजबूत हो इसकी कोई निश्चिंतता का कोई निश्चित परिणाम नहीं होता है। इसीलिए मनुष्य को सदैव आध्यात्मिक चिंतन,मनन, धर्म, संस्कृति और आर्थिक लाभ से सामंजस्य बनाकर समाज के निचले तबके के व्यक्ति के लिए समर्पित जीवन ही एक जीवन के मूल उद्देश्य का परिणाम हो सकती है। जीवन को रंगमंच की तरह जीने वाले और ऐसे नजरिया को अपनाने वाले व्यक्ति को क्षणवादी माना जा सकता है जो जीवन के प्रत्येक क्षण को पूर्णता वादी नजरिए से देखते हैं ऐसे ही लोग परिवर्तन को सबसे बड़ा सत्य मानते हैं और इनका उद्देश्य परिवर्तन ही सबसे बड़ा परिवर्तनशील कारक होता है। जीवन में आने वाला हर पल अनिश्चित होता है इसका यह कतई आशाय नहीं है कि हम अपने आप को भाग्य के भरोसे छोड़ दें और कर्म को त्याग दें। यह निश्चित तौर पर सत्य है कि कर्म और भाग्य दोनों समानांतर चलने वाली प्रक्रिया है और कर्म से भाग्य को बदला जा सकता है और अपने लक्ष्य की प्राप्ति में इन दोनों का सामंजस्य पूर्वक संतुलन बनाकर उपयोग मनुष्य के जीवन की प्राप्ति का एक साधन बन सकता है। कर्म के साथ परिणामों को बहुत महत्व दिए जाने की आवश्यकता नहीं है यदि परिणाम व्यक्ति के अनुरूप नहीं होते तो निराशा की संभावना ज्यादा बलवती होती है इन परिस्थितियों में जीवन में सदैव कर्मशील रहकर सकारात्मक सोच के साथ जीवन को निरंतर चलाएं मान गतिमान रखने का अथक तथा निरंतर प्रयास किया जाना चाहिए तब ही आप अपने जीवन के सद उद्देश्यों की प्राप्ति कर सकते हैं।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष संजीव बजाज ने कहा

तेल की वैश्विक कीमतों पर निर्भर करेगा देश का आर्थिक विकास

नई दिल्ली (एजेंसी)। उद्योग संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक विकास दर के 7.4 प्रतिशत से 8.2 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान जताते हुए सोमवार कहा कि यह वैश्विक तेल की कीमतों पर निर्भर करता है।

सीआईआई के नवनियुक्त अध्यक्ष संजीव बजाज ने कार्यभार संभालने के बाद पहली बार संवाददाताओं से चर्चा में यह अनुमान जताते हुए कहा कि वैश्विक कारकों से होने रहे उतार चढ़ाव और महंगाई को सशक्त सुधारों से काबू में किया जा सकता है तथा आर्थिक विकास की संभावनाओं को पूरा किया जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने सरकार को वित्त वर्ष 2032 तक देश को 9 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए 10 सूत्री नीति ऐजेंडे का भी खुलासा किया। उन्होंने कहा कि घरेलू और बाहरी क्षेत्रों में सुधारों से आर्थिक विकास की संभावनाओं को बल मिलेगा। लघु काल में विकास को गति देने के लिए सरकारी पूंजी निवेश, निजी क्षेत्र निवेश सहायक हो सकता है क्योंकि इससे कुछ क्षेत्रों में मांग बढ़ाने में मदद मिली है। इसके साथ ही उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) से अन्य क्षेत्रों को भी मदद मिली है। बेहतर मानसून से कृषि पैदावार भी बंपर होने और निर्यात में तेजी आने की उम्मीद है।

महंगाई पर काबू पाने के लिए ईधन उत्पादों पर कर कम करने के आवश्यकता

बजाज ने कहा महंगाई को तत्काल काबू में करने के लिए ईधन उत्पादों पर कर को नरम करने की आवश्यकता बताते हुये कहा कि इसमें पेट्रोल और डीजल की सबसे अधिक हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा कि सीआईआई केन्द्र और राज्यों को भी इन शुल्कों में कमी करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। बजाज ने वर्ष 2030-31 तक देश को 9 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था और वर्ष 2026-27 तक पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की रूखरेखा का उल्लेख करते हुये कहा कि जब भारत की आजादी का 100 वर्ष पूरे होंगे तब 2047 में भारत की अर्थव्यवस्था के 40 लाख करोड़ डॉलर के होने की पूरी क्षमता है। उन्होंने विनिर्माण और सेवा क्षेत्र को विकास के दो इंजन बताते हुये उन्होंने कहा कि पीएलआई योजना से वित्त वर्ष 2048 तक विनिर्माण क्षेत्र की जीवीए में हिस्सेदारी बढ़कर 27 प्रतिशत हो सकती है। इसी तरह से सेवा क्षेत्र की भागीदारी भी 53 से 55 प्रतिशत तक हो सकती है। उन्होंने सरकार और उद्योग को समान साझेदार बताते हुये कहा कि जीडीपी में निर्यात की हिस्सेदारी बढ़नी चाहिए।

ब्याज दर में बढ़ोतरी के बावजूद महंगाई पर काबू पाने में समय लगेगा

नई दिल्ली। एसबीआई के नए शोध रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी किये जाने के बाद भी देश में महंगाई दर के सामान्य होने में समय लगेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि महंगाई में लगातार तेजी को देखते हुये यह लगभग सुनिश्चित हो गया है कि आरबीआई जून और अगस्त की बैठक में भी ब्याज दरों में बढ़ोतरी करेगा। आरबीआई अगस्त तक इसे कोरोना महामारी के पूर्व के स्तर 5.15 प्रतिशत के स्तर तक ले जायेगा।रिपोर्ट में कहा गया है कि महंगाई बढ़ने का भय बना रहेगा और इस बात की संभावना कम है कि इस पर जल्द काबू पाया जा सकेगा। एसबीआई ने रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध का देश के ग्रामीण और शहरी इलाकों में महंगाई पर असर का अध्ययन किया। शोध में फरवरी माह को आधार माह के रूप में लिया गया। फरवरी में ही यह युद्ध शुरू हुआ था। शोध से पता चला कि युद्ध के कारण महंगाई में 52 फीसदी योगदान खाद्य और पेय पदार्थों तथा परिवहन का रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर लागत मूल्य पर युद्ध के प्रभाव को भी इसमें जोड़ा जाये, खासकर एफएमसीजी क्षेत्र में, तो महंगाई में इस युद्ध का योगदान बढ़कर 59 प्रतिशत हो जायेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई के समक्ष चुनौती यह है कि क्या बिना युद्ध के समाप्त हुये सिर्फ ब्याज दरों में बढ़ोतरी करके महंगाई पर काबू पाया जा सकेगा।

पांच कारोबारी दिवस बाद शेयर बाजार में लौटी तेजी

सेंसेक्स 180 और निफ्टी 60 अंक मजबूत

मुंबई। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर दूरसंचार, यूटिलिटीज, ऑटो, पावर और रियल्टी समेत 16 समूहों में हुई लिवाली की बदौलत शेयर बाजार में सोमवार को लगातार पांच कारोबारी दिवस के बाद तेजी लौट आई। बीएसई का तीस शेयरों वाला सेंसेक्स सूचकांक 180.22 अंक चढ़कर 52973.84 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी सूचकांक 60.15 अंक बढ़कर 15842.30 अंक पर रहा।

दिग्गज कंपनियों के मुकाबले बीएसई की छोटी और मझौली कंपनियों में लिवाली का जोर अधिक रहा है। इस दौरान मिडकैप 1.51 प्रतिशत की तेजी लेकर 22,145.10 अंक और स्मॉलकैप 1.15 प्रतिशत की बढ़त लेकर 25,605.99 अंक पर पहुंच गया।इस दौरान बीएसई में कुल 3577 कंपनियों के शेयरों में कारोबार में हुआ, जिनमें से 2232 में लिवाली जबकि 1165 में बिकवाली हुई वहीं 180 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 33 में तेजी जबकि 16 में गिरावट रही वहीं एक के भाव स्थिर रहे।बीएसई के एफएमसीजी, टेक और आईटी समूह की 0.58 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर 16 समूहों में तेजी रही। सीडीजीएस 1.44, वित्त 1.45, इंडस्ट्रियल्स 1.35, दूरसंचार 2.85, यूटिलिटीज 2.17, ऑटो 2.20, बैंकिंग 1.43, कैपिटल गुड्स 1.30, पावर 2.10 और रियल्टी समूह के शेयर 2.59 प्रतिशत चढ़े।अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मिलाजुला रुख रहा। ब्रिटेन का एफटीएसई 0.10, जापान का निक्केई 0.45 और हांगकांग का हैंगसेंग 0.26 प्रतिशत चढ़ा जबकि जर्मनी का डैक्स 0.61 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.34 प्रतिशत गिर गया।

सेंसेक्स की 18 कंपनियों में तेजी जबकि शेष 12 में गिरावट रही

इस दौरान सेंसेक्स की 18 कंपनियों में तेजी जबकि शेष 12 में गिरावट रही। एनटीपीसी ने सबसे अधिक 3.05 प्रतिशत का मुनाफा कमाया जबकि अल्ट्रासिमको सर्वाधिक 3.01 प्रतिशत के नुकसान में रही। तेजी पर रहने वाली अन्य प्रमुख कंपनियों में एसबीआई 2.27, मारुति 2.14, एचडीएफसी 1.96, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.57, एचडीएफसी बैंक 1.10, आईसीआईसीआई बैंक 0.85, टाटा स्टील 0.71 और एलटी 0.70 प्रतिशत शामिल रही। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 153 अंक की तेजी के साथ 52,946.32 अंक पर खुला और मजबूत लिवाली की बदौलत थोड़ी देर बाद ही 53,428.28 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। बिकवाली होने से दोपहर बाद यह 52,632.48 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। संभलने की कोशिशों में कामयाबी पाकर अंत में यह पिछले दिवस के 52,793.62 अंक की तुलना में 0.34 प्रतिशत चढ़कर 52,973.84 अंक पर रहा। इसी तरह 63 अंक मजबूत होकर 15,845.10 अंक पर खुला निफ्टी भी कारोबार के दौरान 15,977.95 अंक के उच्चतम जबकि 15,739.65 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 15,782.15 अंक के मुकाबले 0.38 प्रतिशत की बढ़त लेकर 15,842.30 अंक पर पहुंच गया।

एलआईसी के शेयरों की लिस्टिंग आज

शेयरों का प्राइस बैंड 949 रुपए प्रति शेयर तय

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी जीवन बीमा निगम (एलआईसी) मंगलवार को दलाल स्ट्रीट में एंट्री करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। सरकार को 20,557 करोड़ रुपये के इस आईपीओ के लिए घरेलू निवेशकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। सरकार ने एलआईसी के शेयरों का प्राइस बैंड 949 रुपये प्रति शेयर तय किया है। एलआईसी के पॉलिसीधारकों और रिटेल निवेशकों को क्रमशः 889 रुपये और 904 रुपये प्रति शेयर के भाव पर शेयर मिलेंगे।

एलआईसी के शेयर अब ग्रे मार्केट में मामूली डिस्काउंट पर कारोबार कर रहे हैं। एलआईसी के शेयर अनऑफिशियल मार्केट में अपने इश्यू प्राइस 949 रुपये के मुकाबले 15-20 रुपये की छूट पर कारोबार कर रहे थे। एलआईसी स्टॉक मंगलवार 17 मई को बीएसई और एनएसई दोनों पर लिस्ट होगा। बता दें कि एलआईसी का आईपीओ 9 मई को बंद हुआ था और 12 मई को बोली लगाने वालों को इसके शेयर आवंटित किए गए। सरकार ने आईपीओ के जरिये एलआईसी के 22.13 करोड़ से अधिक शेयर यानी 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी की पेशकश की है। इसके लिए कीमत का दायरा 902-949 रुपये प्रति शेयर रखा गया था। एलआईसी के आईपीओ को करीब तीन गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। इसमें घरेलू निवेशकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जबकि विदेशी निवेशकों की प्रतिक्रिया ठंडी रही।

नींबू की कीमतों में 66 व खरबूजा की कीमतों में 16 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली। नींबू की कीमतों में एक साल पहले की तुलना में 66 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो मार्च की गति से 55 प्रतिशत अधिक है। वहीं, खरबूजा की कीमतों में 16 प्रतिशत की सालाना वृद्धि देखी गई। जबकि, मार्च में यह अपस्फीति में था। खुदरा मुद्रास्फीति के बास्केट में 299 आइटम हैं और पिछले सप्ताह के आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल में उनकी कुल कीमतों में औसतन 7.79 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो आठ साल का उच्च स्तर है।

नींबू, सब्सिडी वाले मिट्टी के तेल और कस्तूरी ने पिछले महीने मुद्रास्फीति में सबसे तेज तेजी देखी। विश्लेषण से पता चलता है कि खुदरा टोकरी में 80 वस्तुओं ने दोहरे अंकों की मुद्रास्फीति दर्ज की, जो महामारी के प्रकोप के बाद से सबसे अधिक है। मुद्रास्फीति में वृद्धि खाद्य और ईंधन की कीमतों में तेज वृद्धि के कारण हुई। कुछ वस्तुओं के लिए मुद्रास्फीति मार्च के मुकाबले अप्रैल में बढ़ी, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में उनके कम वजन के कारण काफी कम रही। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से बेचे जाने वाले सब्सिडी वाले मिट्टी के तेल में मार्च में 65 प्रतिशत की तुलना में सीपीआई में शामिल वस्तुओं में सबसे अधिक मुद्रास्फीति दर 91 प्रतिशत दर्ज की गई। मार्च की तुलना में टमाटर, स्टोव और गैस बर्नर, पेट्रोल और डीजल अन्य वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि दर्ज की गई। सीपीआई बास्केट में 42 प्रतिशत से अधिक मदों में मुद्रास्फीति दर्ज की गई, जो 7.79 प्रतिशत से अधिक थी। लगभग 60 प्रतिशत ने मुद्रास्फीति को 6 प्रतिशत से अधिक दर्ज किया, जो एक महामारी-युग का उच्च स्तर है। नींबू, टमाटर, मिट्टी का तेल और पेट्रोल सीपीआई बास्केट में बहुत कम जगह लेते हैं, जो कि एक दशक पुराना है। कुल मिलाकर सब्जी मुद्रास्फीति पिछले महीने के 11.6 प्रतिशत से बढ़कर 15.4 प्रतिशत हो गई।

हैदराबाद में आईईएम आर्थिक शिखर सम्मेलन 2022

हैदराबाद। मुंबई स्थित मासिक व्यापार पत्रिका इंडियन इकोनॉमी एंड मार्केट नेतेलंगाना के आईटी, उद्योग और वाणिज्य विभाग के सहयोग से होटल मारी गोल्ड, बेगमपेट, हैदराबाद में आईईएम आर्थिक शिखर सम्मेलन 2022 का आयोजन किया। आर्थिक शिखर सम्मेलन का मुख्य विषय फिनटेक का उदयः बैंकिंग उद्योग के लिए एक चुनौती था और तेलंगाना राज्य में निवेश के अवसर।

इस अवसर पर डा. अजय कुमार अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तक पीआर-ए टूल फॉर सक्सेस का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री जयेश रंजन, आईएएस (प्रधान सचिव, उद्योग और वाणिज्यऔर सूचना प्रौद्योगिकी, तेलंगाना सरकार) थे। अन्य विशिष्ट अतिथि सूची में श्री रजनीश कुमार (अध्यक्ष, भारत पे, निदेशक एचएसबीसी और हीरो मोटोकॉर्प और पूर्व अध्यक्ष एसबीआई), श्रीरवींद्र पांडे, (उप प्रबंध निदेशक और सीआईओ, एसबीआई) शामिल थे। इस अवसर पर श्री जयेश रंजन आईएएस, (प्रमुख सचिव, उद्योग और वाणिज्य और आईटी, तेलंगाना सरकार) ने कहा कि तेलंगाना बहुत जल्द अपने अस्तित्व के आठ साल पूरे कर लेगा।

हम जीडीपी, राजस्व सृजन और रोजगार के अवसरों के मामले में बहुत आगे बढ़ रहे हैं। हम आठवर्षों में 35 बिलियन अमरीकी डालर आकर्षित करने में सक्षम थे। कई कंपनियों द्वारा राज्य मेंबार-बार निवेश किया गया है। कृषि आय के संबंध में, मैं तेलंगाना की कृषि आय को लेकर बहुतआश्वस्त हूं। निकट भविष्य में यह दोगुना हो जाएगा। श्री रवींद्र पांडेय उप प्रबंध निदेशक और सीआईओ (एसबीआई) ने इस कार्यक्रम में कहा कि फिनटेक ऐप की शुरूआत के बाद वित्तीय क्षेत्र में बहुत बदलाव आया है। पारंपरिक को अबफिन-टेक के बाजार में नए खिलाडियों के साथ चुनौती दी जा रही है। भारत में फिनटेक लैंडस्केपतीन डोमेन नामतः फिनटेक भुगतान और प्रेषण, प्रक्रिया सुधार और ग्राहक जुड़ाव में विकसित होरहा है। फिनटेक जो भुगतान और प्रेषण तकनीक से शुरू हुआ था, अब धीरे-धीरे ग्राहक जुड़ाव मेंभी स्थानांतरित हो गया है। पारंपरिक बैंकिंग प्रणाली अब फिनटेक कंपनियों द्वारा बाधित की जारही है। फिनटेक इकोसिस्टम के साथ सहयोग करना मौजूदा बैंकों के लिए आगे का रास्ता होगाजो लंबे समय से बैंकिंग क्षेत्र में हैं। इस समय एसबीआई ऐप योनो 4.83 लाख पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं और हम प्रतिदिन औसतन एक करोड़ लेनदेन कर रहे हैं। इस अवसर पर श्री रजनीश कुमार पूर्व अध्यक्ष एसबीआई और निदेशक भारत पे ने कार्यक्रम मेंबोलते हुए कहा कि मुझे पुराने दिन याद हैं, जब मैं रामपुर शाखा में तैनात था और डॉ अजयअग्रवाल से मिला था। वह हमेशा लोगों के संपर्क में रहता थे और अच्छें संबंध बनाए रखते थे। फिनटेक के बारे में मैं कहूंगा कि हम इस डोमेन में तीसरा सबसे बड़ा देश हैं। स्मार्टफोन की पहुंच और कम डेटा पैकेज ने हमारे देश में इस फिनटेक बूम में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। फिनटेकहमारे देश में कई लोगों को रोजगार प्रदान कर रहा है। मैं निकट भविष्य में बैंकों और फिनटेककंपनियों के बीच सहयोग और अभिसरण देखता हूं। भारतीय अर्थव्यवस्था बाजार के बोर्ड के अध्यक्ष और पीआरः ए टूल फॉर सक्सेस के लेखक डॉअजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि संबंध जनसंपर्क का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। कृपया ग्राहक को व्यवसाय से बोर न करें, बस निर्माण करें उनके साथ दोस्ती। मैं हमेशा भीड़ में अलग पहचानबनाने की ख्वाहिश रखता था।

मैंने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में जनसंपर्क अधिकारी के रूप में अपनेकरियर के दौरान कई लोगों के साथ बातचीत की और जनसंपर्क के बारे में कई नई चीजें सीखीं। मैंसभी को सलाह देता हूं कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए वे सबके साथ हमेशा अच्छे संबंधबनाए रखें। अगर व्यक्ति अपने जीवन में जन पुस्तक के विमोचन के बाद फिनटेक डोमेन में उभरते रुझानों पर चर्चा हुई। श्री रमेश कुमार बंग(अध्यक्ष और एमडी, एपी महेश को-ऑप। अर्बन बैंक), श्री सुदीप बंद्योपाध्याय (ग्रुप चेयरमैन, इंडिट्रेड ग्रुप) जैसे जीवन के सभी क्षेत्रों के कई गणमान्य व्यक्ति।

इलेक्ट्रिक कारों के विनिर्माण के लिए इंडोनेशिया का रुख करेंगे मस्क

नई दिल्ली/जकार्ता। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने इलेक्ट्रिक कारों के भारत में विनिर्माण की अटकलों को खारिज कर दिया है और उन्होंने अब इस साल नवंबर में इंडोनेशिया का दौरा करने का फैसला किया है। इंडोनेशिया सरकार चाहती है कि मस्क वहां एक विश्व स्तरीय इलेक्ट्रिक बैटरी उद्योग स्थापित करें क्योंकि देश में निकल का विशाल भंडार है। इंडोनेशियाई राष्ट्रपति जोको जोकोवी विडोडो ने पिछले सप्ताहांत में टेक्सास के बोका चीका में स्टारबेस, स्पेसएक्स की रॉकेट उत्पादन सुविधा, परीक्षण स्थल और स्पेसपोर्ट में मस्क से मुलाकात की और उन्हें इंडोनेशिया आने के लिए आमंत्रित किया था।

जकार्ता ग्लोब के अनुसार, मस्क ने स्वीकार किया कि वह इंडोनेशिया के भविष्य में बहुत रुचि रखते हैं, और उन्हें लगता है कि टेस्ला और स्पेसएक्स के साथ कुछ सहयोग के लिए वहां महान क्षमता है। रिपोर्ट में कहा गया है, मस्क ने इंडोनेशिया की बड़ी आबादी और लगातार आर्थिक विकास का भी उल्लेख किया है, जो उन्हें दक्षिणपूर्व एशिया में सबसे अधिक आबादी वाले देश में रुचि को दशार्ता है। टेस्ला अपनी इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी के लिए निकल की सोर्सिंग में आक्रामक रही है। इस बीच, भारत के मंत्री, विशेष रूप से केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, टेस्ला के सीईओ से भारत में इलेक्ट्रिक कारों के विनिर्माण के लिए अनुरोध करते रहते हैं। तेलंगाना के उद्योग मंत्री केटी रामाराव से लेकर महाराष्ट्र के मंत्री और राज्य राकांपा अध्यक्ष जयंत पाटिल तक, कई भारतीय नेताओं ने मस्क से टेस्ला को भारत लाने की बार-बार अपील की, लेकिन कोई असर नहीं हुआ। मस्क ने कहा था कि उन्हें भारत में अपने उत्पादों को जारी करने के लिए सरकार से चुनौतियों का सामना करना पड़ा। वर्तमान में, भारत 40,000 डॉलर (30 लाख रुपये) से अधिक कीमत वाली आयातित कारों पर 100 फीसदी कर लगाता है। इसमें बीमा और शिपिंग खर्च शामिल हैं, जबकि 40,000 डॉलर से कम की कारों पर 60 फीसदी आयात कर लगता है। 40,000 डॉलर (30 लाख रुपये से अधिक) मूल्य टैग के साथ, टेस्ला मॉडल 3 अमेरिका में एक किफायती मॉडल के रूप में रह सकता है, लेकिन आयात शुल्क के साथ, यह भारतीय बाजार में लगभग 60 लाख रुपये के अनुमानित मूल्य टैग के साथ अनुपलब्ध हो जाएगा। इस बीच, पिछले साल भारत में नियुक्त मस्क टीम को अब मध्य-पूर्व और बड़े एशिया-प्रशांत बाजारों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मोड़ दिया गया है।

भारत को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने को नौ प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान दे गुजरात : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था को 2026-27 तक पांच लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचाने में मदद को गुजरात को विनिर्माण को बढ़ावा देने के साथ आला दर्जे की प्रौद्योगिकी कंपनियों को आकर्षित करने के लिए नौ प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान देने की जरूरत है।

गुजरात सरकार द्वारा गठित एक कार्यबल ने अपनी रिपोर्ट में यह सुझाव दिया है। पूर्व वित्त सचिव हसमुख अधिया की अध्यक्षता वाले इस कार्यबल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि गुजरात को अपनी वृद्धि दर तेज करनी होगी और राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में अपनी हिस्सेदारी को वर्ष 2021 के 8.36 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने पर ध्यान देना होगा। इसका मतलब है कि गुजरात को वित्त वर्ष 2026-27 तक 500 अरब डॉलर का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का लक्ष्य हासिल करना होगा। कार्यबल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है, अगर भारत को वित्त वर्ष 2026-27 तक पांच लाख करोड़ डॉलर जीडीपी का लक्ष्य हासिल करना है, तो गुजरात को अपनी रफ्तार तेज करनी होगी क्योंकि यह प्रदेश देश की आर्थिक वृद्धि का इंजन है। रिपोर्ट में विनिर्माण के लिए नौ ह्यविजेता क्षेत्रोंह्ल की पहचान की गई है जिनपर सरकार को खास ध्यान देने की जरूरत है। ये क्षेत्र वाहन, परिधान, बुनियादी धातु, इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली मशीनरी एवं उपकरण, खाद्य प्रसंस्करण, रत्न एवं आभूषण, फार्मास्युटिकल्स और कपड़ा हैं। कार्यबल ने गुजरात को सभी सेवाओं खासकर आईटी एवं आईटीईएस, वित्तीय प्रौद्योगिकी और पर्यटन पर भी ध्यान देने का सुझाव दिया है। अधिया पैनल की इस रिपोर्ट के मुताबिक, गुजरात को इन सभी क्षेत्रों के लिए उच्च गुणवत्ता वाला बुनियादी ढांचा खड़ा करने के लिए बहुत अधिक धन का निवेश करने की जरूरत है। सरकार को आला दर्जे की आईटी कंपनियों और पर्यटन क्षेत्र के प्रवर्तकों को आकर्षित करने के लिए भी खर्च करने की जरूरत है।

कैट ने कहा, भारत में औपनिवेशिक कर प्रणाली बन गई है जीएसटी

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की वर्तमान व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य से पूरी तरह भटक गई है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने तंज कसते कसते हुए कहा कि यह एक औपनिवेशिक कर प्रणाली मात्र बन कर रह गई है, जो जीएसटी के मूल घोषित उद्देश्य ह्यगुड एंड सिंपल टैक्स के ठीक विपरीत है।

कारोबारी संगठन कैट ने कहा कि वर्तमान में जीएसटी कर व्यवस्था भारत में हो रहे व्यापार की जमीनी हकीकत से काफी हद तक दूर है। जीएसटी के तहत 1100 से ज्यादा संशोधनों और नियमों की शुरूआत ने इस कर प्रणाली को बेहद जटिल बना दिया है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इज ऑफ डूइंग बिजनेस की मूल धारणा के खिलाफ है।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने सोमवार को सूरत में सधर्न गुजरात चैंबर ऑफ कामर्स द्वारा आयोजित व्यापारियों के एक सम्मेलन तथा सूरत टैक्स बार एसोसिएशन के वकीलों की बैठक को संबोधित करते हुए जीएसटी की खामियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने जीएसटी कर ढांचे की नए सिरे से समीक्षा कर उसे सरल बनाने की मांग की।

खंडेलवाल ने जीएसटी के वर्तमान स्वरूप की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि भारत में जीएसटी लागू होने के लगभग 4 साल बाद भी जीएसटी पोर्टल

अभी भी कई चुनौतियों से जूझ रहा है। इसके नियमों में कई संशोधन किया गया है, लेकिन ये पोर्टल उक्त संशोधनों के साथ समय पर अद्यतन करने में विफल रहा है, जबकि अभी तक किसी भी राष्ट्रीय अपीलीय न्यायाधिकरण का गठन नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा कि जीएसटी कर व्यवस्था में ह्यवन नेशन-वन टैक्सह्ल के मूल सिद्धांतों को अपने तरीके से कानून की व्याख्या करने के लिए राज्यों को खुली छूट दी गई है। कोई केंद्रीय अग्रिम शासक प्राधिकरण का गठन नहीं किया गया है। जीएसटी अधिकारी ई-सिस्टम के तहत कर प्रणाली का पालन तो कराना चाहते हैं लेकिन देश में व्यापारियों के बड़े हिस्से को अपने मौजूदा व्यवसाय में कंप्यूटरीकृत व्यवस्था को अपनाना अभी बाकी है।

कैट महामंत्री ने कहा कि इस विषय पर कभी नहीं सोचा गया और व्यापारियों को कंप्यूटर से लैस करने के लिए कोई कदम भी नहीं उठाया गया। हाल ही में जीएसटी के तहत एक नियम लागू कर अधिकारियों को किसी भी व्यापारी के जीएसटी पंजीकरण को रद्द करने का मनमाना अधिकार दिया गया है, जिसमें व्यापारियों को कोई नोटिस और सुनवाई का मौका भी नहीं दिया जाएगा। यह व्यवस्था न्याय के प्राकृतिक सिद्धांत के विरुद्ध है। खंडेलवाल ने कहा कि अधिकारियों को मनमाने अधिकार भी दिए जा रहे हैं, जिससे निश्चित तौर पर भ्रष्टाचार को और बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि जीएसटी कानून को विकृत किया गया है, जो इस तथ्य से स्पष्ट है कि 31 दिसंबर, 2020 तक जीएसटी लागू होने के बाद से कुल 927 अधिसूचनाएं जारी की गई हैं, जिसमें 2017 में 298, 2018 में 256, 2019 में 239 और 2020 में 137 सूचनाएं शामिल हैं। ऐसी स्थिति में हम व्यापारियों से कैसे उम्मीद कर सकते हैं कि वे कराधान प्रणाली का समय पर अनुपालन करें। खंडेलवाल ने कहा कि वे वित्त मंत्री के साथ बातचीत के जरिए इन मुद्दों को हल करना चाहते हैं। वह आधार को विस्तृत करने, राजस्व में वृद्धि करने में सरकार का साथ देने चाहते हैं लेकिन कर ढांचे के सरलीकरण और युक्तिसंगत बनाना पहले जरूरी है।

डेल ने भारत में जी15 सीरीज के लैपटॉप लॉन्च किए

बेंगलुरु। अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी डेल ने सोमवार को भारतीय बाजार में जी15 5520 और जी15 5521 स्पेशल एडीशन (एसई) उपकरणों के साथ अपनी लेटेस्ट जी15 सीरीज लॉन्च की है। डेल जी15 5520 की कीमत 85,990 रुपये और डेल जी15 5521 एसई की कीमत 1,18,990 रुपये से शुरू होगी। 5520 डार्क शैडो ग्रे में आता है जबकि 5521 एसई ओब्सीडियन ब्लैक कलर्स में उपलब्ध है। सीरीज में लेटेस्ट 12वीं पीढ़ी के इंटेल कोर एल्डरलेक-एच सीपीयू और एनवीआईडीआईए की आरटीएक्स30 सीरीज जीपीयू शामिल हैं। डिवाइस गेम शिफ्ट तकनीक और एलियनवेयर कमांड सेंटर के साथ सक्षम हैं, जो यूजर्स को सीपीयू और जीपीयू को थ्रॉटल किए बिना बेहतर नियंत्रण और बेहतर प्रदर्शन की अनुमति देते हैं।

एक नजर

मान ने शुरू किया लोक मिलनी, सीधे सुनेंगे जनता की समस्याएं

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार से जनता की समस्याएं सीधे सुनने के लिए 'लोक मिलनी' कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की। श्री मान ने ट्वीट करते हुए कहा कि पंजाब के लोग उनसे सीधे संपर्क कर सकेंगे और पंजाब भवन में उनके मुद्दों को 'लोक मिलनी' के तहत सुना जाएगा। उधर, पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि 'जनता दरबार' तहसील और उप तहसील स्तर विधायकों समेत सरकारी अधिकारियों के शामिल होने से सफल होते हैं। सत्ता का विकेंद्रीकरण लोकतंत्र का सच्चा सार है। उन्होंने ट्विटर पर लिखा है कि एक व्यक्ति 3 करोड़ पंजाबवासियों की समस्याएं दूर नहीं कर सकता, यह विकेंद्रीकृत प्रयासों से ही संभव है।

फिल्म द कनवर्जन सिनेमाघरों में अनिवार्य रूप से चलाएं

गाजियाबाद, (एजेंसी)। गाजियाबाद जिले की साहिबाबाद सीट से भाजपा विधायक सुनील शर्मा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर लव जिहाद पर बनी फिल्म द कनवर्जन को सिनेमाघरों में अनिवार्य रूप से चलाने की मांग की है। उन्होंने सरकार से इस फिल्म को टैक्स फ्री करने की मांग भी की है। दरअसल, गैर धर्म में शादी पर बनी फिल्म द कनवर्जन छह मई को रिलीज हुई है। साहिबाबाद विधायक सुनील शर्मा का कहना है कि जिस तरह एक धर्म के युवकों द्वारा हिंदु युवतियों को प्रेम जाल में फंसाकर उनका धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है और उन्हें यातनाएं दी जा रही है, यह फिल्म उन सभी सच्चाइयों को उजागर कर रही है।उन्होंने कहा कि फिल्म के निर्माता और निर्देशकों ने बड़ी ही हिम्मत दिखाई और इस फिल्म को जनता के बीच पहुंचाने का एक प्रयास किया।

कार्बेट फाल में डूबे दूसरे छात्र का शव भी बरामद

नैनीताल, (एजेंसी)। उत्तराखंड के कालाढूंगी स्थित कार्बेट फाल में लापता द्रोण कॉलेज के दूसरे छात्र का शव भी सोमवार को बरामद कर लिया गया है। हालांकि वन विभाग ने कार्बेट फाल को फिलहाल पर्यटकों के लिए बंद कर दिया है। उधमसिंह नगर के दिनेशपुर स्थित द्रोण कॉलेज के फार्मेसी के छात्रों का एक समूह रविवार को कार्बेट फाल की सैर पर आया था। बताया जाता है कि भीषण तपिश के बीच दो छात्र रिंकी मंडल व अभिजीत अधिकारी कार्बेट फाल में नहाने लगे। इसी बीच दोनों भवंर में फंस गए और लापता हो गए। हालांकि रिंकी मंडल का शव घटना के कुछ देर बाद बरामद कर लिया गया, जबकि अभिजीत का कुछ पता नहीं चल पाया। देर शाम को राहत व बचाव कार्य बंद कर दिया गया। सोमवार को फिर कालाढूंगी थाने की पुलिस व वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य चलाया गया।

आज का इतिहास

- **1540**: शेरशाह ने हरदोई में हुमायूं को मात दी। इसे इतिहास में कन्नौज की लड़ाई के नाम से जाना जाता है।
- **1749**: 'चेचक' के टीके का आविष्कार करने वाले एडवर्ड जेनर का जन्म।
- **1769**: ईस्ट इंडिया कंपनी ने बंगाल के कपड़ा उद्योग को बर्बाद करने के लिए बुनकरों पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए।
- **1857**: बहादुर शाह जफर द्वितीय को स्वतंत्र मुगल बादशाह घोषित किया गया।
- **1949**: भारत ने राष्ट्रमंडल देशों के समूह में बने रहने का फैसला किया।
- **1974**: आयरलैंड के डबलिन शहर में तीन कार बम धमाकों में 23 लोगों की मौत और 100 से अधिक घायल।
- **1987**: भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया।
- **2000**: रूसी संसद के ऊपरी सदन फेडरलिस्ट्स ने परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि को मंजूरी प्रदान की।

हालात बद से बदतर, पाई-पाई को मोहताज श्रीलंका, पेट्रोल भी खत्म

पीएम विक्रमसिंघे ने एयरलाइंस के निजीकरण का रखा प्रस्ताव

कोलंबो ■ एजेंसी

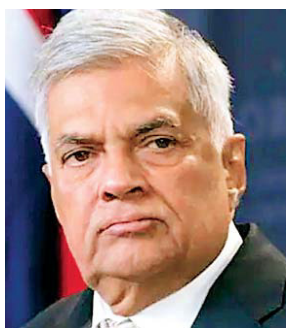

श्रीलंका में हालात बद से बदतर हो चुके हैं। इसी बीच श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने सोमवार को कहा है कि मैं श्रीलंकाई एयरलाइंस के निजीकरण करने का प्रस्ताव करता हूं, जो इस समय घाटे में चल रही है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि उनका उद्देश्य संकटग्रस्त देश को बचाना है। साथ ही उन्होंने श्रीलंका के लोगों को बताया है कि दैनिक बिजली कटौती दिन में 15 घंटे तक बढ़ सकती है और सिर्फ एक दिन के लिए पेट्रोल का स्टॉक देश के पास बचा है।

दरअसल, श्रीलंका के नए प्रधानमंत्री ने इशारों-इशारों में देश की जनता को यह बता दिया है देश इस समय पाई-पाई को मोहताज है और इसे हल करने में काफी समय लग सकता है। उन्होंने कहा कि अकेले 2020-21 का नुकसान 45 बिलियन श्रीलंकाई रुपए के पार है। एयरलाइंस के निजीकरण का प्रस्ताव देते हुए उन्होंने कहा कि यह एक नुकसान है लेकिन हमें इसे सहन करना होगा, क्योंकि उनका उद्देश्य संकटग्रस्त देश को बचाना है। बता दें कि अपनी आजादी के बाद श्रीलंका अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। आर्थिक संकट के साथ ही वहां राजनीतिक संकट भी है। यह संकट पिछले कई सालों से पनप रहा था, लेकिन हाल के वर्षों में हुए कुछ घटनाक्रमों ने वहां की स्थितियां और बिगाड़ दीं। हाल ही में प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे को इस्तीफा देना पड़ा और लोग राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। अब रानिल विक्रमसिंघे ने प्रधानमंत्री पद संभाला है। वह काफी अनुभवी जरूर हैं लेकिन उनके सामने बहुत बड़ी चुनौतियां हैं।

बिजली कटौती दिन में 15 घंटे तक बढ़ने की संभावना

श्रीलंकाई पीएम ने कहा कि हम कई गंभीर चिंताओं का सामना कर रहे हैं। लंबी-लंबी कतारों को आसान बनाने के लिए हमें अगले कुछ दिनों में लगभग 75 मिलियन अमरीकी डॉलर प्राप्त करने होंगे। फिलहाल हमारे पास सिर्फ एक दिन के लिए पेट्रोल का स्टॉक है। हाल ही में आए डीजल शिपमेंट से डीजल की कमी कुछ हद तक दूर हो जाएगी। इसके बावजूद भी यह नाकाफी साबित हो सकता है। उन्होंने लोगों को चेतावनी देते हुए कहा कि एक चौथाई बिजली तेल से पैदा होती है, इसलिए संभावना है कि दैनिक बिजली कटौती दिन में 15 घंटे तक बढ़ जाएगी। हालांकि हमने इस संकट को टालने कुछ पैसा प्राप्त कर लिया है। इसी प्रकार उपभोक्ताओं को गैस उपलब्ध कराने हमें तुरंत 20 मिलियन अमरीकी डालर प्राप्त करना चाहिए।

वैकल्पिक बजट पेश करने की योजना

रानिल विक्रमसिंघे ने कहा है कि हमने 2022 के प्रस्तावित विकास बजट के लिए एक नया वैकल्पिक बजट पेश करने की योजना बनाई है। इसे रियायती बजट के रूप में पेश करने का इरादा है। अल्पावधि में मुद्रास्फीति बढ़ने की भी संभावना है। इसके साथ ही हमें सरकारी वेतन का भुगतान करने के लिए पैसे प्रिंट करना जारी रखना होगा और आवश्यक जरूरतों के लिए भुगतान भी करना होगा।

दवा के लिए तत्काल भुगतान करने की जरूरत

वैसे तो श्रीलंका में दवाओं की कमी काफी समय से है, लेकिन अब प्रधानमंत्री का कहना है कि हमें दवा के लिए तत्काल भुगतान करने की जरूरत है। साथ ही 14 आवश्यक दवाओं की कमी है। फिलहाल प्रधानमंत्री ने कहा कि बैंकों में डॉलर की कमी के कारण सरकार अब आवश्यक धन जुटाने के लिए अन्य विकल्पों पर विचार कर रही है।

यूक्रेन पर रूसी हमले का 81वां दिन

खारकीव से अब रूस की सेनाएं जा रही हैं वापस

कीव ■ एजेंसी

यूक्रेन ने दावा किया था कि खारकीव से रूस की सेनाएं वापस जा रही हैं और यहां यूक्रेनी सेना ने बड़ा इलाका वापस ले लिया है। खारकीव शहर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का बड़ा निशाना था, लेकिन इंस्टिट्यूट फॉर स्टडी ऑफ वॉर (आईएसडब्ल्यू) का कहना है कि मई की शुरुआत से ही यूक्रन की सेना यहां लोहा लेने की तैयारी कर रही थी।

आईएसडब्ल्यू ने दावा किया था कि खारकीव से रूस की सेनाएं वापस जा रही हैं। यूक्रेन की सेना ने उन्हें बाहर निकाल दिया है। जिस तरह से कीव से रूस की सेना को निकाला गया था, उसी तरह खारकीव में भी यूक्रेनी सेना बड़ी कार्रवाई कर रही है। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि रूस चाहता है कि जब तक प्रॉक्सी फोर्स रूस में प्रवेश करें, उसकी सेनाएं वापस पहुंच जाएं। यूके के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा था कि रूस ने फरवरी में जिन जगहों को कब्जे में लेने का दावा किया था, उनमें से एक तिहाई जगहों पर जंग हार चुका है। उसने यह भी कहा था कि यूक्रेन में रूस की सेना तेजी से कम हो रही है और डोनबास का इलाका भी यूक्रेन के कब्जे में आ गया है।

यूके के रक्षा मंत्रालय ने यह भी दावा किया कि रूस की तरफ से अब जनरल भेजे जा रहे हैं। जिस तरह से युद्ध की शुरुआत में दावा किया गया था कि यूक्रेन में रूसी सेना के जनरल या तो मारे गए हैं या फिर घायल हो गए हैं। उसी तरह के दावे फिर किए जा रहे हैं। आईएसडब्लू ने अपने आकलन में कहा कि जोपीरिज्जिया इलाके में तैनात रूस की सेना की हिम्मत जवाब दे चुकी है। सैनिक खूब शराब पी रहे हैं और अपने ही वाहन को निशाना बना रहे हैं। वे युद्ध करने को तैयार नहीं हैं।

पीएलए ने एलएसी के पास बढ़ायी क्षमता: सेना

गुवाहाटी। भारतीय सेना ने सोमवार को कहा कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास भारत-चीन सीमा पर बड़े पैमाने पर अपनी क्षमता का विस्तार किया है। पूर्वी कमान के प्रमुख जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल आरपी कलिता ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय सेना को एलएसी के पास बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए पहाड़ी इलाकों और खराब मौसम की सबसे बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। पीएलए ने एलएसी पर बुनियादी ढांचे का विकास किया है और इससे उन्हें इस इलाके में तेजी से सेना के संचालन में मदद मिली है। लेफ्टिनेंट जनरल कलिता ने कहा, ह्लबुनियादी ढांचे के विकास में सबसे बड़ी बाधा इलाके की भौगोलिक स्थिति और खराब मौसम है और आगे के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी अब भी एक बड़ी समस्या है।ह्व उन्होंने कहा कि भारतीय सेना नई तकनीक का उपयोग करके मौजूदा नियंत्रण रेखा के पास सेना की गतिविधियां बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि एलएसी के पास भारत-चीन सीमा पर कई क्षेत्रों का सीमांकन नहीं किया गया है और दोनों देशों के बीच वास्तविक सीमा सीमांकन के अभाव में कथित सीमा रेखा के कारण अक्सर टकराव होता है। उन्होंने हालांकि, कहा कि डोखलाम और गलवान की घटना के बाद सीमावर्ती इलाकों में भारत तथा चीन के सुरक्षा बलों के बीच समन्वय में काफी सुधार हुआ है।

जनवरी, 2022 में पूर्वी सेना कमान के प्रमुख के रूप में नियुक्त कलिता ने कहा, ह्लअब हमारे पास एलएसी के सीमावर्ती क्षेत्रों में उत्पन्न होने वाले मुद्दों को हल करने के लिए सीधी हॉटलाइन सेवा व सीमा बिंदु बैठक है।ह्व सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क के बुनियादी ढांचे के निर्माण के बारे में उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों में अरुणाचल प्रदेश के अग्रिम क्षेत्रों में 750 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया गया है।

कुछ महीने पहले नागालैंड के मोन जिले में नागरिकों की हत्याओं पर आर्मी कोर्ट ऑफ इंक्वायरी पर एक सवाल का जवाब देते हुए पूर्वी कमान प्रमुख कलिता ने कहा कि एसआईटी और आर्मी कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी रिपोर्ट का विश्लेषण किया जा रहा है तथा जो भी इस घटना में दोषी पाया जाएगा उसके स्तर की परवाह किये बगैर उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

बुद्ध पूर्णिमा पर्व पर सोमवार को हरिद्वार में हर की पौड़ी घाट स्थित गंगा के तट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हुए। इस दौरान यहां लाखों श्रद्धालुओं ने पवित्र डुबकी लगाई।

शुभेंदु अधिकारी ने लगाया पुलिस पर ऑफिस में घुसने का आरोप

कोलकाता, (एजेंसी)। प. बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी के सरकारी कार्यालय में पुलिस और रेपिड एक्शन फोर्स के जबरन घुसने के मामले पर फिर अपनी चिंता व्यक्त की है। राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने प. बंगाल के मुख्य सचिव एचके द्विवेदी से मंगलवार सुबह 11 बजे तक जवाब मांगा है।

राज्यपाल ने मुख्य सचिव से मांगी रिपोर्ट

राज्यपाल ने सोशल मीडिया पर मुख्य सचिव समेत राज्य पुलिस प्रमुख और रेपिड एक्शन फोर्स को टैग करते हुए लिखा कि, बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के नंदीग्राम स्थित उनके विधायक कार्यालय पर पुलिसबल और रेपिड एक्शन फोर्स द्वारा किसी राजनीतिक साजिश के तहत बलपूर्वक प्रवेश करना चिंता का विषय है। पुलिस की इस तरह की हरकत जैसा कि नेता प्रतिपक्ष सुभेंदु अधिकारी द्वारा बतौर सूबत पेश किए वीडियो जिनमें साफ तौर पर देखा जा सकता है कि किस प्रकार से उनके कार्यालय में जबरन घुसने की कोशिश की गई। ऐसी घटना न केवल संविधान और कानून के शासन के खिलाफ है बल्कि पुलिस और प्रशासन की लगातार राजनीतिक भूमिका को साफ दर्शाते हैं। उन्होंने आगे लिखा कि इस प्रकार की घटनाएं साबित करती हैं कि प्रदेश में विपक्ष के नेताओं, सांसदों और विधायकों को जबरन नजरबंद करने की कोशिश की जा रही है।

कराची में फिर धमाका, एक महिला की मौत, 8 जख्मी

कराची, (एजेंसी)। पाकिस्तान के कराची में एक बार फिर ब्लास्ट हुआ है। यहां एमए जिन्ना रोड पर मेमन मस्जिद के पास विस्फोट हुआ है, इसमें एक महिला की मौत हो गई, जबकि 8 लोग जख्मी हो गए। घायलों में एक पुलिसकर्मी भी शामिल है। कराची में एक हफ्ते के अंदर ये दूसरी बार ब्लास्ट हुआ है। इससे पहले कराची में 13 मई की देर रात एक बम ब्लास्ट में एक की मौत हो गई थी। जबकि 13 लोग जख्मी हो गए थे। ये ब्लास्ट कराची के सबसे व्यस्त व्यावसायिक इलाके सदर में हुआ था। पुलिस ने बताया था कि ब्लास्ट एक होटल के बाहर हुआ। विस्फोट कूड़ेदान में हुआ है। यह स्पष्ट नहीं हो सका था कि ये बम लगाया गया था या किसी अन्य कारण से विस्फोट हुआ। चश्मदीद का कहना था कि ब्लास्ट इतना भयानक था कि आसपास के अपार्टमेंट, दुकानों, कारों की खिड़कियां टूट गईं और आग लग गई। सड़क पर खड़े आठ से दस वाहनों में आग लग गई।

ईटानगर में भूस्खलन, पांच लोगों की मौत, तीन घायल

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर कैपिटल कॉम्प्लेक्स में पिछले 24 घंटों के दौरान भूस्खलन की दो अलग-अलग घटनाओं में दो महिलाओं सहित कम से कम पांच लोगों की मौत हो गयी और तीन अन्य घायल हो गये।

पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घायलों में दो की हालत गंभीर है।

पहली घटना में, रविवार रात ईटानगर के डी-सेक्टर में पंजाबी ढाबे के पीछे हुए विनाशकारी भूस्खलन में एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन ने कच्चे मकान को अपनी चपेट में ले लिया। उस घर में रह रहे नौ सदस्यीय परिवार के तीन सदस्य जिंदा दफन हो गए और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि बच्चों सहित चार अन्य बाल-बाल बच गए। बचाव दल में शामिल अग्निशमन और

आपातकालीन सेवा कर्मियों, शहर पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) तथा राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) कर्मियों ने मशीनों और स्थानीय लोगों की सहायता से एक नाबालिग लड़के सहित दो लोगों के शव बरामद किए। मृतकों की पहचान तापस राय (15) और नागेन बर्मन (50) के रूप में की गई है।

कश्मीर फाइल्स बेबुनियाद फिल्म: फारूक अब्दुल्ला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को फिर द कश्मीर फाइल्स का मुद्दा उठाया। उन्होंने फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की बात कही है। साथ ही लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा से मुलाकात की जानकारी दी है। इस दौरान दोनों के बीच राज्य की कानून व्यवस्था पर चर्चा हुई। खास बात है कि बीते सप्ताह केंद्र शासित प्रदेश में हिंसा की कई खबरें सामने आई थी।

पूर्व सीएम ने की लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा से मुलाकात

एक बातचीत में उन्होंने नजरबंदी की खबरों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हम सियासत नहीं करना चाहते थे, हम हमदर्दी करना चाहते थे। मगर हमदर्दी करने के लिए भी आप रोक रहे हैं। तो कैसे यह चलेगा, कैसे हम एक दूसरे के करीब आ सकते हैं। अगर हमें एक-दूसरे के करीब आना है तो यह नफरत खत्म करनी है। मैंने यह भी कहा कि ये जो कश्मीर फाइल्स आपने फिल्म बनवाई है। क्या यह सच है कि एक मुसलमान एक हिंदू को मारेगा और उसके बाद उसका खून जो है वो चावल में डालकर कहेगा उसकी बीवी से तुम यह खाओ, क्या हो सकता है, क्या हम इतने गिरे हुए हैं। यह फिल्म बेबुनियाद फिल्म, जिसने न सिर्फ नफरत मुल्क में पैदा की है, बल्कि यहां

लड़ाई फिर युद्ध के मैदान में तब्दील हुआ अफगानिस्तान का पंजशीर

एनआरएफ-तालिबान के बीच छिड़ी जंग

काबुल ■ एजेंसी

अफगानिस्तान में एक बार फिर तालिबान और पंजशीर के नेशनल रेसिस्टेंस फ्रंट के बीच जंग छिड़ गई है। दोनों ही तरफ के अपने-अपने दावे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पंजशीर के स्थानीय लोगों का कहना है कि इस दौरान तालिबान ने निहत्थे और निर्दोष 15 लोगों की हत्या कर दी, जो कि मानवाधिकार का उल्लंघन है। हालांकि तालिबान का कहना है कि उसने कहीं भी मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं किया है और न ही किसी की हत्या की है।

दरअसल दोनों गुटों के बीच ये लड़ाई सोमवार से नहीं, बल्कि ईद के दिन को लेकर शुरू हुई थी। अब्दुल्ला खेल घाटी में जब तब नेशनल रेसिस्टेंट फ्रंट ने पंजशीर में उसके अगले दिन ईद मनाने का ऐलान किया था। इस बात को लेकर विवाद बढ़ता गया, जिसके बाद तालिबान ने नेशनल रेसिस्टेंट फ्रंट के विद्रोह को दबाने की कोशिश की, लेकिन वो गोरिल्ला युद्ध की रणनीति से तालिबानी लड़ाकों पर छुपकर वार करते रहे और देखते ही कई तालिबानियों

तालिबान ने बड़ी फौज के साथ पंजशीर घाटी को घेरा

तालिबान ने इस घटना का बदला लेने एक बड़ी फौज के साथ पूरे पंजशीर घाटी को घेर लिया है। तालिबान पंजशीर घाटी में नेशनल रेसिस्टेंट फ्रंट के उन विद्रोहियों की तलाश कर रही है जिन्होंने तालिबानी लड़ाकों की हत्या की थी, वहीं पंजशीर के एनआरएफ के लड़ाके पहाड़ियों और जंगलों में छुप गए हैं जिसकी वजह से तालिबानी हमलावर गुस्से में वहां के स्थानीय नागरिकों को प्रताड़ित कर रहे हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक इस दौरान तालिबान ने 15 निर्दोष नागरिकों की हत्या कर दी है, ये नागरिक निहत्थे थे। तालिबान ने यहां पर मानवाधिकारों का उल्लंघन किया है। हालांकि तालिबान ऐसी किसी भी घटना से इंकार कर रहा है। जब एक स्थानीय निवासी ने मीडिया को बताया कि उसके बुजुर्ग रिश्तेदार को तालिबानी लड़ाकों ने गोली मारकर हत्या कर दी, जबकि वो बिना हथियार के थे। उसके निहत्थे बजुर्ग रिश्तेदार को समह ने गोली मार दी थी।

संयुक्त सचिव वेमुरी ने देखे छात्र-छात्राओं के सैंपल

लखनऊ, (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा प्रदेश के 14 से 35 आयुवर्ग के अल्पशिक्षित तथा स्कूल ड्रापआउट युवाओं को निःशुल्क व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यहां अल्पकालीन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे है। मिशन द्वारा यूपीएसआरएलएम से समन्वय स्थापित कर स्वयं सहायता समूहों की 16 हजार से अधिक महिला सदस्यों को सिलाई कढ़ाई में प्रशिक्षण प्रदान कर उनको सामाजिक आर्थिक रूप से सशक्त व स्वालंबी बनाने का प्रयास किया गया है।

कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त सचिव (संकल्प डिवीजन), एसएसडीई अनुराधा वेमुरी तथा वर्ल्ड बैंक के प्रतिनिधियों के द्वारा संकल्प योजना के अंतर्गत चलाए जा रहे कोर्सों की समीक्षा की गई। उनके द्वारा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में स्थित रेमंड टेलरिंग सेंटर जाकर छात्र-छात्राओं से जानकारी ली गई। उन्होंने छात्र-छात्राओं से प्रशिक्षण संबंधी जानकारी लेते हुए उनके सैंपल देखें।

पेट की गड़बडियों से कैसे बचें

–डा.वी. के गुप्ता–

हमारे स्वास्थ्य का केंद्र हमारा पेट होता है, अच्छी सेहत के लिए अच्छे पाचन तंत्र का होना आवश्यक ही नहीं अनिवार्य है। जो भोजन हमारा शरीर पचा नहीं पाता वह शरीर को फायदा पहुंचाने के बजाए नुकसान पहुंचाता है। पेट की गड़ब्रडियों का असर अन्यय तंत्रों पर ही नहीं अंगों पर भी पड़ता है इसमें हमारा हृदय, मस्तिष्क, इम्यून सिस्टम, त्वचा, भार, शरीर में हामोर्नों का स्तर आदि सम्मिलित हैं। पेट की गड़बडियों के कारण पोषक तत्वों का अवशोषण प्रभावित होने से लेकर कैंसर विकसित होने की आशंका भी बढ़ जाती है।

पेट की प्रमुख बीमारियां

जब पाचन तंत्र ठीक से काम नहीं करता तो खाने को उस रूप में परिवर्तित नहीं कर पाता जिस रूप में शरीर उसे ग्रहण कर सके। कमजोर पाचन तंत्र से शरीर का इम्यू न सिस्टीम गड़बड़ा जाता है और शरीर में विषैले तत्वों की मात्रा बढ़ जाती है, इसलिए ऐसे लोग बार-बार बीमार पड़ते हैं।

कब्ज

कब्ज यानी बड़ी आंत से शरीर के बाहर मल निकालने में कठिनाई आना। यह समस्य गंभीर होकर बड़ी आंत को अवरूद्ध कर जीवन के लिए घातक हो सकती है। कब्जा एक लक्षण है जिसके कई कारण हो सकते हैं जैसे खानपान की गलत आदतें, हार्मोन संबंधी गड़बडियां, कुछ दवाईयों के साइड इफेक्ट आदि। इसलिए इसके प्रभावकारी उपचार के लिए जरूरी है कि सबसे पहले हम इसके कारणों का पता लगाएं। एक अनुमान के अनुसार महानगरों में आरामतलबी की जिंदगी बिताने के कारण करीब 30 प्रतिशत लोगों का पेट साफ नहीं रहता। अगर लगातार तीन महीने तक कब्ज की समस्या बनी रहे तो इसे इरीटेबल बॉउल सिंड्रोम (आईबीएस) कहते हैं।

गैस की समस्या

भोजन का ठीक प्रकार से पाचन न होना गैस बनने का प्रमुख कारण है। कई लोगों के पाचन मार्ग में गैस जमा हो जाती है, कुछ लोगों को दिन में कई ऐसा बार होता है। उम्र बढने के साथ शरीर में एंजाइम का स्तकर कम हो जाता है इस कारण गैस की समस्यौ ज्याकदा बढ़ जाती है। लंबे समय तक रहने वाली गैस की समस्याा अल्ससर में बदल सकती है। जिनकी पाचन शक्ति अक्सेर खराब रहती है और जो प्रायरू कब्ज के शिकार रहते हैं, उनमें गैस की समस्या अधिक होती है।

गैस्ट्रो इसोफैगल रिफ्लक्सक डिसीज (जीईआरडी)

पेट की अंदरूनी पर्त भोजन को पचाने के लिए कई पाचक उत्पााद बनाती है, जिसमें से एक स्टभमक एसिड है। कई लोगों में लोवर इसोफैगियल स्फिं क्टार (एलईएस) ठीक से बंद नहीं होता और अक्सर खुला रह जाता है। जिससे पेट का एसिड बहकर वापस इसोफैगस में चला जाता है। इससे छाती में दर्द और तेज जलन होती है। इसे ही जीईआरडी या एसिड रिफ्लक्स कहते हैं। आम बोलचाल की भाषा में इसे एसिडिटी कहा जाता है। कई लोग पेट में सामान्य से अधिक मात्रा में एसिड स्त्रावित होने की समस्या से पीडित होते हैं जिसे जोलिंगर एलिसन सिंड्रोम कहते हैं।

गैस्ट्रोएंट्राइटिस

गैस्ट्रोएंट्राइटिस या आंत्रशोध आमतौर पर बैक्टीरिया और वाइरस का संक्रमण है। इसके कारण पेट की अंदरूनी परत में जलन होती है और वो सूज जाती है। संक्रमित व्यक्तिको दस्त और उल्टी होने लगती है। यह संक्रमण ऐसे भोजन या पानी के सेवन से होता है जो ई. कोलाई, सालमोनेला, एच. पाइलोरी, नोरो वाइरस, रोटा वाइरस आदि से संक्रमित होता है। इसे स्टमक फ्लु भी

कहा जाता है। सामान्य स्वस्थ्य व्यक्ति बिना किसी स्वास्थ्य जटिलता के कुछ ही दिनों में इससे ठीक हो जाता है। लेकिन बच्चे, बुजूर्ग और ऐसे व्यस्क जिनका इम्यून तंत्र कमजोर होता है गैसेट्रोएंट्राइटिस उनके लिए घातक हो सकता है।

पेट फूलना

पेट गैस या बड़ी आंत के कैंसर या हार्निया के कारण भी फूल सकता है। ज्याफदा वसायुक्त भोजन करने से पेट देर से खाली होता है इससे भी पेट फूल जाता है और बेचैनी होती है। किसी अंग का आकार बढने से भी पेट फूल सकता है।

कोलाइटिस

कोलाइटिस में बड़ी या छोटी आंत में छाले पड़ जाते हैं और कुछ भी खाने पर जलन होती है। इस जलन को शांत करने के लिए और खाना खाना या बार-बार ठंडा पानी पीना पड़ता है। कभी-कभी अल्सर के छाले फट जाते हैं, जिससे मल के साथ रक्त निकलता है। छाले फटने से कभी-कभी क्लॉट बन जाते हैं, इससे मल में बहुत तेज दुर्गंध आती है। कोलाइटिस, के कारण बड़ी आंत में सूजन भी आ जाती है।

डायरिया

डायरिया पाचन मार्ग के संक्रमण या आंतों की बीमारियों का एक लक्षण है। इसमें बड़ी आंत में मौजूद खाने से तरल पदार्थ अवशोषित नहीं हो पाते या अतिरिक्त तरल बड़ी आंत में पहुंच जाते हैं जिससे मल अत्यधिक पतला हो जाता है। इसमें एक दिन में तीन या अधिक बार पतले दस्त होते हैं। गंभीर डायरिया के कारण शरीर में फ्ल्युड की कमी हो जाती है और यह स्थिति जीवन के लिए घातक हो सकती है विशेषकर छोटे बच्चों और उन लोगों में जो कुपोषण के शिकार हैं या जिनका रोग प्रतिरोधक तंत्र कमजोर है।

बातों का रखें ध्यान

अधिक तला-भुना और मसालेदार भोजन न करें।

तनाव भी कब्ज- का एक प्रमुख कारण है इसलिए तनाव से दूर रहने की हर संभव कोशिश करें।

शारीरिक रूप से सक्रिय रहें। नियमित रूप से एक्सिरसाइज और योग करें।

कब्ज पेट में गैस बनने का एक कारण है जितने लंबे समय तक भोजन बड़ी आंत में रहेगा उतनी मात्रा में गैस बनेगी।

खाने को धीरे-धीरे और चबाकर खाएं। दिन में तीन बार मेगा मील खाने की बचाए कुछ-कुछ घंटों के अंतराल पर मिनी मील खाएं।

खाने के तुरंत बाद न सोएं। थोड़ी देर टहलें। इससे पाचन भी ठीक होगा और पेट भी नहीं फूलेगा।

अपनी बॉयोलाजिकल घड़ी को दुरस्ती रखने के लिए एक निश्चि त समय पर खाना खाएं।

मौसमी फल और सब्जियों का सेवन करें।

चाय, कॉफी और काबोर्नेटेड सॉफ्ट ड्रिंक का इस्तेमाल कम करें।

जंक फूड और स्ट्रीट फूड न खाएं।

संतुलित भोजन करें।

धूम्रपान और शराब से दूर रहें।

अपने भोजन में अधिक से अधिक रेशेदार भोजन को शामिल करें।

प्रतिदिन सुबह एक गिलास गुनगुने पानी का सेवन करें।

सर्वागसन, उत्तानपादासन, भुजंगासन जैसे योगासन करने से पाचन संबंधी विकार दूर होते हैं और पाचन तंत्र मजबूत होता है।

(डा.वी. के गुप्ता, प्रधान सलाहकार और गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल,शालीमार बाग, नई दिल्ली)

नया स्मार्टफोन लेने पर सबसे पहले करें ये 7 जरूरी काम

अगर आपने नया स्मार्टफोन खरीदा है और आप अपने स्मार्टफोन को और ज्यादा काम का बनाना चाहते हैं तो आपको इन बातों के बारे में पता होना चाहिए। नया स्मार्टफोन लेते ही सबसे पहले ये काम करें ताकि आपका स्मार्टफोन एक्स्पीरियंस और अधिक 'स्मार्ट' हो जाए।

पासवर्ड सेट करें

फोन लेते ही सबसे पहले आप फोन को सिक्यॉर करें। इसके लिए आजकल स्मार्टफोन्स में कई तरीके होते हैं। फिंगर प्रिंट, पासवर्ड, पैटर्न लॉक और फेस रिकॉग्नाइजेशन जैसे तरीकों में से आप किसी का भी उपयोग कर सकते हैं।

फोन फाइंडर ऐप इंस्टॉल करें

नया फोन लेते ही एक फोन फाइंडर ऐप इंस्टॉल करें। प्लेस्टोर पर कई ऐप्स मौजूद हैं जो फोन चोरी होने पर आपके फोन की लोकेशन बताने, डेटा मिटाने और फोन लॉक करने के काम आते हैं। ऐंड्रॉयड के लिए फाइंड माय डिवाइस नाम का ऐप गूगल ने बनाया है। यह आपके लिए काफी काम का हो सकता है।

कैमरा सेट कर लें

कई लोग सिर्फ फटॉग्रफी के लिए ही फोन खरीदते हैं। अगर आप भी उनमें से ही एक हैं तो सबसे पहले अपने फोन के कैमरा ऐप को सेट कर लें। कैमरा ऐप में कई फीचर्स होते हैं जिनका उपयोग करके आप फटॉग्रफी को और अधिक अच्छी बना सकते हैं। कैमरा ऐप में कई फिल्टर, मोड्स, फ्लैश, टाइमर जैसे फीचर्स होते हैं। इन सबको आप जरूरत के हिसाब से अजस्ट कर लें। ऐसा करने के बाद आपका फटॉग्रफी अनुभव और अच्छा हो जाएगा।

होम स्क्रीन कस्टमाइज करें

फोन खरीदते ही अपनी होम स्क्रीन कस्टमाइज करें। वॉलपेपर, कलर, आइकन्स को अपने हिसाब से अजस्ट करें। उसे अपने हिसाब से बनाएं ताकि आपको फोन चलाने में आसानी हो। जहां तक हो सके फोन के ज्यादा काम आने वाले ऐप्स को पहली मेन्यू स्लाइड पर रखें।

बैकअप की व्यवस्था

फोन खरीदते ही बैकअप फीचर को ऑन कर लें। कोई भी घटना बता कर नहीं होती है। फोन खोने पर पैसों के साथ डेटा खोना भी एक बड़ा नुकसान है। इससे बचने के लिए आप बैकअप चालू कर लें। आजकल कई तरह के ऑनलाइन स्टोरेज होते हैं। यहां पर आप अपना बैकअप ले सकते हैं और फिर जब चाहें उसे नए फोन में रीस्टोर कर सकते हैं।

बैटरी को भी समझें

फोन में बैटरी के उपयोग को समझना भी बहुत काम का है। आपके फोन का कौनसा ऐप कितनी बैटरी उपयोग कर रहा है, यह समझना आपके लिए जरूरी है। इससे आपको पता चल जाएगा कि किस ऐप को बैकग्राउंड में बंद करके आप बैटरी लाइफ बढ़ा सकते हैं। आजकल स्मार्टफोन्स में इसके लिए पावर सेविंग मोड फीचर भी आता है। आप फोन की सेटिंग में जाकर पावर सेविंग मोड को चालू या बंद कर सकते हैं। एक बार इतना समझ जाएंगे तो फिर आपको चार्जर साथ लेकर घूमने की जरूरत नहीं होगी।

डेटा सेटिंग

बैटरी के साथ-साथ डेटा के इस्तेमाल को भी समझें। फोन के कई ऐप्स बैकग्राउंड में चलते रहते हैं जिसके कारण डेटा यूज होता रहता है। ऐसे में कई बार लिमिट से अधिक डेटा खर्च करने के कारण आपको दिक्कत हो सकती है। इसके लिए जरूरी है कि आप सेटिंग में जाकर अपने हिसाब से बैकग्राउंड में चलने वाले ऐप्स की सेटिंग सही कर लें।

कुर्ता ही नहीं इन पर भी दें ध्यान

सिर्फ अच्छा कुरता पहन लेने भर से बात नहीं बनेगी। आकर्षक दिखने के लिए आपको अपने बॉटम वियर पर भी उतना ही ध्यान देना पड़ेगा। कैसे अपने लिए सबसे सही बॉटम वियर का करें चुनाव, बता रही हैं सरिता सिंह

मौसम का मिजाज फिर से धीरे-धीरे बदलता दिख रहा है। हालांकि अभी भी सुबह-शाम ठंड है, लेकिन दिन का मौसम अब शॉल, जैकेट या भारी-भरकम स्टेवर का नहीं रहा। आने वाले दिनों में जब सुबह-शाम की ठंड भी धीरे-धीरे जाने लगेगी, तो एक बार फिर मौका आएगा वॉर्डरोब में रखे नये सीजन के कपड़ों को बाहर निकालने का। जाहिर है, आप अपनी शॉर्ट या लॉन्ग स्कर्ट को बहुत मिस कर रही होंगी। या आपकी रंग-बिरंगी कुलॉट्स, जिसका बिंदासपन और नरम कॉटन का एहसास आपको बेहद पसंद है, बहुत याद आ रही होगी। ऑफिस और पार्टीज में पहने जाने वाली फिटेड सिगरेट पैंट्स और प्लीट्स वाली ट्यूलिप पैंट्स को भी अलमारी में आराम किए बहुत दिन हो गये हैं। तो इन तमाम तरह के बॉटम वियर के साथ-साथ आज क्यों ना कुछ अन्य विकल्पों के बारे में भी बात करें।

पलाजो की छोटी बहन कुलॉट्स

जाती हुई सर्दी और आने वाली गर्मियों के बीच के मौसम के लिए कुलॉट्स एक शानदार विकल्प है, जो देखने और फिटिंग आदि के मामले में काफी हद तक पलाजो की छोटी बहन लगती है। हां, पलाजो के मुकाबले इसकी लंबाई थोड़ी कम होती है। दरअसल, कुलॉट्स टखनों से थोड़ी ऊंची और घुटने से थोड़ी नीची होती है, जो कई मायनों में कारगो पैंट्स की तरह भी लगती है। लेकिन यह सॉफ्ट कॉटन, लिनेन आदि जैसे नरम स्टफ से बनती है, इसलिए इसे एक रफ परिधान के बजाए एथनिक लुक ड्रेस कहा जाता है। कमर से जांघों तक हल्की कसी हुई होने की वजह से इसका लुक थोड़ा पलाजो से मिलता है। कई तरह के प्रिंट्स व रंगों में आने वाली कुलॉट्स को एक रोचक प्रिंटेड टी-शर्ट, कलरफुट प्रिंटेड टॉप आदि के साथ पहना जा सकता है।

स्टाइलिश है सलवार भी

आराम और स्टाइल के मामले में देसी सलवार भी किसी से पीछे नहीं है। फिर चाहे वह साधारण स्टाइल की सलवार हो या पटियाला स्टाइल की सलवार, दोनों हर उम्र की महिलाओं की पहली पसंद हैं। सिंपल सलवार लंबे कुरतों के साथ बहुत खूबसूरत लगती है और बहुत सारी चुन्नटों वाली पटियाला सलवार के साथ शॉर्ट कुर्तियां बहुत स्टाइलिश लगती हैं। किसी त्योहार या उत्सव के मौके पर तथा शादी-ब्याह में जहां चुन्नी वाला सलवार सूट एक परंपरागत लुक देता है, वहीं लॉन्ग टी-शर्ट के साथ यह सलवार दोस्तों के साथ आउटिंग पर जाने के लिए बेस्ट आउटफिट मानी जाती है।

नहीं थम रहा पलाजो का क्रेज

लोअर वियर के रूप में पलाजो एक ऐसा स्टाइल है, जो बीते काफी समय से ट्रेंड में बना हुआ है। चाहे एथनिक कुर्ती हो या स्टाइलिश टॉप, पलाजो पैंट्स सबके साथ बखूबी मैच करती हैं। रोजमर्रा के लिए जहां सॉलिड कलर्स के पलाजो अच्छे लगते हैं, वहीं पार्टीज वगैरह के लिए अलग-अलग प्रिंट्स में आने वाले पलाजो ज्यादा बेहतर रहते हैं। पलाजो के साथ खुले पैरों वाले फ्लैट्स और कोल्हापुरी चप्पल बहुत फबती हैं।

सिगरेट पैंट्स और लेगिंग्स ने लूटा है सबका दिल

यह दोनों ही लोअर्स के ऐसे स्टाइल हैं, जो मौजूदा समय में सबसे ज्यादा ट्रेंड में हैं। लेगिंग्स तो आज इस कदर ट्रेंडी हो गयी है कि लड़कियां जींस के बजाय अब लैगिंग्स को ज्यादा पसंद करने लगी हैं। इन्हें कुरते, टॉप, टी-शर्ट आदि के साथ बड़ी खूबसूरती के साथ मैच करके पहना जा सकता है। सिगरेट पैंट्स थोड़ा फॉर्मल लुक लिये होती है, जो कमर की खूबसूरती निखारते हुए टांगों को लंबा और पतला दिखाने का काम करती हैं।

रंग जमा दे धोती और ट्यूलिप पैंट्स

विभिन्न फैब्रिक्स में मिलने वाली धोती पैन्ट्स, कमर से थोड़ी खुली होती हैं और टखनों तक जाते-जाते थोड़ी तंग हो जाती हैं। इन्हीं से मिलती-जुलती होती है ट्यूलिप पैंट्स, लेकिन इनमें कमर पर बहुत सारी चुन्नटें होती है। यह दोनों ही लोअर्स पहनने में बेहद आरामदायक व स्टाइलिश होते हैं।

काम आएंगे ये टिप्स

अपनी कद-काठी के हिसाब से ही लोअर का चुनाव करें। यदि हाइट छोटी है तो सिंपल सलवार पहनें, पटियाला सलवार लंबे कद पर ज्यादा अच्छी लगती है। पलाजो लगभग सभी कद-काठी की महिलाओं पर फबते हैं, लेकिन कुलॉट्स थोड़ी लंबी महिलाओं पर अच्छे लगते हैं। यदि शरीर भारी है, तो लैंगिंग टॉप के साथ ना पहनकर उसे लंबे कुर्ते के साथ पहनें। ट्यूलिप और धोती पैंट्स सभी महिलाओं पर सूट करती हैं।

लॉन्ग स्कर्ट

लॉन्ग स्कर्ट की बात ही कुछ और है। और जब से लॉन्ग स्कर्ट में प्रिंट्स, स्टफ, स्टाइल आदि को लेकर कई तरह के विकल्प मिलने लगे हैं, तब से यह हर युवती और महिला की वॉर्डरोब का एक अहम हिस्सा-सा बन गयी है। एथनिक लुक से लबरेज लॉन्ग स्कर्ट्स की सबसे खास बात यह भी होती है कि यह पारंपरिक के साथ-साथ मॉडर्न लुक का फ्यूजन लिये होती है। क्रॉप टॉप, टी-शर्ट्स या फिर पारंपरिक कुर्तियों के साथ ये लॉन्ग स्कर्ट्स बहुत खूबसूरत लगती हैं।

पंजाब किंग्स को 17 रनों से हराकर बरकरार रखी प्लेऑफ की उम्मीदें

आईपीएलः मार्श और ठाकुर ने दिल्ली को दिलाई जीत

मुंबई (एजेंसी)। मिचेल मार्श (63) के शानदार अर्धशतक और मैन ऑफ द मैच शार्दुल ठाकुर (28 रन पर चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी से दिल्ली कैपिटल्स ने पंजाब किंग्स को आईपीएल मुकाबले में सोमवार को 17 रनों से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को कायम रखा। इसकी के साथ दिल्ली अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं

दिल्ली ने 20 ओवर में सात विकेट पर 159 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने के बाद पंजाब को 20 ओवर नौ विकेट पर 142 रनों पर रोक दिया। दिल्ली की 13 मैचों में यह सातवीं जीत है और उसके 14 अंक हो गए हैं जबकि पंजाब 13 मैचों में सातवीं हार के बाद 12 अंकों पर है और उसकी उम्मीद समाप्त हो चुकी है। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली की शुरुआत खराब रही और उसने लिविंग्स्टोन की पारी की पहली गेंद पर अपने डेविड वार्नर को गंवा दिया। लिविंग्स्टन ने बाद में दिल्ली के कप्तान पंत और पॉवेल को भी पवेलियन का रास्ता दिखाया। लिविंग्स्टन ने चार ओवर मेंतीन विकेट झटके। मार्श ने एक छोर संभाल कर खेलते हुए 63 रन बनाए। सरफराज ने 32 रन, ललित यादव ने 24 रन औ अक्षर ने नाबाद 17 रन बनाए। पंजाब के लिए अर्शदीप सिंह ने तीन विकेट लिए।

दिल्ली की घातक गेंदबाजी

लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की तरफ से जीतेन्द्र शर्मा ने सर्वाधिक 44 रन बनाए। इसके बलावा बेयरस्टो ने 28, धवन ने 19 और राहुल चाहर ने नाबाद 25 रन बनाए। दिल्ली की तरफ से शार्दुल ठाकुर के चार विकेटों के अलावा अक्षर पटेल और कुलदीप यादव ने दो-दो विकेट लिए। इस जीत के साथ दिल्ली अब 14 अकों तक पहुंच गई है और इनका नेट रन रेट भी अच्छा हो गया है। फिलहाल दिल्ली अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गयी है । उनके पास अभी एक और मैच है। अगर वह जीत जाते हैं तो प्ले ऑफ में उनका टिकट लगभग तय हो जाएगा।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4/6
वॉर्नर कै. चाहर बो. लिविंगस्टोन	00	01	0/0
सरफराज कै. चाहर बो. अर्शदीप	32	16	5/1
मिचेल मार्श कै. ऋषि बो. रबाडा	63	48	4/3
ललित कै. राजापक्षा बो. अर्शदीप	24	21	1/1
पंत कै. जितेश बो. लिविंगस्टोन	07	03	0/1
पॉवेल कै. धवन बो. लिविंगस्टोन	02	06	0/0
अक्षर पटेल नाबाद	17	20	2/0
शार्दुल कै. हरप्रीत बो. अर्शदीप	03	04	0/0
कुलदीप यादव नाबाद	02	02	0/0

अतिरिक्तः 9 कुलः 20 ओवर में सात विकेट पर 159 रन **विकेट पतनः** 1-0, 2-51, 3-98, 4-107, 5-112, 6-149, 7-154, **गेंदबाजीः** लिविंगस्टोन 4-0-27-3, कैगिसो रबाडा 3-0-24-1, हरप्रीत बराड़ 3-0-29-0, ऋषि धवन 2-0-17-0, अर्शदीप सिंह 4-0-37-3, राहुल चाहर 4-0-19-0,

पंजाब किंग्स	रन	गेंद	4/6
बेयरस्टो कै. अक्षर बो. नोर्त्जे	28	15	4/1
शिखर धवन कै. पंत बो. शार्दुल	19	16	3/0
राजापक्षा कै. नोर्त्जे बो. शार्दुल	04	05	1/0
लिविंगस्टोन कै. पंत बो. कुलदीप	03	05	0/0
मयंक अग्रवाल बो. अक्षर	00	02	0/0
जितेश शर्मा कै. वॉर्नर बो. शार्दुल	44	34	3/2
हरप्रीत बराड़ बो. कुलदीप	01	02	0/0
ऋषि धवन बो. अक्षर	04	13	0/0
राहुल चाहर नाबाद	25	24	2/1
रबाडा कै. पॉवेल बो. शार्दुल	06	02	0/1
अर्शदीप सिंह नाबाद	02	03	0/0

अतिरिक्तः 6 कुलः 20 ओवर में नौ विकेट पर 142 रन **विकेट पतनः** 1-38, 2-53, 3-54, 4-55, 5-61, 6-67, 7-82, 8-123, 9-131 **गेंदबाजीः** खलील अहमद 4-0-43-0, नोर्त्जे 4-0-29-1, ललित यादव 1-0-6-0, शार्दुल ठाकुर 4-0-36-4, अक्षर पटेल 4-0-14-2, कुलदीप यादव 3-0-14-2,

100 विकेट और 1000 से ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे भारतीय बने अक्षर पटेल

अक्षर पटेल ने मयंक को शून्य पर बोल्ड कर आईपीएल में विकेटों का शतक पूरा कर किया। अक्षर पटेल अब आईपीएल में 100 विकेट और 1000 से ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे भारतीय और कुल चौथे खिलाड़ी बने। अक्षर पटेल से पहले यह कारनाम चेन्नई के रविंद्र जडेजा व ड्वेन ब्रावो और कोलकाता सुनील नरेन ऐसा कर चुके हैं। अक्षर पटेल आईपीएल में 100 विकेट लेने वाले 7वें स्पिनर बने हैं, उनसे पहले अमित मिश्रा (166), युजवेंद्र चहल (163), पीयूष चावला (157), रविचंद्रन अश्विन (155), हरभजन सिंह (150), रवींद्र जडेजा (132) ऐसा कर चुके हैं। दिल्ली के अजिंक्या रहाणे चोट के कारण आईपीएल 2022 से बाहर हो गए।

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	टीम	रन
बटलर	राजस्थान	627
केएल राहुल	लखनऊ	469
डेविड वॉर्नर	दिल्ली	427
शिखर धवन	पंजाब	421

पर्पल कैप

खिलाड़ी	टीम	विकेट
युजवेंद्र चहल	राजस्थान	24
हसरंगा	बेंगलुरु	23
कगिसो रबाडा	पंजाब	22
कुलदीप यादव	दिल्ली	20

आईपीएल 2022 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
गुजरात	13	10	03	20	0.391
राजस्थान	13	08	05	16	0.304
लखनऊ	13	08	05	16	0.262
दिल्ली	13	07	06	14	0.255
बेंगलुरु	13	07	06	14	-0.323
कोलकाता	13	06	07	12	0.160
पंजाब	13	06	07	12	-0.043
हैदराबाद	12	05	07	10	-0.270
चेन्नई	13	04	09	08	-0.206
मुंबई	12	03	09	06	-0.613

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंची निकहत, परवीन और मनीषा

तीनों खिलाड़ियों को पदक मिलना तय

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज निकहत जरीन, परवीन और मनीषा ने सोमवार को इस्तांबुल में अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज करने के बाद आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के 12वें संस्करण के सेमीफाइनल में पहुंचकर अपने लिए कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया है।

सेमीफाइनल में जगह बनाने के साथ अपने पहले विश्व चैंपियनशिप पदक की पुष्टि करने के लिए निकहत ने इंग्लैंड की चार्ली-सियान टेलर डेविसन के खिलाफ 5-0 से शानदार जीत हासिल की जबकि मनीषा ने 57 किग्रा भार वर्ग के क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया की नामुन मोनखोर को 4-1 के अंतर से हराया। परवीन (63) ने ताजिकिस्तान की शोइरा जुलक़ायनारोवा को 5-0 से हराया। तेलंगाना की 25 वर्षीय मुक्केबाज निकहत ने एक बार फिर अपना तकनीकी वर्चस्व दिखाते हुए इस साल के टूर्नामेंट में 52 किग्रा भार वर्ग के क्वॉर्टर फाइनल में प्रभावशाली जीत के साथ देश को पहला पदक दिलाया। निकहत के आक्रामक इरादे और साफ-सुथरे हमले ने डेविसन के लिए कोई मौका नहीं छोड़ा। पूरे मुकाबले के दौरान भारतीय खिलाड़ी नियंत्रण में दिखीं। सेमीफाइनल में निकहत का सामना ब्राजील की कैरोलिन डी अल्मेडा से होगा। डी अल्मेडा ने 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक आयरलैंड के कार्ली मैकनौल को एकतरफा अंदाज में हराया। इसी तरह मनीषा का सामना इटली की इरमा टेस्टा से होगा, जिन्होंने एक अन्य क्वॉर्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की सितोरा तुर्दीबेकोवा को 4-1 से हराया। अनामिका (50) को क्वार्टर फाइनल में रियो ओलंपिक

में कांस्य पदक जीतने वाली कोलंबिया की इंगरिट वेलेंसिया से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा जबकि दो बार की एशियाई चैंपियन पूजा रानी (81) को अपने अंतिम-8 मैच में ऑस्ट्रेलिया की जेसिका बागले से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा।

नीतू को मिली हार

दूसरी ओर, एक अन्य भारतीय मुक्केबाज नीतू विश्व चैंपियनशिप में अपनी पहली उपस्थिति में पदक हासिल करने से कुछ ही दूर रह गईं। नीतू ने कजाकिस्तान की मौजूदा एशियाई चैंपियन अलुआ बाल्किबेकोवा के खिलाफ अपनी क्षमता तक जाकर पूरी कोशिश की, लेकिन 48 किग्रा के क्वार्टर फाइनल में वह 2-3 से हार गईं। इस इवेंट के सेमीफाइनल मुकाबले बुधवार को होंगे जबकि फाइनल गुरुवार और शुक्रवार को खेले जाएंगे।

अजमल क्लब की शानदार जीत

नयी दिल्ली। राजधानी के अंबेडकर स्टेडियम में खेले गए ए डिवीजन लीग के एक रोमांचक मुकाबले में अजमल क्लब ने यंगस्टर क्लब को 3-1 से परास्त कर पूरे अंक अर्जित किए।

एक गोल की बढ़त लेने के बाद यंगस्टर के खिलाड़ियों का ढीला प्रदर्शन आत्मघाती साबित हुआ, जिसका फायदा उठा कर अजमल ने नितिन के दो शानदार गोलों से बढत बनाई। अमन ने एक गोल किया। विजेता के लिए विष्णु, यथार्थ और स्कूली छात्र निशांत शाह ने जीत में बड़ी भूमिका निभाई।

एसी मिलान की जीत में लियो और हर्नाडेज चमके

सीरी ए खिताब जीतने से सिर्फ एक अंक दूर

रोम। एसी मिलान ने सीरी ए खिताब में अटलंता को 2-0 से हरा दिया। मिलान को सीजन के अपने आखिरी मैच में लीग जीतने के लिए सिर्फ एक अंक की जरूरत है। घरेलू मैदान पर अटलंता के खिलाफ मिलान की आखिरी जीत 2014 में हुई थी, जिसमें उन्हें चार ड्रॉ और तीन हार का सामना करना पड़ा।

मिलान के राफेल लियो ने 56वें मिनट में एक गोल किया, जिससे टीम को एक अंक से बढ़त बनाने में मदद मिली। वहीं, थियो हर्नांडेज ने 75वें मिनट में गोल किया, जिससे टीम को एक अंक से और बढ़त मिली। टीम ने 2-0 से अटलंता को हरा दिया। खिताब विजेताओं का फैसला अंतिम दौर में किया जाएगा क्योंकि एसी मिलान अब ससुओलो का दौरा करेंगे, जबकि

इंटर मिलान मेजबान सम्पदोरिया का दौरा करेंगे। नेपोली ने जेनोआ को 3-0 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। लोरेंजो इंसिग्ने ने डिएगो अरमांडो माराडोना स्टेडियम में अपने आखिरी मैच में नेपोली टीम को अलविदा कह दिया। जबकि जेनोआ 15 साल बाद सीरी बी में उतरने के लिए वेनेजिया को फॉलो करेगी।

सेविला ने चैंपियन्स लीग में जगह बनाईः मैड्रिड। यूसुफ अल नेसरी अंतिम क्षणों में दागे गए गोल की मदद से सेविला ने एटलेटिको मैड्रिड से 1-1 से ड्रॉ खेलकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में चौथे स्थान पर रहकर चैंपियन्स लीग में जगह बनाई। बार्सिलोना ने भी गेटाफे से गोलरहित ड्रॉ खेलकर चैंपियन रीयाल मैड्रिड के बाद अपना दूसरा स्थान पक्का किया। इससे उसने सऊदी अरब में होने वाले स्पेनिश सुपर कप में भी अपनी जगह सुरक्षित की। यूसुफ अल नेसरी के 85वें मिनट में हेडर पर किये गये गोल से सेविला ने लगातार तीसरे साल यूरोप के शीर्ष क्लब टूर्नामेंट में जगह बनायी। एटलेटिको मैड्रिड तीसरे स्थान पर रहने के कारण पहले ही चैंपियन्स लीग में अपना स्थान पक्का कर चुका था।

नोवाक जोकोविच छठी बार बने इटालियन ओपन चैंपियन

रोम। विश्व रैंकिंग में नबंर वन टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने रविवार को इटली ओपन के फाइनल में स्टेफानोस सितसिपास को 6-0, 7-6 से हराकर छठी बार खिताब अपने नाम किया। जोकोविच ने इसी के साथ फ्रेंच ओपन से पहले शानदार लय में होने का सबूत दिया। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दौरान टीकाकरण विवाद के कारण सत्र के शुरुआत में ज्यादातर समय तक मैदान से बाहर रहे जोकोविच ने इस टूर्नामेंट में अपना दबदबा कायम किया। उन्होंने इससे पहले सेमीफाइनल में कास्पर रूड को सीधे सेटों में हराकर इटली ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई थी।

थाईलैंड ओपन से हटे सात्विक-चिरागे

बैंकॉक। थॉमस कप में भारत की एतिहासिक खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाने वाली सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार युगल जोड़ी मंगलवार से शुरू हो रहे थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट से हट गई है। पता चला है कि चिराग को टूर्नामेंट के दौरान हल्की चोट लगी और इस जोड़ी ने बीएआई को टूर्नामेंट से हटने के अपने फैसले के बारे में बताया। दुनिया की आठवें नंबर की सात्विक और चिराग की जोड़ी ने थॉमस कप में सिर्फ एक मैच चीनी ताइपे की जोड़ी के खिलाफ गंवाया और मलेशिया तथा डेनमार्क के खिलाफ क्रमशः क्वॉर्टर फाइनल और सेमीफाइनल में शुरुआती मुकाबले हारने के बाद इस जोड़ी ने भारत को वापसी दिलाई।

सिफ्ट कौर समरा ने जूनियर विश्व कप में भारत के लिए जीता 10वां स्वर्ण

नई दिल्ली। सिफ्ट कौर समरा ने रविवार देर शाम महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (3पी) में स्वर्ण पदक जीतकर जर्मनी के सुहल में आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में भारत के लिए 10वां स्वर्ण पदक जीता।

भारतीय निशानेबाजों ने सोमवार को अधिक पदक हासिल करना जारी रखा क्योंकि पुरुषों की 3पी टीम ने रजत और अनीश और विजयवीर सिद्धू ने पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में क्रमशः रजत और कांस्य जीता। साथ ही महिला 3पी टीम ने भी सोमवार को बाद में कांस्य के लिए लड़ने की तैयारी की। भारत के पास अब दुनिया की प्रमुख जूनियर निशानेबाजी चैंपियनशिप के कुल 25 पदकों के लिए 10 स्वर्ण के अलावा 12 रजत और तीन कांस्य पदक हैं और वह चार स्वर्ण और तीन कांस्य पदक के साथ दूसरे स्थान पर काबिज इटालियंस के साथ शीर्ष पर है। सिफ्ट कौर समरा ने रविवार को स्वर्ण पदक मुकाबले में नॉर्वे की जूली जोहानसन को 17-9 से हराकर भारत की स्वर्ण तालिका को दोहरे अंक में पहुंचा दिया। भारत की आशी चौकसे ने भी इस स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

बच्चे के जन्म के बाद भारत लौटे हेटमायर

आईपीएल में चेन्नई के खिलाफ मैच में रहेंगे उपलब्ध

मुंबई। राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज शिमरॉन हेटमायर कैंप में वापसी कर चुके हैं और वह 20 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अपनी टीम के आखिरी लीग मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे।

वह आठ मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के बाद अपने नवजात बच्चे को देखने गयाना चले गए थे।माना जा रहा है कि हेटमायर अभी क्वारंटाइन में हैं और वह शुक्रवार के मैच से पहले दल से जुड़कर अभ्यास करने लगेंगे। 8.5 करोड़ रुपये में खरीदे गए हेटमायर ने इस सीजन में अपनी टीम के लिए फिनिशर की भूमिका को बखूबी निभाया है। बाएं हाथ के इस कैरेबियन बल्लेबाज ने 11 पारियों में सात बार नाबाद रहते हुए लगभग 72 के औसत से 291 रन बनाए हैं। डेथ ओवरों में उनका स्ट्राइक रेट 214.27 है, जो कि इस सीजन में पांचवां सर्वाधिक है। उनके इस प्रदर्शन से ही उनको वेस्टइंडीज टीम के नीदरलैंड्स और पाकिस्तान के दौरे पर चुना जाना था, लेकिन उन्होंने अपने आपको बच्चे के जन्म के कारण अनुपलब्ध करार दिया। हालांकि वह आईपीएल के लिए वापसी कर रहे हैं।

राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय महिला कुश्ती टीम घोषित

लखनऊ। इंग्लैंड के बर्मिंघम में होने वाले 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए वरिष्ठ महिला कुश्ती टीम का चयन सोमवार को किया गया। 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए पूजा गेहलोत को 50 किलो श्रेणी में, विनेश फोगाट को 53 किलो श्रेणी में, अंशू हो 57 किलो श्रेणी में, साक्षी मलिक को 62 किलो श्रेणी में, दिव्या काकरान को 68 किलो श्रेणी में और पूजा को 76 किलो श्रेणी में चुना गया है। 2022 राष्ट्रमंडल खेल 28 जुलाई से आठ अगस्त के बीच आयोजित किए जाएंगे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 से बाहर रह सकते हैं कोहली, रोहित

कोलकाता। आईपीएल 2022 के ठीक बाद दक्षिण अफ्रीका नौ जून से 19 जून के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिये भारत का दौरा करेगी। साथ ही भारत 16 जून को इंग्लैंड दौरे के लिये भी रवाना होगा। ऐसे में मुमकिन है कि चेतन शर्मा की चयन समिति दोनों सीरीज के लिये दो अलग-अलग टीमों का चयन करे।

क्रिकबज के अनुसार विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, रिषभ पंत, केएल राहुल, मोहम्मद शमी, रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा और चेतेश्वर पुजारा को इंग्लैंड दौरे में शामिल किया जाएगा जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इन्हें आराम दिया जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले पांच टी20 मुकाबलों में आईपीएल में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को जगह दी जा सकती है। शिखर धवन की कप्तानी में तिलक वर्मा, उमरान मलिक और अर्शदीप सिंह टीम में जगह बना सकते हैं। चयनकताओं की बैठक से पहले आईपीएल में चोटिल हुए सूर्यकुमार यादव के स्वास्थ्य का भी जायजा लिया जाएगा।

यह कयास भी लगाये जा रहे हैं कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 खेलने वाली टीम 26 और 28 जून को होने वाले टी20 मुकाबलों के लिये आयरलैंड का दौरा करेगी, जबकि वरिष्ठ खिलाड़ी इंग्लैंड दौरे में व्यस्त होंगे।

बीसीसीआई ने की महिला चैलेंज टी20 मैचों के कार्यक्रम और दल की घोषणा

हरमनप्रीत, मंधाना और दीप्ति संभालेंगी कप्तानी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल प्लेऑफ मैचों के दौरान होने वाले महिला चैलेंज टी20 मैचों के कार्यक्रम और दल की घोषणा कर दी है। दीप्ति शर्मा को मिताली राज की जगह वेलॉसिटी टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि हरमनप्रीत कौर और स्मृति मंधाना क्रमशः सुपरनोवाज और ट्रेलब्लेजर्स की कप्तान बनी रहेंगी। यह टूर्नामेंट 23 से 28 मई के बीच पुणे में होगा, जिसमें फाइनल सहित कुल चार मैच होंगे। रेलवे की टी20 कप्तान स्नेह राणा को वेलॉसिटी टीम का उपकप्तान बनाया गया है। इस साल हुए राष्ट्रीय महिला टी20 टूर्नामेंट में मिताली राज भी रेलवे दल की सदस्य थीं, लेकिन उन्होंने खेलने की बजाय खिलाड़ियों को मेंटोर

करना पसंद किया। वहीं एक और सीनियर खिलाड़ी झूलन गोस्वामी भी इस टूर्नामेंट में खेलती हुई नहीं दिखाई देंगी। इस टूर्नामेंट में कुल 12 विदेशी खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे। इस दौरान श्रीलंका की महिला टीम पाकिस्तान का दौरा करेगी, इसका मतलब यह है कि श्रीलंकाई सुपरस्टार चामरी अट्टापट्टू इस टूर्नामेंट में खेलती हुई नहीं दिखाई देंगी।

महिला चैलेंज टी20 मैचों के दल

सुपरनोवाजः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), तानिया भाटिया (उप-कप्तान), अलाना किंग, आयुष सोनी, चंदू वी, डिएंड्रा डॉटिन, हरलीन देओल, मेघना सिंह, मोनिका पटेल, मुस्कान मलिक, पूजा वस्त्रकर, प्रिया पूनिया, राशि कन्नौजिया, सोफी एकलस्टन, सुने लूस, मानसी जोशी।

ट्रेलब्लेजर्सः स्मृति मंधाना (कप्तान), पूनम यादव (उप-कप्तान), अरुंधति रेड्डी, हेली मैथ्यूज, जेमिमा रॉड्रिग्स, प्रियंका प्रियदर्शिनी, राजेश्वरी गायकवाड़, रेणुका सिंह, ऋचा घोष, एस मेघना, सलमा खातून, शरमिन अख्तर, सोफिया डंकली, सुजाता मलिक, श्रद्धा पोखरकर।

वेलॉसिटीः दीप्ति शर्मा (कप्तान), स्नेह राणा (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, अयाबोंगा खाका, किरण नवगिरी, केट क्रॉस, कीर्ति जेम्स, लॉरा वुल्वार्ट, माया सोनवानी, नत्थकन चैथम, राधा यादव, आरती केदार, शिवली शिंदे, सिमरन दिल बहादुर, यास्तिका भाटिया, प्रणवी चंद्रा।

महिला चैलेंज मैचों के कार्यक्रम

- 23 मई - ट्रेलब्लेजर्स बनाम सुपरनोवाज
- 24 मई - सुपरनोवाज बनाम वेलॉसिटी
- 26 मई - वेलॉसिटी बनाम ट्रेलब्लेजर्स
- 28 मई - फाइनल